शर्मा हार्डओरब
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 13 | अंक : 40 | गुवाहाटी | गुरुवार, 10 सितंबर, 2026 | मूल्य : 2 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मुख्यमंत्री ने एडवांटेज असम 2.0 प्रोजेक्ट्स की समीक्षा की पेज 2
तनाव प्रबंधन और आंतरिक शक्ति बढ़ाने पर दो दिवसीय कार्यक्रम शुरू पेज 3
निकायों में भाजपा की सरकार बनी तो विकास को मिलेगी नई... पेज 5
बैलन डीओर 2026 : मेसी, एमबापे, यामाल और केन समेत 30 खिलाड़ी नामित पेज 7

ब्रिक्स का घोषणा पत्र

तैयारी पूरी, मेनिफेस्टो पर फंसा पेच

नई दिल्ली। नई दिल्ली के भारत मंडपम में इन दिनों रात-दिन काम चल रहा है। मंच सजाए जा रहे हैं, फूलों की सजावट अंतिम रूप ले रही है और प्रोटोकोल टीमें हर गलियारे की जांच कर रही हैं। एयरपोर्ट से लेकर पूरे एनसीआर तक सुरक्षा के इंतजाम पुख्ता किए जा चुके हैं। विशेष विमानों की लैंडिंग, वीवीआईपी काफिले और यातायात बंदिशों की तैयारी भी लगभग पूरी है। इस बात की पूरी संभावना है कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन भी वर्ष 2023 के जी-20 जैसा ही भव्य होगा। अंदर, भारतीय अधिकारियों की सबसे बड़ी चिंता कुछ और है, क्या 13 सितंबर को नेताओं के विदा होने से पहले संयुक्त घोषणा पत्र पर सहमति बन पाएगी? भारत के पास 2023 के जी-20 का अनुभव है, जब भारी मतभेदों के बावजूद अंतिम क्षणों में समझौता प्रपत्र पर सहमति बन गई और समय पर इसे जारी कर दिया गया। वह अनुभव इस बार भी आजमाया जाएगा। वैसे ब्रिक्स में जी-20 जैसा वैचारिक ध्रुवीकरण नहीं है, लेकिन पश्चिम एशिया संकट ने दो नए सदस्यों को आमने-सामने खड़ा कर दिया है। ईरान और संयुक्त अरब अमीरात दोनों ब्रिक्स के नए सदस्य हैं। पश्चिम एशिया संकट के बाद ये दोनों देश एक दूसरे के घोर प्रतिद्वंदी बन चुके हैं। मार्च 2026 में अमेरिका और इजरायल के ईरान पर हमले के बाद ईरानी सेना ने यूएई स्थित अमेरिकी ठिकानों पर जवाबी हमले किए। यूएई इसे अपनी संप्रभुता पर हमला कहता है। मई में ब्रिक्स के विदेश मंत्रियों की बैठक और उसके बाद राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकारों की बैठक में यह दरार खुलकर सामने आई। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने हाल ही में कहा है कि एकता बनाए रखने के लिए उन्होंने शुरू में यूएई का नाम नहीं लिया, लेकिन सच्चाई यह है कि यूएई आक्रमण में सीधे शामिल रहा है। हमले शुरू होने पर उसने निंदा तक नहीं की। उन्होंने आरोप लगाया था कि यूएई ने अपने क्षेत्र को ईरान के नागरिक ढांचे, स्कूलों और अस्पतालों पर हमलों के लिए इस्तेमाल होने दिया। अरागची ने चेतावनी दी कि इजरायल के साथ गठबंधन भी अमीरात की रक्षा नहीं कर सका और अब उसे ईरान के प्रति अपनी नीति पर पुनर्विचार करना चाहिए। संकेत यह है कि -शेष पृष्ठ दो पर

फैंसी बाजार से हटाए गए वेंडरों ने किया विरोध, विधायक से की दखल की मांग

गुवाहाटी। फैंसी बाजार के मुख्य इलाकों से स्ट्रीट वेंडर्स (सड़क किनारे सामान बेचने वालों) को हटाए जाने के कारण गुवाहाटी में विरोध-प्रदर्शन शुरू हो गए हैं। बुधवार, 9 सितंबर को लगभग 200 वेंडर्स सड़कों पर उतर आए और प्रशासन से मांग की कि वे हटाने के फैसले पर फिर से विचार करें और उन्हें अपना कारोबार फिर से शुरू करने की इजाजत दें। 4 सितंबर की एक अर्जी के अनुसार, वेंडर्स ने कहा कि गुवाहाटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन (जीएमसी) ने उन्हें 1 सितंबर से सड़क किनारे अपनी दुकानें खोलने से रोक दिया था। उन्होंने एचबी रोड पर खूबचंद चारियाली से सिख मंदिर पुलिस पॉइंट चारियाली तक वेंडिंग (सामान बेचने) का काम फिर से शुरू करने की इजाजत मांगी और अपनी आजीविका बचाने के लिए दखल की अपील की। राजनीतिक दखल की कोशिश के तहत, विरोध कर रहे वेंडर्स एमएलए विजय कुमार गुप्ता के घर के पास भी जमा हुए। उन्हें उम्मीद थी कि वे उनसे मिल सकेंगे और अपनी दुकानें फिर से खोलने की इजाजत के लिए अर्जी सौंप सकेंगे। हालांकि, वेंडर्स का दावा है कि गुप्ता उनसे नहीं मिले और इसलिए वे उन्हें अर्जी नहीं सौंप पाए। -शेष पृष्ठ दो पर

सही व्यक्ति, सही पार्टी

उपचुनाव से पहले भाजपा ने पूर्व नगांव डीसी का किया स्वागत

गुवाहाटी। आगामी नगांव लोकसभा उपचुनाव में उनकी संभावित उम्मीदवारी को लेकर चल रही राजनीतिक अटकलों के बीच, नगांव के पूर्व जिला आयुक्त (डीसी) देवाशीष शर्मा सत्तारूढ़ भाजपा में शामिल हो गए हैं और इस तरह उन्होंने इस महत्वपूर्ण मुकाबले से पहले औपचारिक रूप से सक्रिय राजनीति में प्रवेश किया है। मंगलवार शाम को राज्य भाजपा मुख्यालय, अटल बिहारी वाजपेयी -शेष पृष्ठ दो पर

असम, मेघालय के मुख्यमंत्रियों ने बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं को गति देने की मांग की

गुवाहाटी (हि.स.)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा और मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड के. सांग्मा ने बुधवार को नई दिल्ली में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से मुलाकात कर दोनों पूर्वोत्तर राज्यों में बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं को नई गति देने की मांग की। कार्तव्य भवन में हुई बैठक में पूर्वोत्तर क्षेत्र में पूंजीगत व्यय बढ़ाने तथा बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं के माध्यम से भौतिक और सामाजिक बुनियादी ढांचे के लिए निवेश के नए अवसर विकसित करने पर चर्चा हुई। बैठक के बाद मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि दोनों राज्यों में बाह्य सहायता प्राप्त परियोजनाओं की गति को बढ़ाने के लिए उन्होंने मजबूत पक्ष रखा। -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

मंत्रणा रूप आंखों से शत्रु के छिद्रों अर्थात उसकी कमजोरियों को देखा-परखा जाता है।
- आचार्य चाणक्य

असम सरकार ने बंगाल की मुख्यमंत्री को लिखा पत्र

कोलकाता में भूपेन हजारिका के घर को संरक्षित करने का किया आग्रह

कोलकाता। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने पश्चिम बंगाल के अपने समकक्ष सुवेंदु अधिकारी को पत्र लिखकर कोलकाता में भूपेन हजारिका के घर को संरक्षित करने के लिए जरूरी कदम उठाने का अनुरोध किया है। अपने पत्र में, शर्मा ने खास तौर पर कोलकाता के साथ हजारिका के गहरे आध्यात्मिक जुड़ाव का जिक्र किया है। उन्होंने लिखा कि भूपेन हजारिका सिर्फ असम का गौरव नहीं हैं। वह भारत और बंगाल के लिए भी एक अमूल्य धरोहर हैं। हमारे लिए, कोलकाता में उनका घर किसी पवित्र तीर्थ स्थल जैसा है। उन्होंने कहा कि असम की पूरी आबादी की भावनाएं इस घर से गहराई से जुड़ी हुई हैं। हम इस घर को संरक्षित करने में पश्चिम बंगाल सरकार के पूरे सहयोग की उम्मीद करते हैं, क्योंकि इसमें बहुत ही प्यारी यादें बसी हैं। सूत्रों का कहना है कि असम सरकार इस घर को -शेष पृष्ठ दो पर

असम चुनाव : भाजपा का 96 करोड़ का बिल कांग्रेस के 22.6 करोड़ रुपए के चुनावी खर्चे से कहीं ज्यादा

नई दिल्ली। चुनाव आयोग (ईसी) के पास दाखिल किए गए व्यय विवरणों से पता चलता है कि भाजपा के चुनावी व्यय में सबसे बड़ा हिस्सा असम का रहा है, जहां पार्टी ने राज्य में 96.27 करोड़ रुपए खर्च किए हैं। यह जानकारी उन तीन राज्यों में से एक है जिनके लिए उसके बयान सार्वजनिक किए गए हैं। इसमें से 76.73 करोड़ रुपए पार्टी के सामान्य प्रचार पर और 19.54 करोड़ रुपए उम्मीदवारों और संबंधित खर्चों पर खर्च किए गए। असम में सामान्य प्रचार व्यय में से लगभग 37 करोड़ रुपए विज्ञापन पर और 27.3 करोड़ रुपए प्रमुख प्रचारकों की यात्रा पर खर्च हुए। इस बीच, कांग्रेस ने असम में पार्टी के सामान्य प्रचार पर 22.62 करोड़ रुपए खर्च किए, जो केरल के बाद राज्यवार दूसरा सबसे बड़ा आंकड़ा है, जहां उसका प्रचार खर्च 59.28 करोड़ रुपए था। असम के आंकड़े पांच राज्यों में हुए विधानसभा चुनावों के दौरान दोनों पार्टियों को उपलब्ध वित्तीय संसाधनों में व्यापक असमानता की पृष्ठभूमि में सामने आए हैं। बयानों के अनुसार, भाजपा को 15 मार्च से 6 मई तक की चुनावी अवधि के दौरान अकेले अपने केंद्रीय मुख्यालय में लगभग 1,473 करोड़ रुपए प्राप्त हुए, जबकि कांग्रेस ने अपनी केंद्रीय और राज्य इकाइयों में कुल मिलाकर 207.17 करोड़ रुपए की शुद्ध प्राप्तियां दर्ज कीं। असम, केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल और पुडुचेरी को कवर करने वाली कांग्रेस की समेकित व्यय रिपोर्ट में इन -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

बेंगलुरु में गणेश चतुर्थी से पहले बप्पा की मूर्ति ले उड़े चोर

बेंगलुरु। देशभर में गणेश चतुर्थी की धूम मची है। लोग गणपति बप्पा को घर लाने की तैयारी कर रहे हैं। 14 सितंबर से गणेश उत्सव शुरू होने जा रहा है। इस दिन हर घर में बप्पा आएंगे। इस बीच गणेश चतुर्थी से पहले एक ऐसा वीडियो सामने आया है, जो हर किसी को हैरान कर देगा। बेंगलुरु में चार -शेष पृष्ठ दो पर

प. बंगाल में छात्रों ने प्रधानाध्यापक को दौड़ा-दौड़ाकर पीटा

जलपाईगुड़ी। उत्तर बंगाल के जलपाईगुड़ी के एक स्कूल में प्रधानाध्यापक को दौड़ा-दौड़ाकर पीटने का मामला सामने आया है। छात्रों से बचकर भाग रहे प्रधानाध्यापक धर्मचंद बारुई को पीछे से जोरदार धक्का दिया गया, जिससे वह जमीन पर गिर पड़े। उनके सिर पर गंभीर चोट लगी और खून बहने लगा। इसके बाद भी छात्रों ने उनके साथ मारपीट की। घटना का वीडियो भी सामने आया है, जिसमें प्रधानाध्यापक को छात्रों -शेष पृष्ठ दो पर

भारत हमेशा श्रीलंका की मदद करता रहेगा : राजनाथ

...त्रा पर श्रीलंका गए रक्षा मंत्री राजनाथ ... के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके ... देशों के बीच कई तरह की साझेदारी ... क्षों ने इस बात पर फिर से जोर दिया ... मुद्री पार्टनर के तौर पर भारत और ... काम करते रहेंगे। साथ ही इस इलाके ... करने के लिए मिलकर काम करेंगे। ... कि दोनों देशों के नागरिकों के बीच ... ल रिश्तों और लोगों के बीच मेलजोल पर आधारित गहरी दोस्ती है। रक्षा मंत्री का गर्मजोशी से स्वागत करते हुए राष्ट्रपति दिसानायके ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपनी बातचीत को याद करके दोहराया कि श्रीलंका कभी भी अपने इलाके का इस्तेमाल भारत के सुरक्षा हितों के खिलाफ किसी भी काम के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

देश की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा अरुणाचल प्रदेश : उपराष्ट्रपति

इटानगर (हि.स.)। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने बुधवार को अरुणाचल प्रदेश विधानसभा के सातवें विशेष सत्र के दूसरे दिन सदन को संबोधित करते हुए राज्य को भारत का *संरक्षक* बताया। उन्होंने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर स्थित अरुणाचल प्रदेश देश की रक्षा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। उन्होंने राष्ट्र के विकास समेत विभिन्न क्षेत्रों में राज्य के लोगों के योगदान की सराहना की। उपराष्ट्रपति ने अरुणाचल प्रदेश की प्राकृतिक सुंदरता और सांस्कृतिक विरासत की प्रशंसा करते हुए कहा कि राज्य ने पिछले कुछ वर्षों में सड़क एवं हवाई संपर्क के साथ-साथ कृषि और बागवानी के क्षेत्र में भी तेजी से प्रगति की है। उन्होंने राज्य में कीवी के बड़े पैमाने पर उत्पादन की सराहना करते हुए अरुणाचल प्रदेश को *भारत की कीवी राजधानी* घोषित किया। इससे पहले विधानसभा अध्यक्ष टेसम पोंगटे ने सदन में उपराष्ट्रपति का स्वागत -शेष पृष्ठ दो पर

देश की पहली बुलेट ट्रेन का उद्घाटन 2027 में होगा : वैष्णव

नई दिल्ली (हि.स.)। सूचना एवं प्रसारण और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बुधवार को कहा कि देश की पहली बुलेट ट्रेन का उद्घाटन 2027 में होगा। उन्होंने कहा कि स्वदेशी रूप से निर्मित बुलेट ट्रेन का मई-जून 2027 में ट्रैक पर परीक्षण शुरू होने की उम्मीद है और परीक्षण के बाद इसका उद्घाटन किया जाएगा। कैबिनेट के फैसलों की जानकारी देने के लिए आयोजित संवाददाता सम्मेलन में वैष्णव ने कहा कि बुलेट ट्रेन का उद्घाटन 2027 में तय है। पहले सूरत से बिलिमोरा के करीब 50 किलोमीटर के खंड को शुरू करने की योजना थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर सूरत से वापी तक करीब 100 किलोमीटर के पहले खंड को 2027 में खोलने -शेष पृष्ठ दो पर

तमिलनाडु में पलटेगा सियासी पासा! थलपति विजय की सरकार गिराने की बिछ रही बिसात

चेन्नई। तमिलनाडु की सियासत इस समय एक बेहद रोमांचक और विस्फोटक मोड़ पर पहुंच चुकी है। वजह है कि एक तरफ मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय राज्य और देश में अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत करने की कोशिश में जुटे हैं, तो दूसरी तरफ उनके धुर विरोधी अब हाथ मिलाने की तैयारी करने लगे हैं। इसी बीच ध्यान देने वाली बात यह है कि बुधवार को तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) मुख्यालय में कांग्रेस, वीसीके, आईयूएमएल और एमडीएमके जैसे सहयोगियों के साथ एक अहम बैठक संपन्न हुई, जिसमें इस गठबंधन का नाम *सेक्युलर सोशल जस्टिस विक्ट्री अलायंस* रखा गया। राज्य में चल रही सियासी गर्माहट के बीच टीवीके की आज की बैठक और योजनाओं के इतर, सतह के नीचे चल रहा राजनीतिक घटनाक्रम कुछ और ही कहानी बयां कर रहा है। अब सवाल तो यहां तक पूछे जाने लगे हैं कि विधायकों की टूट और सहयोगियों की तनातनी के बीच क्या थलपति की सरकार को गिराने का कोई बड़ा चक्रव्यूह रचा जा रहा है? इस -शेष पृष्ठ दो पर

कागजी शेर साबित हुआ इस्लामिक नाटो

हूती से जंग में पिट रहे सऊदी को अब तक बचाने नहीं आए पाकिस्तान-तुर्की

नई दिल्ली। पिछले एक हफ्ते से लगातार हूती विद्रोहियों से सऊदी अरब बुरी तरह पिट रहा है। मंगलवार (8 सितंबर) को सऊदी के 4 शहरों पर हूती विद्रोहियों ने एक साथ हमला किया। इस हमले में सऊदी के 73 लोग घायल हो गए। उसके तेल व्यापार पर असर हुआ। 4 लाख बैरल प्रतिदिन जिस जगह से तेल का निर्यात होता था, वो पूरी तरह ठप हो गया। इसके बावजूद न तो पाकिस्तान और न ही तुर्की ने उसे कोई सहयोग दिया है। इसको लेकर सवाल उठ रहे हैं। अब सहयोग को लेकर पाकिस्तान के रक्षा मंत्री का बयान आया है। पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ के मुताबिक सऊदी को -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
94350-14771

AFFIDAVIT

I, **N ROHIT SINGHA,** S/o Ibungomacha Singha, permanent resident of Dakhin Udaipur, P.O.- Nandanpur Chariali, P.S.- Hojai, Dist.- Hojai, Assam, PIN-782435, and presently residing at Nabajyoti Nagar, Panjabari, Guwahati, Kamrup (M), Assam, do hereby solemnly affirm and declare Via an affidavit executed before the Judicial Magistrate First Class, Kamrup (M) at Guwahati on 07/09/2026, that my father's actual and correct name is **I BUNGOMACHA SINGHA**, as recorded in my Aadhaar Card and Bank Passbook. However, in my Birth Certificate (Registration No. 11/2008/ A-577 dated 13-02-2008), my father's name has been incorrectly recorded as **I. M. SINGHA.** I declare that **I. M. SINGHA** and **I BUNGOMACHA SINGHA** refer to the name of one and the same person, i.e., my father, and his correct name shall henceforth be used and recorded as **I BUNGOMACHA SINGHA** in all official documents and birth records.

मुख्यमंत्री ने *एडवांटेज असम* *2.0* प्रोजेक्ट्स की समीक्षा की

गुवाहाटी। अब निवेश के वादों से हटकर उनके असल अमल पर ध्यान देते हुए, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने *एडवांटेज असम 2.0* के तहत किए गए वादों वाले प्रोजेक्ट्स की स्थिति की समीक्षा की और विभागों को निर्देश दिया कि वे अमल में आ रही रुकावटों को तुरंत दूर करें। शर्मा ने मंगलवार शाम लोक सेवा भवन में कई बड़ी कंपनियों के अधिकारियों और प्रतिनिधियों के साथ बैठक की और सीमेंट, बिजली और रिन्यूएबल एनर्जी जैसे अहम सेक्टरों में निवेश का जायजा लिया। जिन कंपनियों के प्रोजेक्ट्स और मुद्दों की समीक्षा की गई, उनमें अंबुजा सीमेंट्स, स्टार सीमेंट, डालमिया सीमेंट, अडानी पावर, एसजेवीएन ग्रीन एनर्जी लिमिटेड, हिंदुजा ग्रुप, ग्रीनको एनर्जीज प्राइवेट लिमिटेड, नीपको और एनएलसी इंडिया रिन्यूएबल्स जैसी कंपनियां शामिल थीं। मुख्यमंत्री ने कंपनियों के प्रतिनिधियों के साथ विस्तार से बातचीत की ताकि उनके प्रोजेक्ट्स को समय पर पूरा करने में आ रही चुनौतियों को समझा जा सके। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि वे उठाए गए मुद्दों को हल करने और निवेश के वादों पर तेजी से अमल करने के लिए तुरंत और तालमेल के साथ जरूरी कदम उठाएं। शर्मा ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि अभी-अभी इंडस्ट्री लीडर्स के साथ उनकी समस्याओं और आगे की योजनाओं पर चर्चा करने के लिए एक विस्तृत बैठक खत्म हुई है। मुख्यमंत्री ने पीडब्ल्यूडी (सड़क विभाग) को यह भी निर्देश दिया कि जहां भी जरूरत हो, प्रोजेक्ट साइट्स तक अच्छी क्वालिटी की सड़क कनेक्टिविटी सुनिश्चित की जाए, ताकि खराब इंफ्रास्ट्रक्चर की वजह से इंडस्ट्रियल और निवेश प्रोजेक्ट्स में कोई रुकावट न आए। शर्मा ने फिर कहा कि सरकार की प्राथमिकता यह सुनिश्चित करना है कि *एडवांटेज असम 2.0* के तहत किए गए निवेश के वादे जमीन पर असल प्रोजेक्ट्स में बदलें, जिससे रोजगार पैदा हो, आर्थिक गतिविधियां बढ़ें और असम के लोगों के लिए लगातार मौके बनें। यह समीक्षा मई में शर्मा के नए कार्यकाल के लिए पद संभालने के दो दिन बाद दिए गए उस बयान के कुछ महीनों बाद हो रही है, जिसमें उन्होंने कहा था कि निवेश के 60 प्रतिशत वादे एडवांस स्टेज में हैं। सरकारी रिकॉर्ड के अनुसार, एडवांटेज असम 2.0 के तहत कुल 5,18,295 करोड़ रुपए के निवेश के वादे किए गए थे।

पाकिस्तान में अफगान मेडिकल छात्रों पर गिरी गाज
दाखिला बंद, पुराने छात्रों को भी लौटने का फरमान

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और अफगानिस्तान के संबंधों में बढ़ते तनाव के बीच इस्लामाबाद ने देशभर के चिकित्सा संस्थानों को अफगान विद्यार्थियों को निकालने और दाखिला न देने का आदेश दिया है। सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी। इस फैसले से पाकिस्तान में स्नातक स्तर के चिकित्सा और दंत चिकित्सा पाठ्यक्रमों की पढ़ाई कर रहे सैकड़ों अफगान छात्र प्रभावित हो सकते हैं। इनमें कुछ ऐसे छात्र भी हैं, जो जल्द ही अपनी पढ़ाई पूरी करने वाले हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि पाकिस्तान चिकित्सा एवं दंत चिकित्सा परिषद ने चिकित्सा और दंत चिकित्सा संस्थानों को जारी निर्देश में मौजूदा शैक्षणिक सत्र के दौरान अफगान विद्यार्थियों को दाखिला देने पर रोक लगा दी है। उन्होंने कहा कि चिकित्सा और दंत चिकित्सा पाठ्यक्रमों में पहले से दाखिला ले चुके अफगान छात्रों को भी अफगानिस्तान लौटने का निर्देश दिया गया है। अधिकारी ने कहा कि यह फैसला पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच बिगड़ते संबंधों को देखते हुए लिया गया है और यह केवल अफगान नागरिकों पर लागू होगा। अन्य देशों के छात्रों पर इसका असर नहीं पड़ेगा। हालांकि, विदेश कार्यालय ने संकेत दिया कि वैध यात्रा और निवास संबंधी दस्तावेज रखने वाले अफगान छात्र मौजूदा नियमों के तहत अपने वीजा की अवधि बढ़ाने के लिए आवेदन करना जारी रख सकते हैं। विदेश कार्यालय के प्रवक्ता सज्जाद हैदर खान ने कहा कि पाकिस्तान की अवैध विदेशी नागरिक स्वदेश वापसी योजना कहती है कि वैध पासपोर्ट और वीजा के बिना किसी विदेशी नागरिक का देश में रहना गैरकानूनी है और ऐसे लोगों को निर्वासित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हालांकि, पाकिस्तानी अधिकारी हमारी मौजूदा नीति, नियमों और विनियमों के अनुसार अफगान छात्रों के वीजा की अवधि बढ़ाने के आवेदनों पर नियमानुसार कार्रवाई जारी रखे हुए हैं। लाहौर स्थित किंग एडवर्ड चिकित्सा विश्वविद्यालय (केईएमयू) इस आदेश को लागू करने वाला पहला सार्वजनिक क्षेत्र का संस्थान है। विश्वविद्यालय के एक अधिकारी ने कहा कि केईएमयू में इस समय 22 अफगान छात्र पढ़ रहे हैं और उन्हें आवश्यक कानूनी तथा प्रशासनिक औपचारिकताएं पूरी करने के लिए 24 घंटे का समय दिया गया है।

असम में 23 करोड़ रुपए की याबा टैबलेट जब्त

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए बताया कि कछार पुलिस ने लखीपुर के शिवपुर में एक ट्रक के गुप्त चैंबर से 2.3 लाख याबा टैबलेट जब्त की हैं। इनकी अनुमानित कीमत करीब 23 करोड़ रुपए बताई गई है। इस मामले में एक तस्कर को पकड़ा गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि नशीली दवाओं की तस्करी के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कार्रवाई के लिए असम पुलिस की सराहना करते हुए कहा कि इसे चैंबर ऑफ सीक्रेट्स कहा गया, लेकिन वे भूल गए कि हमें गुप्त ठिकाने का पता लगाने आता है। पुलिस ने एक ट्रक (एएस-26एसी- 1763) के गुप्त जगह से 2,30,000 याबा टैबलेट (25 किलोग्राम मेथामफेटामाइन) बरामद किया । इस मामले में एक व्यक्ति को पकड़ा गया है।

पूसीरे ने त्योहारों में यात्रियों की सुविधा के लिए दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनों का परिचालन बढ़ाया

गुवाहाटी (हिंस)। आगामी त्योहारों के मौसम में यात्रियों की बढ़ती भीड़ और सुविधा को ध्यान में रखते हुए पूर्वोत्तर सीमांत रेलवे (पूसीरे) ने दो जोड़ी स्पेशल ट्रेनों के परिचालन को विस्तारित करने का निर्णय लिया है। इनमें ट्रेन संख्या 04008/04007 (आनंद विहार टर्मिनल-जोगबनी-आनंद विहार टर्मिनल) फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस तथा ट्रेन संख्या 08047/08048 (सांतरागाछी जंक्शन-नाहरलगुन-सांतरागाछी जंक्शन) स्पेशल शामिल हैं। रेलवे के अनुसार, दोनों ट्रेनों का परिचालन निर्धारित समय-सारणी, कोच संख्या और ठहरावों के अनुरूप होगा। पूसीरे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी (सीपीआरओ) कपिंजल किशोर शर्मा ने बुधवार को बताया कि ट्रेन संख्या 04008 आनंद विहार टर्मिनल-जोगबनी फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस 10 अक्टूबर से 7 नवंबर तक पांच फेरे लगाएगी। वापसी में ट्रेन संख्या 04007 जोगबनी-आनंद विहार टर्मिनल फेस्टिवल स्पेशल एक्सप्रेस 11 अक्टूबर से 8 नवंबर तक पांच फेरे चलेगी। यह ट्रेन गाजियाबाद, मुरादाबाद, बरेली, शाहजहांपुर, गोंडा, गोरखपुर जंक्शन, छपरा, हाजीपुर, बरौनी, बेगूसराय, खगड़िया, नवगछिया, कटिहार, पूर्णिया जंक्शन और फारबिसगंज समेत प्रमुख स्टेशनों पर ठहरेगी। यात्रियों की सुविधा के लिए ट्रेन में 20 कोच होंगे। इसी क्रम में ट्रेन संख्या 08047 सांतरागाछी जंक्शन-नाहरलगुन स्पेशल का परिचालन 11, 18 और 25 सितंबर को तीन अतिरिक्त फेरों के लिए बढ़ाया गया है। वापसी में ट्रेन संख्या 08048 नाहरलगुन-सांतरागाछी जंक्शन स्पेशल 12, 19 और 26 सितंबर को तीन अतिरिक्त फेरे लगाएगी।

व्यवसायी का शव बरामद

लखीमपुर (हिंस)। असम के ढकुआखाना में एक सनसनीखेज हत्याकांड का मामला सामने आया है। व्यवसायी पवन जैन का शव धनंजय साहू नामक व्यक्ति के घर के बाथरूम से बरामद किया गया। पुलिस ने मामले में धनंजय साहू, उसकी पत्नी और बेटे समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है और हत्या के पीछे के कारणों का पता लगाने में जुटी है।

पृष्ठ एक का शेष

तैयारी पूरी, मेनिफेस्टो ...

ब्रिक्स के भीतर समस्या सिर्फ ईरान और यूएई तक सीमित नहीं है। कुछ अन्य मुद्दों पर भी सदस्यों के बीच सहमति का अभाव है। हाल की कई बैठकों में संयुक्त बयान नहीं निकले। विदेश मंत्रियों की मई बैठक के बाद भारत को केवल अध्यक्ष के बयान और परिणाम दस्तावेज जारी करने पड़े। वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नरों की बैठकों में भी पहले की तुलना में संयुक्त दस्तावेज निकालना मुश्किल हुआ है। आधिकारिक तौर पर किसी देश ने वजह नहीं बताई, लेकिन कूटनीतिक हलकों में माना जा रहा है कि रूस और चीन आपसी कारोबार में स्थानीय मुद्राओं के इस्तेमाल को तेज गति से आगे बढ़ाने पर जोर दे रहे हैं। भारत और दक्षिण अफ्रीका इस दिशा में धीरे-धीरे बढ़ने के पक्ष में हैं। नई दिल्ली साझा मुद्रा के विचार से दूर रहते हुए भुगतान प्रणालियों के बीच बेहतर सामंजस्य बनाने का समर्थक है। बहरहाल, भारत व्यापक सहमति बनाने के लिए चीन और रूस के साथ लगातार संपर्क में है। शेरपा स्तर पर बैठकें चल रही हैं ताकि दिल्ली घोषणा पत्र में पश्चिम एशिया और फिलिस्तीन का ऐसा उल्लेख हो जो दोनों पक्षों को स्वीकार्य हो। रूस ने भी ईरान और यूएई के बीच पुल बनाने की इच्छा जताई है। भारत मुख्य तौर पर व्यावहारिक सहयोग जैसे सप्लााई चेन, एआइ व प्रौद्योगिकी, आतंकवाद विरोध और बहुपक्षीय संस्थानों के सुधार पर फोकस करके सहमति बनाने की कोशिश में है ताकि भू-राजनीतिक दरारें पूरे एजेंडे को निगल न जाएं। शिखर सम्मेलन में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग, इंडोनेशिया के राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो, दक्षिण अफ्रीका से राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा और ईरानी राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान के आने की उम्मीद है। यूएई का प्रतिनिधित्व अबू धाबी के क्राउन प्रिंस कर सकते हैं। ब्राजील के राष्ट्रपति लुला की जगह वहां के विदेश मंत्री माउरो विएरा के आने की सूचना है।

फैंसी बाजार से हटाए...

खबरों के मुताबिक, एक वेंडर ने कहा कि वे एमएलए से मिलने गए थे लेकिन किसी से नहीं मिल पाए। बाद में एचबी रोड पर शर्मा स्वीट्स के पास हालात तनावपूर्ण हो गए, जहां लगभग 200 लोग जमा हुए और स्थानीय वार्ड पार्षद प्रमोद स्वामी का सामना किया। बताया जाता है कि हालात तब और बिगड़ गए जब भीड़ में शामिल कुछ लोगों ने उन पर हमला करने की कोशिश की। पुलिस मौके पर पहुंची और दखल दिया, जिसके बाद पार्षद को उनकी सुरक्षा के लिए उस इलाके से दूर ले जाया गया। यह विरोध-प्रदर्शन 1 सितंबर से एमएस रोड और एचबी रोड पर *नो-वेंडिंग* (वेंडिंग पर रोक) के नियम लागू होने के बाद हुआ। प्रशासन इस व्यस्त कमर्शियल इलाके में ट्रैफिक जाम, अतिक्रमण और पैदल चलने वालों की आवाजाही की समस्याओं को हल करने की कोशिशें तेज कर रहा था। हटाए जाने की कार्रवाई के कारण सड़क किनारे सामान बेचने वाले कई वेंडर्स के पास अपना कारोबार जारी रखने के लिए कोई जगह नहीं बची है। व्यापारियों का तर्क है कि उनकी दुकानें ही उनकी कमाई का मुख्य जरिया हैं और उन्होंने हटाने के बजाय वेंडिंग के लिए तय जगहें देने की मांग की है। गुवाहाटी म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन ने पूरे शहर में 81 वेंडिंग जोन की पहचान की है, हालांकि इन्हें अभी पूरी तरह से चालू नहीं किया गया है। वेंडर्स का एक नया सर्वे भी चल रहा है और अधिकारी वेंडिंग के लिए तय जगहों के तौर पर संभावित इलाकों की जांच कर रहे हैं। वेंडर्स का कहना है कि वे ट्रैफिक जाम और पैदल चलने वालों की आवाजाही को लेकर प्रशासन की चिंताओं को समझते हैं, लेकिन वे चाहते हैं कि नियमों को लागू करने के साथ-साथ उनकी आजीविका से जुड़ी चिंताओं पर भी ध्यान दिया जाए। वे अब प्रशासन और चुने हुए प्रतिनिधियों से ऐसे समाधान के लिए दखल की मांग कर रहे हैं, जिससे ट्रैफिक और पैदल चलने वालों की समस्याओं का भी हल निकले और साथ ही विस्थापित वेंडर अपनी आजीविका भी कमाते रहें।

उपचुनाव से पहले भाजपा...

भवन में आयोजित एक दीक्षांत कार्यक्रम में राज्य भाजपा अध्यक्ष दिलीप सैकिया, कैबिनेट मंत्रियों और अन्य वरिष्ठ नेताओं की उपस्थिति में शर्मा पार्टी में शामिल हुए। इस अवसर पर बोलते हुए शर्मा ने कहा कि वह भाजपा और राज्य की सेवा पूरी निष्ठा से करेंगे। सैकिया ने शर्मा के भाजपा में शामिल होने को *भाजपा के लिए एक खुशी का अवसर* बताया। उन्होंने कहा कि शर्मा एक जाना-पहचाना चेहरा हैं और उन्होंने न केवल प्रशासन बल्कि संस्कृति और अन्य क्षेत्रों में भी योगदान दिया है। अब वे राजनीति में आ गए हैं। वे सही पार्टी में सही व्यक्ति हैं। इस कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ पत्रकार लेनिन सौरभ बोरा और गुंजन कलिता भी भाजपा में शामिल हो गए। हालांकि भाजपा ने अभी तक आधिकारिक तौर पर यह घोषणा नहीं की है कि शर्मा को नगांव उपचुनाव में अपना उम्मीदवार बनाया जाएगा या नहीं, लेकिन पार्टी में उनके प्रवेश ने इस महत्वपूर्ण मुकाबले के लिए भाजपा की पसंद को लेकर अटकलों को और तेज कर दिया है। नगांव में भाजपा के सामने आने वाली राजनीतिक चुनौती को पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने पहले ही स्वीकार कर लिया है। मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि नगांव भाजपा का *पारंपरिक गढ़* नहीं है और उन्होंने 6 अक्टूबर को होने वाले उपचुनाव के परिणाम की भविष्यवाणी करने के खिलाफ चेतावनी दी है। मुख्यमंत्री ने बताया कि भाजपा पिछले लोकसभा चुनाव में इस निर्वाचन क्षेत्र में काफी बड़े अंतर से हार गई थी और कहा कि पार्टी की रणनीति अपने मजबूत विधानसभा क्षेत्रों को बरकरार रखते हुए शेष क्षेत्रों में अपने प्रदर्शन में सुधार करना होगा। उन्होंने कहा था कि भाजपा इस चुनाव में आसान जीत की उम्मीद नहीं कर रही है। राज्य भाजपा प्रमुख सैकिया ने इससे पहले नगांव उपचुनाव को *कठिन और चुनौतीपूर्ण* मुकाबला बताया था, साथ ही यह भी कहा था कि पार्टी जीत हासिल करने के लिए *पूरी कोशिश* करेगी। इस बीच, उपचुनाव चार-तरफा मुकाबले के रूप में आकार ले रहा है, जिसमें अखिल भारतीय तृणमूल कांग्रेस (एआईटीसी) ने प्रो. अब्दुल सलाम के साथ और एआईयूडीएफ ने रेजाउल करीम सरकार को मैदान में उतारा है। भाजपा और कांग्रेस ने अभी तक आधिकारिक तौर पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है, जिससे असम के सबसे चर्चित संसदीय चुनावों में से एक की दौड़ में राजनीतिक सस्पेंस बरकरार है।

असम, मेघालय के ...

उन्होंने कहा कि इससे भौतिक और सामाजिक बुनियादी ढांचे के विकास के लिए निवेश के नए रास्ते खुलेंगे। शर्मा के अनुसार, केंद्रीय वित्त मंत्री ने प्रस्तावों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया दी और केंद्र सरकार की ओर से पूर्वोत्तर के विकास एजेंडे को आगे बढ़ाने के लिए नए सिरे से प्रयास करने का आश्वासन दिया। बैठक को असम और मेघालय में बुनियादी ढांचे के विकास को तेज करने तथा क्षेत्र की आर्थिक वृद्धि के लिए अधिक निवेश जुटाने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। बैठक में असम भवन की रेजिडेंट कमिश्नर कविता पद्मनाभन तथा वित्त मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे।

कोलकाता में भूपेन ...

हासिल करके वहां एक पूरा म्यूजियम या सांस्कृतिक केंद्र बनाना चाहती है। इस केंद्र में हजारिका की निजी चीजों के साथ-साथ उनके म्यूजिक रिकॉर्ड, पांडुलिपियां और दुर्लभ तस्वीरें रखी जाएंगी, ताकि आने वाली पीढ़ियों को इस गायक के जीवन और रचनात्मक कार्यों को बेहतर ढंग से समझने का मौका मिल सके। पत्र से यह भी पता चलता है कि असम इस अधिग्रहण और संरक्षण का पूरा खर्च उठाने को तैयार है। हालांकि, चूंकि यह घर बंगाल के अधिकार क्षेत्र में आता है, इसलिए कानूनी प्रक्रिया के लिए राज्य सरकार की मंजूरी जरूरी है। जानकारों का मानना है कि इस मामले पर प्रशासनिक स्तर पर जल्द ही सकारात्मक बातचीत होगी, क्योंकि कला और संस्कृति को महत्व देने के मामले में बंगाल की हमेशा से एक खास पहचान रही है।

असम चुनाव : भाजपा का ...

राज्यों की कुल प्राप्तियों के मुकाबले 248.55 करोड़ रुपए का व्यय दिखाया गया है। भाजपा द्वारा जारी 1,472.8 करोड़ रुपए का आंकड़ा केवल उसके केंद्रीय मुख्यालय की प्राप्तियों को दर्शाता है। केरल और पश्चिम बंगाल के व्यय संबंधी रिपोर्ट अभी सार्वजनिक नहीं की गई हैं, जिसका अर्थ है कि पांचों राज्यों के लिए उसकी समेकित प्राप्तियां इससे अधिक होने की संभावना है। चुनाव अवधि समाप्त होने पर भाजपा के केंद्रीय मुख्यालय में शुरुआत की तुलना में काफी अधिक धनराशि थी। 15 मार्च को 6,722.6 करोड़ रुपए से बढ़कर 6 मई को इसका समापन शेष 7,627.2 करोड़ रुपए हो गया, जो 904.6 करोड़ रुपए की वृद्धि दर्शाता है। कांग्रेस की वित्तीय स्थिति में विपरीत दिशा में बदलाव आया। केंद्रीय मुख्यालय और पांच राज्य इकाइयों में मिलाकर, चुनाव अवधि की शुरुआत में उसके पास लगभग 169.06 करोड़ रुपए थे, जिसमें 22.9 करोड़ रुपए नकद और 146.1 करोड़ रुपए बैंक खातों में थे, और चुनाव अवधि के अंत में उसके पास लगभग 103.2 करोड़ रुपए ही बचे, यानी 65.86 करोड़ रुपए की गिरावट आई। असम के अलावा, भाजपा के उपलब्ध व्यय विवरणों से पता चलता है कि उसने असम, तमिलनाडु और पुडुचेरी में लगभग 159.7 करोड़ रुपए खर्च किए। इसमें से लगभग 130.4 करोड़ रुपए पार्टी के सामान्य प्रचार पर और शेष उम्मीदवारों और संबंधित खर्चों पर खर्च किए गए। सभी पांच राज्यों में, कांग्रेस ने सामान्य पार्टी प्रचार पर 143 करोड़ रुपए और उम्मीदवारों पर 105.55 करोड़ रुपए खर्च करने की जानकारी दी, जिससे उसका कुल चुनावी खर्च 248.55 करोड़ रुपए हो गया। इसके केंद्रीय मुख्यालय ने प्रचार पर खर्च किए गए 40.52 करोड़ रुपए का योगदान दिया, जबकि राज्य और स्थानीय इकाइयों ने 102.49 करोड़ रुपए खर्च किए। ये आंकड़े असम में चुनाव प्रचार पर होने वाले खर्च के पैमाने को रेखांकित करते हैं, जहां भाजपा द्वारा कथित तौर पर खर्च किया गया 96.27 करोड़ रुपए, कांग्रेस की असम इकाई द्वारा सामान्य पार्टी प्रचार पर खर्च किए गए 22.62 करोड़ रुपए से चार गुना से भी अधिक था।

भारत हमेशा श्रीलंका...

नहीं होने देगा। राष्ट्रपति दिसानायके ने साइक्लोन दितवाह के दौरान *ऑपरेशन सागर बंधु* के तहत भारत की तरफ से दी गई राहत मदद के लिए शुक्रिया अदा किया। रक्षा मंत्री ने जोर देकर कहा कि श्रीलंका का सबसे करीबी दोस्त और पड़ोसी होने के नाते भारत इसे कोई एहसान नहीं, बल्कि सबसे पहले मदद करने वाले के तौर पर मदद देना अपनी जिम्मेदारी समझता है और आगे भी ऐसा करता रहेगा। दोनों नेताओं ने भारतीय सशस्त्र बलों के बनाए तीन बेली ब्रिज का वर्चुअली उद्घाटन किया। दोनों पक्षों ने श्रीलंकाई एयरफोर्स के लिए एल-70 गन्स के अपग्रेडेशन और दोनों देशों के नेशनल कैडेट कॉर्प्स और नेशनल डिफेंस कॉलेज के बीच सहयोग पर समझौता भी किया। इन एयर डिफेंस गन्स के अपग्रेडेशन से श्रीलंका में जरूरी एसेट्स का एयर डिफेंस आर्किटेक्चर काफी मजबूत होगा। ये एयर डिफेंस गन्स पहले भारत ने श्रीलंका एयर फोर्स को दी थीं।

देश की रक्षा में महत्वपूर्ण ...

किया। इस अवसर पर राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) के.टी. परनायक, मुख्यमंत्री पेमा खांडू और विधानसभा के सभी सदस्य मौजूद रहे। दौरे के दौरान उपराष्ट्रपति ने विधानसभा संग्रहालय और फोटो गैलरी का अवलोकन किया। इसके बाद उन्होंने इटानगर स्थित न्यादार नामलो (प्रार्थना हॉल), जवाहरलाल नेहरू राज्य संग्रहालय और सुनने एवं देखने में अक्षम लोगों के लिए संचालित डोनी पोलो मिशन स्कूल का दौरा किया। उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन मंगलवार को मणिपुर से अरुणाचल प्रदेश पहुंचे थे।

देश की पहली बुलेट...

की योजना है। इस खंड का निर्माण दिसंबर 2026 तक पूरा करने का लक्ष्य है। मंत्री ने कहा कि भारत में निर्मित की जा रही बुलेट ट्रेन के एक कोच का निर्माण पिछले सप्ताह पूरा हो गया है। इसके बाद उस पर दबाव और जलवायु संबंधी परीक्षण किए जाएंगे तथा आंतरिक साज-सज्जा सहित अन्य काम पूरे किए जाएंगे। ट्रेन के परीक्षण के लिए अगले वर्ष मई-जून तक इसे ट्रैक पर लाने की योजना है। परीक्षण पूरा होने के बाद प्रधानमंत्री इसका उद्घाटन करेंगे। उल्लेखनीय है कि वैष्णव ने एक दिन पहले वडोदरा में भी कहा था कि देश की स्वदेशी बुलेट ट्रेन मई-जून 2027 में परीक्षण के लिए ट्रैक पर आ जाएगी और परीक्षण के बाद दो से चार महीने में इसका उद्घाटन किया जा सकता है। उन्होंने बताया था कि ट्रेन के पहले बॉडी फ्रेम का निर्माण पूरा हो चुका है और उसे परीक्षण के लिए भेजा गया है। मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर की कुल लंबाई 508 किलोमीटर है। इस परियोजना पर काम गुजरात, महाराष्ट्र और केंद्रशासित प्रदेश दादरा एवं नगर हवेली में चल रहा है। प्रस्तावित बुलेट ट्रेन की अधिकतम गति 320 किलोमीटर प्रति घंटा होगी।

तमिलनाडु में पलटेगा ...

बात में तो कोई दोहराई नहीं है कि तमिलनाडु की राजनीति हमेशा से दो ध्रुवों एआईएडीएमके और डीएमके के इर्द-गिर्द घूमती रही है, लेकिन विजय के आने से यह मुकाबला त्रिकोणीय हो गया है। ऐसे में हाल ही में पूर्व सीएम एडापड्डी के. पलनीस्वामी ने बड़ा बयान देते हुए कहा है कि वे टीवीके के खिलाफ हैं और अगर कोई अन्य दल भी इस विरोध में शामिल होना चाहता है, तो उनका स्वागत है। यहां तक कि उन्होंने डीएमके को भी अप्रत्यक्ष रूप से इस समीकरण में शामिल होने का खुला चैलेंज दे दिया है। बता दें कि तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के बाद अन्नाद्रमुक के 6 विधायक टूटकर विजय के पाले में चले गए थे। इस सियासी चोट ने पारंपरिक दलों को सकते में डाल दिया है। ऐसे में यह भी एक बड़ी वजह है कि अब विरोधी दल विजय की सरकार और उनकी पार्टी को खत्म करने के लिए वैचारिक दूरियां मिटाने पर विचार कर रहे हैं। विजय के नेतृत्व वाले इस नए गठबंधन की नींव अभी से डगमगाती हुई नजर आ रही है। अब इसके दो कारण है। पहला कि पार्टी से लेफ्ट का किनारा करना। इस बात को ऐसे समझिए कि सीपीआई और सीपीएम ने टीवीके की बैठकों से लगातार दूरी बना रखी है। वाम दलों ने साफ कर दिया है कि उनका समर्थन सिर्फ बाहर से और केवल *मुद्दों के आधार* पर होगा। वे इस गठबंधन में पूरी तरह घुलने-मिलने को तैयार नहीं हैं। दूसरी तरफ कांग्रेस से खटपट की खबरें भी विजय की पार्टी के लिए बड़ा खतरा बनता हुआ नजर आ रहा है। इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि टीवीके नेताओं की तरफ से 2029 के लोकसभा चुनाव में विजय को प्रधानमंत्री पद का चेहरा बनाने की मांग ने कांग्रेस को भड़का दिया है। हालांकि कांग्रेस साफ कह चुकी है कि राष्ट्रीय स्तर पर उनके सर्वमान्य नेता राहुल गांधी ही हैं। अब ऐसे समय में इस बयानबाजी ने सत्तारूढ़ गठबंधन के भीतर ही अविश्वास की दीवार खड़ी कर दी है, जिसका फायदा विरोधी उठाने की फिराक में हैं। अच्छा, इन सभी के बीच डीएमके प्रमुख और पूर्व सीएम एमके स्टालिन ने भी विजय पर कड़ा प्रहार किया है। स्टालिन ने हाल ही में तंज कसते हुए कहा था कि विजय विधानसभा को फिल्म का सेट समझते हैं और डायलॉग बोलते हैं। स्टालिन ने अपनी पार्टी के कार्यकर्ताओं में यह आत्मविश्वास भरने की कोशिश की है कि डीएमके चुनाव हारने के बाद बैठने वाली पार्टी नहीं है, बल्कि वह जोरदार वापसी करना जानती है। ऐसे समय में स्टालिन का यह आक्रामक रुख साफ संकेत देता है कि डीएमके अंदरखाने सरकार को अस्थिर करने या विजय के राजनीतिक प्रभाव को खत्म करने के लिए हर संभव रणनीति पर काम कर रही है। राजनीतिक पंडितों का मानना है कि जिस तरह से पारंपरिक प्रतिद्वंद्वी एआईएडीएमके और अन्य दल एकजुट होने के संकेत दे रहे हैं और सत्ताधारी खेमे के भीतर खासकर कांग्रेस और वाम दलों के साथ वैचारिक मतभेद उभर रहे हैं, वह थलपति विजय के लिए खतरे की घंटी है। इस बात को ऐसे भी समझा जा सकता है कि एक तरफ प्रशासनिक मोर्चे पर विपक्ष के हमले तेज हो रहे हैं, तो दूसरी तरफ विधानसभा के भीतर विधायकों की टूट-फूट और सहयोगियों की नाराजगी सरकार के लिए बड़ी चुनौती बन गई है। ये सारी बातें आने वाले दिन तमिलनाडु की राजनीति में किसी बड़े भूचाल का संकेत दे रहे हैं।

हूती से जंग में पिट ...

बचाने के लिए पाकिस्तान मध्य पूर्व की जंग में कूद सकता है। आसिफ के मुताबिक सऊदी पर हूती विद्रोहियों का अगर हमला जारी रहता है तो हम युद्ध में उतर सकते हैं। ख्वाजा ने कहा कि सऊदी पर हूती विद्रोहियों के हमले के कारण मक्का समझौता सक्रिय हो गया है। ख्वाजा आसिफ ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि हम अलर्ट पर हैं। उन्होंने आगे कहा कि मक्का समझौते के तहत मदद करना हमारी जिम्मेदारी है, इस पर किसी को शक नहीं होना चाहिए। सऊदी अरब, पाकिस्तान और तुर्की ने हाल ही में मक्का समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत अगर किसी एक देश पर हमला होता है, तो इसे तीनों देशों पर हमला माना जाएगा। इस समझौते में संयुक्त रक्षा अभ्यास का भी जिक्र है। इसके अलावा दुनिया के दूसरे देशों तक इसके विस्तार की भी बात कही गई है। मक्का समझौता नाटो की तर्ज पर तैयार किया गया है। इसमें शामिल होने वाले देश अपना रक्षा बजट और खुफिया जानकारी एक-दूसरे के साथ साझा करेंगे। इसे इस्लामिक नाटो भी कहा जा रहा है। खबरों के मुताबिक सऊदी अरब में पाकिस्तान के 8 हजार जवान तैनात हैं, लेकिन पाकिस्तान ने हूती को लेकर अभी तक कोई फैसला नहीं किया है। इसके कारण यह जवान सऊदी में बैठे हैं। पाकिस्तान ने इसी साल इन जवानों को सऊदी की रक्षा के लिए भेजा था। इतना ही नहीं वादे के मुताबिक सऊदी और तुर्की जैसे देशों की रक्षा करने के लिए 80 हजार जवानों की तैनाती पाकिस्तान कर सकता है। पाकिस्तान ने इन देशों को परमाणु सुरक्षा का भी वादा किया है।

बेंगलुरु में गणेश ...

चोरों ने सड़क किनारे लगी दुकान से गणपति बप्पा की मूर्ति ही चुरा ली। ये वारदात सीसीटीवी में कैद हो गई। बेंगलुरु में सोमवार को सड़क किनारे लगी दुकान से भगवान गणेश की मूर्ति चोरी हो गई। हैरानी की बात ये है कि चोर केवल भगवान की एक ही मूर्ति चुराकर भागे। दुकान में रखे बाकी किसी सामान को देखा भी नहीं। यह घटना सोमवार सुबह करीब 3:51 बजे मगदी रोड पर दशरहल्ली में हुई। चोरी की पूरी वारदात पास में लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। सीसीटीवी फुटेज में टाटा ऐस मालवाहक वाहन में चार लोग घटनास्थल पर आते दिख रहे हैं। लोगों को मूर्ति के पास आते, उसे उठाते और क्षेत्र से भागने से पहले मूर्ति को वाहन में लोड करते हुए देखा जा सकता है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है और आरोपियों की पहचान करने और उनका पता लगाने की कोशिश की जा रही है।

प. बंगाल में छात्रों ने ...

से बचकर भागते और फिर जमीन पर गिरते देखा जा सकता है। जानकारी के मुताबकि मामला शिक्षक दिवस का है। जलपाईगुड़ी जिला स्कूल में शिक्षक दिवस के अवसर पर विशेष भोजन की व्यवस्था की गई थी। दसवीं कक्षा के कुछ छात्रों को भोजन नहीं मिलने को लेकर विवाद शुरू हुआ। छात्रों का आरोप है कि भोजन स्थल पर पहुंचने पर प्रधानाध्यापक ने कुछ विद्यार्थियों के साथ मारपीट की। इसके बाद छात्र भड़क गए और प्रधानाध्यापक को घेरकर पीटना शुरू कर दिया। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायल प्रधानाध्यापक को अस्पताल ले जाने की कोशिश की। छात्रों ने पुलिस का रास्ता भी रोक दिया। बाद में पुलिस ने किसी तरह प्रधानाध्यापक को वहां से निकाला और अस्पताल पहुंचाया। घटना के बाद स्कूल परिसर में तनाव को देखते हुए पुलिस बल तैनात किया गया। छात्रों ने स्कूल में मध्याह्न भोजन की व्यवस्था को लेकर भी आरोप लगाए हैं। इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हुई है। पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है। घटना ने स्कूलों में अनुशासन और शिक्षकों के खिलाफ बढ़ती हिंसा को लेकर गंभीर सवाल खड़े किए हैं।

असम विस अध्यक्ष रंजीत कुमार दास को मुख्यमंत्री ने दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को असम विधानसभा के अध्यक्ष रंजीत कुमार दास को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट के माध्यम से कहा कि जनसेवा, ग्रामीण विकास और असम के सर्वांगीण विकास के प्रति दास की निष्ठा प्रशंसनीय है। उन्होंने कहा कि स्वस्थ और अनुशासित जीवनशैली के प्रति विधानसभा अध्यक्ष की रुचि भी सभी के लिए प्रेरणादायक है। मुख्यमंत्री ने इस शुभ अवसर पर मां कामाख्या और श्रीमंत शंकरदेव गुरुजन के चरणों में रंजीत कुमार दास के उत्तम स्वास्थ्य, दीर्घायु, सुख-शांति और सफल जीवन के लिए प्रार्थना की।

अगरवुड क्षेत्र को बढ़ावा देने के लिए विशेष टास्क फोर्स गठित करेगा असम

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को कहा कि राज्य में सांची (अगरवुड) क्षेत्र में अपार संभावनाएं हैं। इन संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए असम कैबिनेट ने एक विशेष टास्क फोर्स के गठन को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि यह टास्क फोर्स सांची/अगरवुड के उत्पादन और प्रसंस्करण को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। उन्होंने कहा कि यह पहल असम के आर्थिक विकास को नई गति देने में सहायक होगी।

विकसित भारत समाचार

तापमान

अधिकतम 35⁰ न्यूनतम 27⁰

गुवाहाटी/आसपास

गुरुवार, 10 सितंबर, 2026

आग में 12 दुकान जलकर राख

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव जिले के मायंग पुलिस थाना अंतर्गत बुधवरिया बाजार में आग लगने की वजह से देखते ही देखते 12 दुकानें जलकर राख हो गई। पुलिस ने बताया कि बीती रात मायंग के बुधवरिया बाजार में आग लगने की जानकारी मिलते ही मौके पर अग्निशमन की टीम पहुंची अग्निशमन की टीम ने बड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। आग बुझाए जाते तक बाजार की 12 दुकानें जलकर राख हो चुकी थी। आग की वजह से लगभग एक करोड़ की संपत्ति का नुकसान हुआ है। हालांकि, आग कैसे लगी इसकी जानकारी नहीं लग पाई है। पुलिस ने आशंका व्यक्त किया है कि शॉर्ट सर्किट की वजह से आग लगी होगी। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की गंभीरता से जांच कर रही है।

डॉ. वर्गीज कुरियन को मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने दी श्रद्धांजलि

गुवाहाटी (हिंस)। असम के मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने बुधवार को भारत में श्वेत क्रांति के जनक और प्रसिद्ध उद्योगपति एवं अभियंता डॉ. वर्गीज कुरियन को उनकी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री ने सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि भारत के *मिल्क मैन* के रूप में प्रसिद्ध डॉ. कुरियन ने देश में श्वेत क्रांति की लहर लाकर भारत को एक विशिष्ट पहचान दिलाई। उन्होंने कहा कि डॉ. कुरियन के दूरदर्शी नेतृत्व में विकसित दुग्ध सहकारी आंदोलन के परिणामस्वरूप भारत एक बड़े और आत्मनिर्भर कृषि क्षेत्र के रूप में उभरने में सफल हुआ। मुख्यमंत्री ने महान व्यक्तित्व को उनकी पुण्यतिथि पर गहरी श्रद्धांजलि अर्पित की।

तनाव प्रबंधन और आंतरिक शक्ति बढ़ाने पर दो दिवसीय कार्यक्रम शुरू

गुवाहाटी (हिंस)। सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की पहली बटालियन मुख्यालय, सोनापुर में बुधवार को *तनाव का उन्मूलन एवं आंतरिक शक्ति का संवर्धन* विषय पर दो दिवसीय कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम का आयोजन सुरक्षा सेवा विंग, आरईआरएफ, माउंट आबू द्वारा एसएसबी कर्मियों के लिए, 9 और 10 सितंबर को किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्घाटन पहली बटालियन के कमांडेंट सुनील कौशिक ने दीप प्रज्वलित कर किया। उन्होंने आरईआरएफ की टीम का स्वागत एवं अभिनंदन भी किया। कार्यक्रम में पहली बटालियन मुख्यालय तथा फ्रंटियर मुख्यालय, गुवाहाटी के अधिकारी और जवान शामिल हुए। यह कार्यक्रम ब्रह्माकुमारीज, माउंट आबू के सुरक्षा सेवा विंग द्वारा विभिन्न एसएसबी फ्रंटियर में चलाए जा रहे

तनाव प्रबंधन और आंतरिक शक्ति संवर्धन अभियान का हिस्सा है। कार्यक्रम के प्रशिक्षकों में कैप्टन शिव सिंह, प्रो. ओमकार सिंह और बीके खुशबू शामिल हैं। सत्रों में तनाव प्रबंधन, आत्म-सशक्तीकरण, सकारात्मक सोच, संबंधों में सामंजस्य, नींद प्रबंधन, ध्यान, भावनात्मक संतुलन तथा खुशहाल जीवन जीने की कला जैसे विषयों पर चर्चा की जा रही है। प्रतिभागियों को दैनिक जीवन और ड्यूटी के दौरान तनाव के कारणों तथा उसे प्रभावी ढंग से नियंत्रित करने की व्यावहारिक तकनीकों की जानकारी दी जा रही है। चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में शांतचित्त रहने, भावनाओं को नियंत्रित करने, सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने और आत्मविश्वास बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। कार्यक्रम में ध्यान एवं एकाग्रता अभ्यास, सकारात्मक सोच तथा आंतरिक क्षमताओं को पहचानने और मजबूत करने से संबंधित गतिविधियां भी कराई जा रही हैं। पर्याप्त नींद, संतुलित दिनचर्या और स्वस्थ जीवनशैली के महत्व पर भी प्रकाश डाला गया। कार्यक्रम का उद्देश्य एसएसबी कर्मियों को व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में तनावपूर्ण परिस्थितियों से प्रभावी ढंग से निपटने में सक्षम बनाना तथा मानसिक शांति, आंतरिक शक्ति और सकारात्मक ऊर्जा को बढ़ावा देना है। इससे कर्मियों में उत्साह, एकाग्रता, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करने की क्षमता विकसित करने की भी उम्मीद है।

फकीराग्राम सहकारी समिति लि. की 53वीं वार्षिक सभा संपन्न

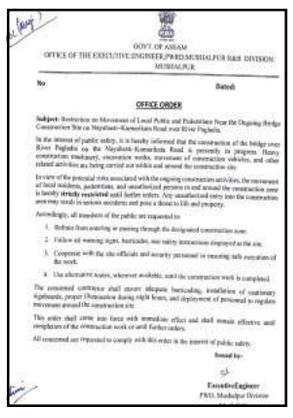

कोकराझाड़ (हिंस)। कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम सहकारी समिति लिमिटेड की वर्ष 2026-27 की 53वीं वार्षिक आम सभा आज कराईटारी वीसीडीसी कार्यालय परिसर में आयोजित की गई। सभा की अध्यक्षता समिति के अध्यक्ष जमीउल हक ने की। सभा में समिति के वरिष्ठ निरीक्षक सह उपाध्यक्ष गणेश चंद्र बर्मन, सचिव माना दे, निर्वाचित सदस्य तथा समिति के शेयरधारक उपस्थित रहे। बैठक के दौरान वित्तीय वर्ष 2026-27 का आय-व्यय विवरण सदन के समक्ष प्रस्तुत किया गया। अध्यक्ष और सचिव द्वारा प्रस्तुत विवरण के अनुसार, समिति को वर्ष के दौरान कुल 51,86,359 रुपए की आय हुई, जबकि 51,07,575 रुपए का व्यय हुआ। इस प्रकार समिति को 78,784 रुपए का शुद्ध लाभ हुआ। इस अवसर पर अध्यक्ष और सचिव ने राज्य की सहकारी समितियों के विकास और आर्थिक मजबूती के लिए सरकार से वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने की मांग की।

पगलादिया नदी पर निर्माणाधीन पुल से आवागमन पर प्रतिबंध

GOVT. OF ASSAM

OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER, PWRD MUSHALPUR R&B DIVISION

MUSHALPUR

No. Dated:

OFFICE ORDER

Subject: Restriction on Movement of Local Public and Pedestrians Near the Ongoing Bridge Construction Site on Nayabasti–Kumarikata Road over River Pagladia.

Accordingly, all members of the public are requested to:

1. Refrain from entering or passing through the designated construction zone.
2. Follow all warning signs, barricades, and safety instructions displayed at the site.
3. Cooperate with the site officials and security personnel in ensuring safe execution of the work.
4. Use alternative routes, wherever available, until the construction work is completed.

All concerned are requested to comply with this order in the interest of public safety.

Issued by-

Executive Engineer

PWD, Mushalpur Division

तामुलपुर (हिंस)। नयाबस्ती-कुमारीकाटा मार्ग पर पगलादिया नदी के ऊपर निर्माणाधीन पुल के निर्माण स्थल पर आम लोगों के प्रवेश और आवागमन पर तत्काल प्रभाव से प्रतिबंध लगा दिया गया है। मुशलपुर लोक निर्माण विभाग ने लोगों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह निर्देश जारी किया है। वर्तमान में निर्माण स्थल पर भारी मशीनरी, मिट्टी की खुदाई तथा निर्माण कार्य में इस्तेमाल होने वाले वाहनों की आवाजाही जारी है। ऐसे में आम लोगों के प्रवेश से दुर्घटना की आशंका को देखते हुए यह कदम उठाया गया है। विभाग ने स्थानीय निवासियों, राहगीरों और अन्य लोगों से निर्माण स्थल में प्रवेश नहीं करने तथा लगाए गए चेतावनी बोर्ड, बैरिकेड और सुरक्षा व्यवस्था का पालन करने की अपील की है। जहां वैकल्पिक मार्ग उपलब्ध हैं, वहां निर्माण कार्य पूरा होने तक लोगों को वैकल्पिक मार्ग का उपयोग करने की सलाह दी गई है। वहीं, संबंधित ठेकेदार संस्था को निर्माण स्थल पर पर्याप्त बैरिकेड लगाने, दिन-रात स्पष्ट रूप से दिखाई देने वाले चेतावनी बोर्ड लगाने, रात के समय पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था करने तथा आवश्यकता के अनुसार सुरक्षा कर्मियों की तैनाती सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। विभागीय कार्यकारी अभियंता के अनुसार, यह प्रतिबंध तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है और पुल निर्माण कार्य पूरा होने अथवा अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा। तामुलपुर जिला के अतिरिक्त जिला आयुक्त डॉ. दीपांकर नाथ के निर्देशानुसार यह जानकारी जारी की गई है।

प्राकृतिक खेती को ग्रामीण समृद्धि और आत्मनिर्भरता का माध्यम बनाएं : राज्यपाल

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने बुधवार को किसानों, वैज्ञानिकों, कृषि संस्थानों, उद्यमियों, नीति-निर्माताओं और सरकारों से समन्वित एवं सामूहिक प्रयास कर प्राकृतिक खेती को आर्थिक रूप से व्यवहार्य बनाने तथा इसे व्यापक जनआंदोलन में बदलने का आह्वान किया। मेघालय के उमियाम स्थित कृषि विज्ञान के स्नातकोत्तर अध्ययन महाविद्यालय में आयोजित तीन दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन करते हुए राज्यपाल ने कहा कि प्राकृतिक खेती को केवल कृषि पद्धति तक सीमित नहीं रखना चाहिए। इसे ग्रामीण आजीविका को मजबूत करने, रोजगार बढ़ाने और आत्मनिर्भरता को प्रोत्साहित करने वाले टिकाऊ एवं आर्थिक रूप से लाभकारी कृषि मॉडल के रूप में विकसित किया जाना चाहिए। आचार्य ने कहा कि प्राकृतिक खेती भारत की पारंपरिक कृषि व्यवस्था और सभ्यतागत ज्ञान से गहराई से जुड़ी है। उन्होंने मिट्टी के स्वास्थ्य, जल संसाधनों और जैव विविधता के संरक्षण के साथ दीर्घकालिक कृषि उत्पादकता सुनिश्चित करने पर जोर दिया। उन्होंने पारंपरिक कृषि ज्ञान को आधुनिक विज्ञान, अनुसंधान और नवाचार से जोड़ने की आवश्यकता बताई। पूर्वोत्तर की कृषि क्षमता का उल्लेख करते हुए राज्यपाल ने कहा कि समृद्ध जैव विविधता, प्राकृतिक संसाधनों और विविध कृषि-जलवायु परिस्थितियों के कारण यह क्षेत्र प्राकृतिक और टिकाऊ खेती का

मॉडल बनने की क्षमता रखता है। उन्होंने असम के जोहा चावल, बोका चावल, काजी नेमू और कार्बी आंगलोंग अदरक सहित पूर्वोत्तर के विभिन्न विशिष्ट भौगोलिक संकेतक प्राप्त कृषि उत्पादों का उल्लेख किया। उन्होंने पारंपरिक एवं प्राकृतिक उत्पादों को स्थानीय स्तर से वैश्विक बाजार तक पहुंचाने का आह्वान किया। इसके लिए उत्पादन, प्रसंस्करण, मूल्यवर्धन, पैकेजिंग, प्रमाणन, ब्रांडिंग तथा राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय बाजार तक पहुंच की एकीकृत व्यवस्था विकसित करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इससे किसानों को बेहतर आय, ग्रामीण रोजगार और कृषि समुदायों को आर्थिक आत्मनिर्भरता मिल सकेगी। राज्यपाल ने कृषि अनुसंधान और किसानों के बीच की दूरी कम करने पर भी बल दिया। उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक अनुसंधान और तकनीकी नवाचार किसानों तक व्यावहारिक एवं सरल तरीके से पहुंचने चाहिए, जबकि किसानों का अनुभव और पारंपरिक ज्ञान भी कृषि अनुसंधान को समृद्ध करना चाहिए। युवाओं को कृषि से जोड़ने के लिए उन्होंने कृषि तकनीक, डिजिटल कृषि, ड्रोन, स्मार्ट सिंचाई, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ई-कॉमर्स और कृषि आधारित उद्यमों को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताई। उन्होंने कहा कि तकनीक, उद्यमिता और कृषि का समन्वय ग्रामीण युवाओं के लिए रोजगार तथा नए उद्यम के अवसर पैदा कर सकता है। *विकसित भारत* के लक्ष्य का उल्लेख करते हुए आचार्य ने कहा कि सशक्त किसान, समृद्ध ग्रामीण समुदाय और संरक्षित प्राकृतिक संसाधन विकसित एवं आत्मनिर्भर भारत की बुनियाद हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सम्मेलन में होने वाला विचार-विमर्श विशेषकर पूर्वोत्तर क्षेत्र में प्राकृतिक खेती, ग्रामीण समृद्धि और टिकाऊ कृषि विकास के लिए व्यावहारिक मार्ग तैयार करने में सहायक होगा। सम्मेलन का आयोजन केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय, इम्फाल द्वारा किया गया।

नगांव लोकसभा सीट हमारे लिए चुनौतीपूर्ण, लेकिन हम लड़कर जीतेंगे : दिलीप सैकिया

नगांव (हिंस)। असम भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप सैकिया ने कहा कि नगांव लोकसभा सीट पार्टी के लिए चुनौतीपूर्ण है, लेकिन भाजपा पूरी ताकत से चुनाव लड़ेगी और जीत हासिल करेगी। सैकिया ने एक कार्यक्रम में शामिल होने के बाद पत्रकारों से बातचीत में कहा कि महापुरुष श्रीमंत शंकरदेव की जन्मभूमि वाले नगांव लोकसभा क्षेत्र में स्वदेशी लोगों की सुरक्षा और हितों की रक्षा के लिए भाजपा का जीतना जरूरी है। उन्होंने विश्वास जताया कि नगांव लोकसभा क्षेत्र के स्वदेशी मतदाता भाजपा को अपना आशीर्वाद देंगे और पार्टी की जीत सुनिश्चित करेंगे।

नगांव उपचुनाव : वाजेद अली ने अल्पसंख्यक मतदाताओं से की कांग्रेस को वोट देने की अपील

गुवाहाटी (हिंस)। असम विधानसभा में विपक्ष के नेता वाजेद अली चौधरी ने नगांव लोकसभा क्षेत्र के अल्पसंख्यक मतदाताओं से आगामी उपचुनाव में कांग्रेस के पक्ष में मतदान करने की अपील की है। चौधरी ने सवाल उठाया कि भाजपा अल्पसंख्यक समुदाय के लिए ऐसी कौन-सी गारंटी या प्रतिबद्धता देगी, जिसके आधार पर वे भाजपा को वोट दें। उन्होंने पूछा कि आखिर अल्पसंख्यक मतदाता भाजपा के पक्ष में मतदान क्यों करें। विपक्ष के नेता ने नगांव लोकसभा क्षेत्र के अल्पसंख्यक मतदाताओं से कांग्रेस का समर्थन देने और उपचुनाव में पार्टी के पक्ष में मतदान करने का आह्वान किया।

रंगिया : 1995 के पुराने हत्याकांड मामले में छह दोषियों को उम्रकैद

रंगिया (विभास)। रंगिया के अतिरिक्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत ने 1995 के एक सनसनीखेज और ऐतिहासिक हत्याकांड के मामले में अंतिम फैसला सुनाते हुए छह आरोपियों को दोषी ठहराया है तथा उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। दोषी करार दिए गए आरोपी सुनानेश्वर बोड़ो, जंगल बोड़ो, सूरज बोड़ो, कंदुरा बोड़ो, हरेश्वर बोड़ो और धनला बोड़ो है। मिली जानकारी के अनुसार यह मामला बाईहाटा चारियाली पुलिस स्टेशन के तहत दर्ज किया गया था (मामला संख्या: 46/95)। पुलिस द्वारा जांच पूरी कर कोर्ट में आरोप पत्र दाखिल किए जाने के बाद सेशन केस नंबर 217/13 के तहत सुनवाई चल रही थी।

लामपाड़ा-डेबडेबी पुल निर्माण में अनियमितता का आरोप दूसरे पक्ष ने नकारा, पीडब्ल्यूडी अधिकारी ने दी सफाई

कोकराझाड़ (विभास)। काचुगांव लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के अंतर्गत लंगा नदी पर बन रहे लामपाड़ा-डेबडेबी पुल के निर्माण कार्य को लेकर विवाद गहरा गया है। एक स्थानीय समूह ने पुल निर्माण में गंभीर भ्रष्टाचार और घटिया निर्माण सामग्री के इस्तेमाल का आरोप लगाया है, जबकि दूसरे पक्ष ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए पुल का काम तेजी से पूरा करने की मांग की है। पहले समूह का आरोप है कि पुल निर्माण में मानकों की अनदेखी की जा रही है। निर्माण में तय मात्रा से कम छड़ (रॉड), निम्न स्तर का सीमेंट और खराब गुणवत्ता वाले पत्थरों का इस्तेमाल हो रहा है। इसके साथ ही समूह ने ठेकेदार और

विभागीय अधिकारियों के बीच मिलीभगत व अवैध लेन-देन के गंभीर आरोप लगाते हुए जांच की मांग उठाई है। वहीं, दूसरे पक्ष ने इन आरोपों का पुरजोर खंडन किया है। उनका कहना है कि पुल का काम पूरी तरह गुणवत्तापूर्ण और सही तरीके से चल रहा है। इस दल ने जनता की आवाजाही और क्षेत्रीय विकास का हवाला देते हुए मांग की है कि पुल का निर्माण कार्य बिना किसी अनावश्यक रुकावट के तय समय पर पूरा किया जाए, ताकि आम लोगों को जल्द से जल्द राहत मिल सके। इस पूरे मामले पर काचुगांव पीडब्ल्यूडी के एसडीओ बरुवा ने स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने बताया कि यह पुल विश्व बैंक द्वारा वित्तपोषित एआरबीपी परियोजना के तहत बनाया जा रहा है, जिसे अप्रैल 2028 तक पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित है। गुणवत्ता के आरोपों पर जवाब देते हुए एसडीओ ने कहा कि पुल निर्माण का कार्य निर्धारित समय-सारणी के अनुसार सुचारू रूप से चल रहा है। निर्माण में उपयोग किए जा रहे पत्थरों और सीमेंट की बाकायदा लैब टेस्टिंग की गई है और दोनों मानक के अनुरूप पाए गए हैं। जहां तक छड़ (रॉड) का सवाल है, तो अभी उसे बांधने का काम प्रगति पर है। प्रक्रिया पूरी होने के बाद तकनीकी टीम द्वारा उसकी पूरी जांच की जाएगी। उन्होंने लेन-देन और भ्रष्टाचार के आरोपों को पूरी तरह आधारहीन बताया।

फकीराग्राम में डॉ. भूपेन हजारिका की मनी जयंती

कोकराझाड़ (हिंस)। पूरे राज्य के साथ कोकराझाड़ जिले के फकीराग्राम में भी भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका की जयंती श्रद्धा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ मनाई गई। फकीराग्राम स्थित शहीद वेदी परिसर में सोमवारदेर शाम फकीराग्राम स्वर्ण शाखा साहित्य सभा एवं फकीराग्राम कला-संस्कृति विकास मंच के संयुक्त तत्वावधान में तथा भारत रत्न डॉ. भूपेन हजारिका जन्म शताब्दी समारोह समिति के आतिथ्य में कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ कोकराझाड़ जिला साहित्य सभा के पूर्व अध्यक्ष खनिन चंद्र राय एवं फकीराग्राम स्वर्ण शाखा साहित्य सभा के अध्यक्ष पीयूष चौधरी द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके बाद कोकराझाड़ जिला साहित्य सभा के पूर्व सचिव कृष्ण चंद्र नाथ एवं फकीराग्राम कला-संस्कृति विकास मंच के पूर्व अध्यक्ष तथा सचिव ध्रुव कुमार मेधी ने डॉ. भूपेन हजारिका के चित्र पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि कार्यक्रम में जन्म शताब्दी समारोह समिति के सचिव कनक सूत्रधर, फकीराग्राम महाविद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. आदित्य चंद्र डेका, डॉ. अनवारुल इस्लाम तथा फकीराग्राम बालिका मध्य अंग्रेजी विद्यालय की पूर्व प्रधानाध्यापिका अनिमा देवी ने भाग लेकर सुधाकंठ डॉ. भूपेन हजारिका

को श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर फकीराग्राम आंचलिक छात्र संघ के महासचिव दिपुनजीत नारायण देव एवं फकीराग्राम महाविद्यालय के सहायक प्रोफेसर डॉ. मनोरंजन राय ने शहीद वेदी पर दीप प्रज्वलित किया। कार्यक्रम में छायामारी पारिजात नाम दल द्वारा नाम-कीर्तन भी प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम में फकीराग्राम स्वर्ण शाखा साहित्य सभा, फकीराग्राम कला-संस्कृति विकास मंच तथा जन्म शताब्दी समारोह समिति के पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे। वक्ताओं ने डॉ. भूपेन हजारिका के संगीत, मानवतावादी विचारों एवं सामाजिक एकता के संदेश को नई पीढ़ी तक पहुंचाने की आवश्यकता पर जोर दिया।

कावेरी अस्पताल, चेन्नई ने रक्त वाहिका से निकाला बुजुर्ग महिला का ट्यूमर

गुवाहाटी। कावेरी अस्पताल, चेन्नई ने एक 63 वर्षीया महिला का ऑपरेशन किया और रक्त वाहिका से एक ट्यूमर को हटा दिया। एक जांच से पता चला कि उसके पेट में कैंसर का ट्यूमर था और उसे तत्काल उपचार की आवश्यकता था? उसने कइ स्वास्थ्य देखभात्र सुविधाओं का दौरा किया था लेकिन ट्यूमर का पता नहीं चला था। डॉ. यूपा. श्रानिवासन, गैस्ट्रोमिन्टेस्टिनल सर्जन, ने कहा कि उसे जटिलता के कारणसर्जरी से वंचित कर दिया गया था क्योंकि वह हिस्टेरेक्टॉमा! सहित कई सर्जरी करवा चुकी था? पाईटी स्कैन से पता चला कि ट्यूमर आसपास के अन्य अंगों में नहीं फैला था। इसलिए हमने डिबल्किंग सर्जरी और हाइपरथैरेमिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपाप्रक्रिया की सिफारिश की, उन्होंने कहा। इस विधि में पहले दिखाई देने वाली ट्यूमर कोशिकाओं को सर्जरी के माध्यम से हटा दिया जाता है। इसके बाद कुछ नलियों को डाला जाता है और एक उपकरण कीमोथेरेपा दवाओं को 42 डिग्रा! सेल्सियस के तापमान पर उदर गुहा में पंप करता है। प्रक्रिया में करीब नौ घंटे का समय लगा। हाइपरथैरेमिक इंट्रापेरिटोनियल कीमोथेरेपाउपचार कैंसर के अग्रिम चरणों में रोग! के लिए जाघ्रन की लंबा उम्र में सुधार करता है। कावेरी हॉस्पिटल्स के सह-संस्थापक और कार्यकारी निदेशक अरविंदा सेल्वाराज ने कहा, यह तकनाक कैंसर के एडवांस स्टेज के मरीजों के लिए वरदान है।

रवींद्रनाथ ठाकुर विवि में *हिंदी सप्ताह-2026* का भव्य शुभारंभ

होजाई (निसं)। रवींद्रनाथ ठाकुर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा आरटीवी छात्र एकता सभा के सौजन्य से 08 सितंबर से 14 सितंबर 2026 तक आयोजित होने वाले *हिंदी सप्ताह* का आज भव्य शुभारंभ हुआ। उद्घाटन सत्र की शुरुआत विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ. संदीप रत्न ने दीप प्रज्वलित कर की। इस अवसर पर संकाय प्रमुख प्रो. संजय डे, छात्र कल्याण अधिष्ठाता डॉ. सत्यजीत कुमार, डॉ. अक्षय ज्योति शर्मा, डॉ. दीजामनी शर्मा सहित विभिन्न विभागों के शिक्षक एवं बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएँ उपस्थित रहे। कार्यक्रम के सफल आयोजन में हिंदी विभाग के शिक्षक डॉ. संतोष गुप्ता, डॉ. प्रांजल कुमार नाथ, करण दास तथा पूजा कुमारी सरोज का

विशेष सहयोग रहा। संपूर्ण कार्यक्रम का संचालन विभाग की छात्रा पूजा शर्मा ने अत्यंत आकर्षक एवं प्रभावी ढंग से किया। कार्यक्रम के प्रारंभ में कार्यक्रम संयोजक डॉ. नागेश्वर यादव ने हिंदी सप्ताह के आयोजन के उद्देश्यों को रेखांकित किया और सप्ताहव्यापी कार्यक्रमों की रूपरेखा प्रस्तुत की। कुलसचिव डॉ. संदीप रत्न ने अपने वक्तव्य में कहा कि हिंदी केवल अभिव्यक्ति का माध्यम ही नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान और तकनीकी युग में निरंतर सशक्त होती भाषा है। संकाय प्रमुख प्रो. संजय दे ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से विद्यार्थियों के भीतर रचनात्मकता और भाषाई अभिरुचि का सुंदर विकास होता है।। डीएसडब्ल्यू डॉ. सत्यजीत कुमार ने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि भाषा हमें अपनी जड़ों से जोड़ती है और इस प्रकार की प्रतियोगिताएँ युवाओं के व्यक्तित्व निर्माण में सहायक सिद्ध होती हैं। विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार स्वामी ने अपने संबोधन में कहा कि हिंदी साहित्य और तकनीक का यह संगम युवाओं में नए विचार एवं भाषाई चेतना जगाने का सशक्त प्रयास है। संपूर्ण कार्यक्रम विभागाध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार स्वामी के मार्गदर्शन तथा सह-संयोजक डॉ. प्रांजल कुमार नाथ एवं विभागीय सहयोगियों के समन्वय से संपन्न हो रहा है।

ग्वालपाड़ा जेके बरुवा यू-19 इंटर-डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 के प्लेट ग्रुप का बना चैंपियन

गुवाहाटी। गुवाहाटी के जजेज फील्ड में खेले गए फाइनल मैच में मोरीगांव को छह विकेट से हराकर ग्वालपाड़ा ने जेके बरुवा यू-19 इंटर-डिस्ट्रिक्ट क्रिकेट टूर्नामेंट 2026 के प्लेट ग्रुप का खिताब जीता। टॉस जीतकर मोरीगांव ने पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया और 50 ओवर में 141/8 रन बनाए। रजनी किलिंग ने 140 गेंदों में 55 रन बनाकर सबसे ज्यादा स्कोर किया, जबकि आर्यन नाशिफ हुसैन ने भी 111 गेंदों में 55 रन बनाए। ग्वालपाड़ा के लिए भीम छेत्री सबसे सफल गेंदबाज रहे, जिन्होंने 34 रन देकर 4 विकेट लिए, जबकि बिनॉय कृष्ण देवनाथ ने 31 रन देकर 2 विकेट लिए। जवाब में, ग्वालपाड़ा ने सिर्फ 28.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर लिया और 142/4 रन बनाकर छह विकेट से शानदार जीत दर्ज की। संतुष दत्ता ने 45 गेंदों में 36 रन बनाए, जबकि बिनॉय कृष्ण देवनाथ ने 34 गेंदों में तेज 35 रन बनाए और रेहान इस्लाम ने 27 गेंदों में 16 रन जोड़े। मोरीगांव के लिए रेकिबुद्दीन अली, प्राणकृष्ण काकती, रजनी किलिंग और आर्यन नाशिफ हुसैन ने एक-एक विकेट लिया। *टूर्नामेंट के अवॉर्ड* प्लेयर ऑफ द मैच : भीम छेत्री (ग्वालपाड़ा)-10 ओवर में 4 विकेट बेस्ट बैटर : अनिकेत बासफोर (सिलचर)-4 पारियों में 171 रन। बेस्ट बॉलर: भीम छेत्री (ग्वालपाड़ा)-5 पारियों में 18 विकेटप्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट : आर्यन नाशिफ हुसैन (मोरीगांव) - 126 रन और 14 विकेट।

संपादकीय

'डिब्बों' में रहने की मजबूरी

राजधानी दिल्ली में 'हत्यारे डिब्बेनुमा' कमरों में रहना छात्रों की मजबूरी है। दिल्ली विश्वविद्यालय और जवाहर लाल नेहरू यूनिवर्सिटी (जेएनयू) के विरोधाभासी आंकड़े ही साबित कर देते हैं कि छात्रों और छात्रावासों (हॉस्टल) के दरमियान कितना बड़ा फासला है। दिल्ली विवि में नियमित 2-2.5 लाख छात्र पढ़ते हैं, जबकि ओपन, प्राइवेट, दूरस्थ और अन्य माध्यमों के साथ यह संख्या 7 लाख को पार कर जाती है। उनमें से दो-तिहाई छात्र दिल्ली से बाहर राज्यों और शहरों से आते हैं। हॉस्टल की सीटें और बिस्तरों की संख्या 7258 है। दिल्ली विवि के कुल 90 कॉलेजों में से सिर्फ 20 कॉलेजों में ही छात्रावास हैं। उनमें करीब 3000 छात्र ही रह सकते हैं। दिल्ली के स्थानीय और एनसीआर से भी छात्र आते हैं, जो पढ़ाई के बाद अपने घरों को लौट जाते हैं। शेष लाखों छात्र कहां जाएं, कहां रहें? यह सवाल स्वाभाविक है और मनुष्य के बसेरे से जुड़ा है। जेएनयू बड़ी विख्यात और लोकप्रिय यूनिवर्सिटी है, जहां 8000-10,000 नियमित छात्र पढ़ते हैं। वैसे पंजीकरण 20,000 छात्रों के करीब का है, लेकिन वे नियमित नहीं हैं। जेएनयू में 18 बड़े-बड़े हॉस्टल हैं, जिनमें करीब 5500 छात्रों के आवास की सुविधा है। छात्रावासों के नाम देश की प्रमुख नदियों के नाम पर हैं। इनमें छात्रों का आवास बेहद किफायती है और खाना भी बेहतर मिलता है। औसतन छात्र 3000-4000 रुपए में महीने भर का गुजारा कर सकता है, जबकि बाजार में 'डिब्बे' के एक बिस्तर का किराया 15,000 रुपए या अधिक वसूला जा रहा है। सवाल यह है कि दिल्ली विवि में मात्र 2 फीसदी और जेएनयू में 50 फीसदी से अधिक छात्रों के लिए हॉस्टल की सुविधा क्यों है? इतना बड़ा अंतर क्यों है? दरअसल दिल्ली में कुल 38 केंद्रीय, राज्य, निजी, डीम्ड विश्वविद्यालय हैं और एनसीआर को मिला कर करीब 1000 कॉलेज तथा संस्थान हैं। युवा छात्र संघ लोक सेवा आयोग के अलावा अन्य परीक्षाओं की तैयारी करने के लिए भी दिल्ली आते हैं। यहां बेहतर कोचिंग की सुविधाएं भी हैं। तो वे दिल्ली में कहां रहेंगे? जाहिर है कि इन 'डिब्बेनुमा' कमरों में ही रहने को वे विवश हैं। दिल्ली में ऐसे पीजी, कथित हॉस्टल या अन्य बसेरे 'कुकुरमुत्ते' की तरह बना दिए गए हैं। जो इलाके कभी शहरी गांव (लाल डोरा क्षेत्र), पुनर्वास और अनधिकृत कॉलोनियां थीं, वहां अब 'डिब्बेनुमा' आवास बना दिए गए हैं। जाहिर है कि कानून का उल्लंघन किया गया, प्रशासन और सरकार सोये रहे, अधिकारियों की जेब और तिजोरियां भरती रहीं और ऐसे 'हत्यारे बसेरे' उभरते रहे। 'सत्य निकेतन' में ही, मई माह में, ऐसी ही त्रासदी हुई थी, जब एक कोचिंग संस्थान की इमारत ढह गई थी और कई मौतें हुई थीं। दिल्ली के संदर्भ में गौरतलब है कि वहां केंद्र सरकार, अर्द्धराज्य सरकार और नगर निगम में भाजपा ही सत्ता में है। अर्थात तीन इंजनों की सरकार! त्रासदियां लगातार हो रही हैं। सरकारें सिर्फ इतना बोलती हैं- 'किसी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा।' कितने दोषी पकड़े गए हैं? कितनों को लंबी सजा मिली है अथवा जुर्माना लिया गया है? माफिया तो जमानत लेकर खुले घूम रहे हैं। वक्त गुजरता है और उन त्रासदियों पर भी धूल, विस्मृति की मोटी चादर फैल जाती है। बीते तीन सालों में मुख्यतः 1132 त्रासद घटनाएं हुई हैं, जिनमें करीब 100 मौतें हुई अथवा हत्याएं कर दी गई हैं! सिलसिला अब भी जारी है। इस बार उच्चन्यायालय ने दिल्ली सरकार, केंद्र सरकार, विवि, नगर निगम, पुलिस, अग्निशमन आदि सभी प्रमुख पक्षों को नोटिस भेज कर हलफनामा दाखिल करने का आदेश दिया है। अदालत ने खूब फटकार लगाई है और माना है कि ये त्रासदियां राजधानी में नियमित हो गई हैं। विडंबना और लापरवाही की इंतिहा है कि 2012 में सरकार ने 'राजीव गांधी बालिका छात्रावास' बनवाया था। तब केंद्र में कांग्रेस नेतृत्व की यूपीए सरकार थी। तब से आज देश और दिल्ली की आबादी कई गुना बढ़ चुकी है, लेकिन मौजूदा मोदी सरकार ने 12 लंबे सालों में एक भी हॉस्टल बनवाने की जहमत नहीं उठाई है। कई राज्य स्तरीय विश्वविद्यालयों में 45-50 फीसदी छात्रों के लिए छात्रावास की व्यवस्था की गई है। वहां व्यवस्था की जा सकती है, तो देश की राजधानी में क्या दिक्कत है? सरकार राजधानी के विश्वविद्यालयों को अधिक सब्सिडी मुहैया कराती है, फिर भी युवा बच्चे लगातार मर रहे हैं! देश भर के शैक्षणिक संस्थानों में पर्याप्त संख्या में हॉस्टलों का निर्माण होना चाहिए। इसमें रहने के लिए युवाओं से कम से कम शुल्क लिया जाना चाहिए। प्रधानमंत्री की नई घोषणा है कि युवाओं को निःशुल्क ऑनलाइन कोचिंग देकर उन्हें प्रशिक्षित किया जाएगा।

> दिल्ली विवि में नियमित 2-2.5 लाख छात्र पढ़ते हैं, जबकि ओपन, प्राइवेट, दूरस्थ और अन्य माध्यमों के साथ यह संख्या 7 लाख को पार कर जाती है। उनमें से दो-तिहाई छात्र दिल्ली से बाहर राज्यों और शहरों से आते हैं। हॉस्टल की सीटें और बिस्तरों की संख्या 7258 है। दिल्ली विवि के कुल 90 कॉलेजों में से सिर्फ 20 कॉलेजों में ही छात्रावास हैं। उनमें करीब 3000 छात्र ही रह सकते हैं। दिल्ली के स्थानीय और एनसीआर से भी छात्र आते हैं, जो पढ़ाई के बाद अपने घरों को लौट जाते हैं। शेष लाखों छात्र कहां जाएं, कहां रहें? यह सवाल स्वाभाविक है और मनुष्य के बसेरे से जुड़ा है। जेएनयू बड़ी विख्यात और लोकप्रिय यूनिवर्सिटी है, जहां 8000-10,000 नियमित छात्र पढ़ते हैं। वैसे पंजीकरण 20,000 छात्रों के करीब का है, लेकिन वे नियमित नहीं हैं। जेएनयू में 18 बड़े-बड़े हॉस्टल हैं, जिनमें करीब 5500 छात्रों के आवास की सुविधा है। छात्रावासों के नाम देश की प्रमुख नदियों के नाम पर हैं। इनमें छात्रों का आवास बेहद किफायती है और खाना भी बेहतर मिलता है। औसतन छात्र 3000-4000 रुपए में महीने भर का गुजारा कर सकता है, जबकि बाजार में 'डिब्बे' के एक बिस्तर का किराया 15,000 रुपए या अधिक वसूला जा रहा है। सवाल यह है कि दिल्ली विवि में मात्र 2 फीसदी और जेएनयू में 50 फीसदी से अधिक छात्रों के लिए हॉस्टल की सुविधा क्यों है? इतना बड़ा अंतर क्यों है? दरअसल दिल्ली में कुल 38 केंद्रीय, राज्य, निजी, डीम्ड विश्वविद्यालय हैं और एनसीआर को मिला कर करीब 1000 कॉलेज तथा संस्थान हैं।

ई-बाजार का सबसे बड़ा परिवर्तन यह है कि उसने दुकान को स्थान से निकालकर व्यक्ति की हथेली तक पहुंचा दिया

ई-बाजारः सुविधा से आगे टिकाऊ अर्थव्यवस्था की नई चुनौती

> बाजार की शैली में परिवर्तन नहीं है, बल्कि उपभोक्ता व्यवहार, रोजगार, तकनीक, छोटे व्यापार और अर्थव्यवस्था की पूरी संरचना में हो रहे बदलाव का संकेत है। हाल में शोध परामर्श संस्था इन्फिसम की रिपोर्ट ने इस परिवर्तन को एक स्पष्ट आंकड़े में सामने रखा है। उसके अनुसार भारत का ई-बाजार 2024 के लगभग 125 अरब डॉलर से बढ़कर 2030 तक करीब 345 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यानी छह वर्षों में लगभग तीन गुना विस्तार। इसके लिए लगभग 18 .4 प्रतिशत की वार्षिक चक्रवृद्धि वृद्धि दर का अनुमान लगाया गया है। लेकिन इस आंकड़े को केवल बाजार की सफलता के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। असली प्रश्न यह है कि इतनी तेज वृद्धि भारतीय अर्थव्यवस्था, रोजगार, उपभोक्ता अधिकार, छोटे व्यापार और पर्यावरण के लिए किस तरह का भविष्य बनाएगी।

भारत में खरीदारी की दुनिया जिस तेजी से बदल रही है, वह केवल बाजार की शैली में परिवर्तन नहीं है, बल्कि उपभोक्ता व्यवहार, रोजगार, तकनीक, छोटे व्यापार और अर्थव्यवस्था की पूरी संरचना में हो रहे बदलाव का संकेत है। हाल में शोध परामर्श संस्था इन्फिसम की रिपोर्ट ने इस परिवर्तन को एक स्पष्ट आंकड़े में सामने रखा है। उसके अनुसार भारत का ई-बाजार 2024 के लगभग 125 अरब डॉलर से बढ़कर 2030 तक करीब 345 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है। यानी छह वर्षों में लगभग तीन गुना विस्तार। इसके लिए लगभग 18.4 प्रतिशत की वार्षिक चक्रवृद्धि वृद्धि दर का अनुमान लगाया गया है। लेकिन इस आंकड़े को केवल बाजार की सफलता के रूप में देखना पर्याप्त नहीं होगा। असली प्रश्न यह है कि इतनी तेज वृद्धि भारतीय अर्थव्यवस्था, रोजगार, उपभोक्ता अधिकार, छोटे व्यापार और पर्यावरण के लिए किस तरह का भविष्य बनाएगी। ई-बाजार की अगली कहानी केवल अधिक बिक्री की नहीं, बल्कि अधिक विवेकपूर्ण और अधिक टिकाऊ विकास की होनी चाहिए। ई-बाजार का सबसे बड़ा परिवर्तन यह है कि उसने दुकान को स्थान से निकालकर व्यक्ति की हथेली तक पहुंचा दिया है। पहले ग्राहक बाजार जाता था, अब बाजार ग्राहक के मोबाइल में पहुंच गया है। दुकान खुलने और बंद होने का समय समाप्त हो रहा है। भौगोलिक दूरी का महत्व घट रहा है और सुविधा खरीदारी का सबसे बड़ा आकर्षण बनती जा रही है। इसी कारण ऑनलाइन खरीदारी अब केवल महानगरों की सुविधा नहीं रही। छोटे शहर और कस्बे इसके नए केंद्र बन रहे हैं। हालिया अध्ययन के अनुसार नए प्रत्यक्ष-से-उपभोक्ता आदेशों का लगभग 66 प्रतिशत हिस्सा दूसरे और तीसरे स्तर के शहरों से आ रहा है। यह परिवर्तन भारत की आर्थिक संरचना के लिए विशेष महत्व रखता है। महानगरों के बाद अब छोटे शहरों का उपभोक्ता बाजार की अगली शक्ति बन रहा है। स्थानीय भाषा में सामग्री, क्षेत्रीय पसंद, छोटे व्यापारियों की डिजिटल उपस्थिति और कम लागत वाली आपूर्ति व्यवस्था आने वाले वर्षों में ई-बाजार के विस्तार को गति दे सकती है। इसलिए भविष्य का ई-बाजार केवल

तकनीक का बाजार नहीं होगा, बल्कि भारत की विविध भाषाओं, संस्कृतियों और स्थानीय आवश्यकताओं को समझने वाला बाजार होगा।

इस बदलाव में नई पीढ़ी की भूमिका निर्णायक है। आज ऑनलाइन खरीदारों में नई पीढ़ी की हिस्सेदारी लगभग एक-तिहाई बताई जा रही है और अनुमान है कि 2030 तक यही वर्ग डिजिटल खर्च का सबसे बड़ा समूह बन सकता है। यह केवल उम्र का परिवर्तन नहीं है, यह उपभोग की मानसिकता का परिवर्तन है। नई पीढ़ी विकल्पों की तुलना करती है, मूल्य की जांच करती है, दूसरे ग्राहकों की राय पढ़ती है और सुविधा को बहुत महत्व देती है। उसके लिए खरीदारी केवल वस्तु प्राप्त करना नहीं, बल्कि समय बचाना भी है। यही मानसिकता त्वरित वाणिज्य को असाधारण गति दे रही है। कुछ वर्ष पहले कुछ मिनटों में सामान पहुंचाने की कल्पना असंभव लगती थी, आज यह महानगरों से निकलकर छोटे शहरों तक पहुंच रही है। अनुमान है कि 2030 तक त्वरित वाणिज्य का बाजार 65 से 70 अरब डॉलर तक पहुंच सकता है और अगले पांच वर्षों में ई-बाजार की अतिरिक्त वृद्धि में इसका योगदान 45 से 50 प्रतिशत तक हो सकता है। इसके साथ छोटे स्थानीय भंडार केंद्रों की संख्या 2025 के लगभग 2,525 से बढ़कर 2030 तक करीब 7,500 होने का अनुमान है। लेकिन यहां एक गंभीर प्रश्न भी खड़ा होता है-क्या हर वस्तु को कुछ मिनट में घर पहुंचाना वास्तव में प्रगति का अंतिम मानक है? यदि उपभोक्ता को पांच मिनट में सामान मिल जाए, लेकिन उस सुविधा के पीछे अत्यधिक पैकेजिंग, अधिक यातायात, अधिक ऊर्जा खपत, अस्थिर रोजगार और लगातार घाटे का व्यापार हो, तो ऐसी गति को कितने समय तक टिकाऊ कहा जा सकता है? इसलिए आने वाले समय में ई-बाजार की सफलता को केवल वितरण की गति से नहीं, बल्कि उसके सामाजिक और आर्थिक संतुलन से भी मापना होगा। प्रौद्योगिकी इस पूरी व्यवस्था को और गहराई से बदलने वाली है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता ग्राहक की पसंद को समझकर उत्पाद सुझाएगी, संवाद आधारित खरीदारी ग्राहक को बातचीत के माध्यम से निर्णय लेने में सहायता देगी और आभासी परीक्षण से वस्त्र, सौंदर्य सामग्री तथा अन्य उत्पादों को खरीदने का अनुभव बदल सकता है। एक हालिया अध्ययन के अनुसार कृत्रिम बुद्धिमत्ता और यंत्र-अधिगम 2030 तक खुदरा उत्पादकता में 35 से 37 प्रतिशत तक सुधार ला सकते हैं। इससे आगे एक और बड़ा परिवर्तन संभव है। आज ग्राहक स्वयं वस्तु खोजता है, कल कृत्रिम बुद्धिमत्ता उसके लिए खोज, तुलना और चयन का बड़ा हिस्सा कर सकती है। अर्थात बाजार में सबसे बड़ा प्रतिस्पर्धी केवल वह कंपनी नहीं होगी जिसके पास अधिक उत्पाद हैं, बल्कि वह होगी जो ग्राहक की आवश्यकता को उससे पहले समझ सके। यह सुविधा जहां समय बचाएगी, वहीं उपभोक्ता की स्वतंत्र पसंद, निजता और आंकड़ों की सुरक्षा से जुड़े नए प्रश्न भी पैदा करेगी। ई-बाजार का विस्तार परंपरागत दुकानदार के लिए भी बड़ी चुनौती है। ऑनलाइन कीमतों की तुलना करने वाला ग्राहक अब दुकान पर भी अधिक जागरूक होकर पहुंचता है। लेकिन इसे केवल ऑनलाइन बनाम ऑफलाइन संघर्ष के रूप में देखना गलत होगा। भविष्य का सफल व्यापारी संभवतः दोनों का मेल करेगा। स्थानीय दुकानदार डिजिटल माध्यम से आदेश ले सकता है, घर तक सामान पहुंचा सकता है और अपने पुराने ग्राहक संबंधों को तकनीकी सुविधा से जोड़ सकता है। इस प्रकार ई-बाजार परंपरागत बाजार का अंत करने के बजाय उसे नए रूप में ढाल सकता है। दूसरी ओर रोजगार का प्रश्न भी महत्वपूर्ण है। ई-बाजार ने वितरण, भंडारण, पैकिंग, तकनीकी सेवाओं और घरेलू आपूर्ति में लाखों अवसर पैदा किए हैं, लेकिन काम की गुणवत्ता, मेहनताना, सामाजिक सुरक्षा और कार्यस्थल की सुरक्षा को लेकर प्रश्न बने हुए हैं। यदि आर्थिक वृद्धि का लाभ केवल कंपनियों और निवेशकों तक सीमित रह जाए और अंतिम पंक्ति में काम करने वाले व्यक्ति को असुरक्षित रोजगार मिले, तो यह विकास अधूरा माना जाएगा। पर्यावरण भी इसी बहस का महत्वपूर्ण पक्ष है। हर वस्तु की अलग पैकिंग, बार-बार होने वाली छोटी आपूर्ति और अत्यंत तेज वितरण से ऊर्जा उपयोग तथा अपशिष्ट बढ़ सकता है। इसलिए भविष्य का ई-बाजार पुनर्चक्रण योग्य पैकेजिंग, विद्युत वाहनों, सामूहिक वितरण और कम-अपशिष्ट आपूर्ति व्यवस्था की ओर बढ़े, तभी उसकी वास्तविक सामाजिक उपयोगिता सिद्ध होगी। एक और महत्वपूर्ण बदलाव यह है कि भविष्य की खरीदारी केवल कंपनियां नहीं, बल्कि सामग्री निर्माता और सामाजिक माध्यमों से प्रभावित होगी। गूगल और डेलॉइट के 2026 के अध्ययन के अनुसार 2030 तक नई पीढ़ी ऑनलाइन खर्च का लगभग 45 प्रतिशत हिस्सा नियंत्रित कर सकती है और सामग्री निर्माता कुल खुदरा खर्च के लगभग 30 प्रतिशत को प्रभावित कर सकते हैं।

देश | दुनीया से

ऑफिसर क्यों छोड़ रहे हैं आईएएस की नौकरी

यूपी की मशहूर आईएएस ऑफिसर दिव्या मित्तल के इस्तीफे पर चर्चा गरमाई हुई है। 13 साल की सेवा के बाद अचानक लिए गए इस निर्णय के पीछे की वजह को तलाशा जा रहा है। इसको लेकर राजनीतिक दलों की ओर से भी तरह-तरह के आरोप लगाए जा रहे हैं। हालांकि इस्तीफे के पीछे की वजह अभी तक साफ नहीं हो सकी है। आईएएस ने अपने सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा कि मैं कुछ देने की सोचकर प्रशासनिक सेवा में आई थी, लेकिन यहां से झोली भरकर लोगों का प्यार और आशीर्वाद लेकर जा रही हूं। दरअसल आईएएस के पद को देश में काफी प्रतिष्ठित माना जाता है और इस प्रतिष्ठित नौकरी को हासिल करना काफी मुश्किल है। लेकिन अगर हम आपसे यह कहें कि यह नौकरी पाना जितना मुश्किल है, उससे अधिक मुश्किल इस नौकरी को छोड़ना है, तो शायद आपको इस बात पर यकीन न हो। उत्तर प्रदेश कैडर में ही पिछले कुछ वर्षों में लगभग एक दर्जन से अधिक आईएएस अधिकारियों ने या तो अपने पद से इस्तीफा दिया है या फिर स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति ली है। दिव्या ने इस्तीफे को व्यक्तिगत प्राथमिकताओं और अपने सपनों को नया आयाम देने के लिए उठाया गया कदम बताया। लेकिन यह बात जल्दी गले नहीं उतरती है। दिव्या मित्तल ने पूरे देश के लोगों का ध्यान उस समय अपनी ओर खींचा था जब वो मिर्जापुर के जिलाधिकारी के पद पर कार्यरत थीं। उन्होंने हलिया ब्लॉक स्थित लहुरियादह गांव में स्वतंत्रता के 75 साल बाद लगभग साढ़े सात दशकों से अधिक समय से पानी से वंचित लोगों के लिए पहली बार नल से जल पहुंचाया था। अगस्त 2023 में तत्कालीन जिला अधिकारी दिव्या मित्तल ने जल जीवन मिशन के तहत कठिन पहाड़ी भूगोल को

मात देकर इस गांव के 125 से अधिक घरों में पाइपलाइन से पानी पहुंचाया। इस खबर ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा था। इस दौरान वहां की ग्रामीण जनता ने उनका स्वागत फूलमालाएं पहना कर किया, जिससे लखनऊ में बैठे बड़े अफसर उनसे नाराज हो गए। इस उद्घाटन समारोह और कार्यक्रम के दौरान भी प्रोटोकॉल को लेकर स्थानीय राजनीतिक हलकों में विवाद उत्पन्न हो गया, जिसके बाद उन्हें मिर्जापुर से स्थानांतरित कर दिया गया था। दिव्या को कई महीने तक पोस्टिंग नहीं दी गई। कई महीनों के बाद उन्हें देवरिया का डीएम बनाया गया, जहां से कुछ महीनों के बाद उन्हें वहां से भी हटा दिया गया। दिव्या ने हमेशा बुराई से लड़ने का काम किया। शायद यही कारण है कि नेताओं को वो कभी काम के लिए मुफीद नहीं लगी। दिव्या की खासियत थी कि आप उन पर दबाव डालकर कोई गलत काम नहीं करवा सकते थे। यह बात किसी भी राजनेता को इस देश में रास नहीं आती है। दिव्या ने सोशल मीडिया पर पोस्ट साझा करते हुए अपने इस सफर और देश सेवा के अपने अनुभवों का जिक्र किया, जो इनके किए गए काम और भारत के लिए इनकी खुली आंखों से देखे गए सपने का विस्तार है। रींकू सिंह राही, अनामिका सिंह, आमोद कुमार, अभिषेक सिंह, विकास गोठवाल, विद्या भूषण, मोहम्मद मुस्तफा, रेणुका कुमार और जुथिका पाटनकर, रिग्जिन सैम्पफेल, राजीव अग्रवाल और जी. श्रीनिवासुलु इत्यादि अनेक ऑफिसर नौकरी छोड़ चुके है। क्यों छोड़ रहे हैं आईएएस अफसर नौकरी, यह एक सामाजिक चिंता का विषय है। ये सच है कि हर किसी को अपने सपने को जीने का हक है। कुछ तो कॉरपोरेट जगत, पब्लिक पॉलिसी या अन्य क्षेत्रों में नए अवसर तलाशना चाहते थे। तो कुछ कई बार राज्य और केंद्र के बीच एनओसी या प्रतिनियुक्ति के मामलों में गतिरोध और मनमुताबिक पोस्टिंग न मिलने के कारण भी इस स्थिति को पहुंच गए। कई अधिकारियों ने अपने इस्तीफे में पारिवारिक जिम्मेदारियों या स्वास्थ्य समस्याओं का हवाला दिया है। यहां पर सवाल यह उठता है कि आईएएस बनने के सपने को पूरा करने के लिए इन सभी लोगों ने दिन-रात एक कर दिया होगा। कई रातें जागकर बिताई होंगी। सालों अपने परिवार से दूर रहने का काम किया होगा। न जाने कितनी इच्छाओं को दमन कर दिया होगा। लेकिन कोई वर्षों से देखे सपने को एक पल में कैसे छोड़ सकता है, यह बहुत बड़ा सवाल है। दक्षिण कन्नड़ के डिप्टी कमिश्नर शशिकांत सेंथिल ने अपनी नौकरी से इस्तीफा देने के बाद लिखा था- मौजूदा दौर में जब हमारे विविधतापूर्ण लोकतंत्र के सभी संस्थान अभूतपूर्व तरीके से समझौता कर रहे हैं, ऐसे में उनका काम जारी रखना अनैतिक होगा। सेंथिल ने आगे लिखा है कि आने वाला वक्त हमारे देश के मूल स्वभाव के लिए और भी चुनौतीपूर्ण होने वाला है। इसलिए ये बेहतर होगा कि वो प्रशासनिक सेवा से बाहर होकर लोगों के जीवन में भलाई लाने वाला काम करें। कुछ सवाल हैं- क्या अफसरों का मौजूदा सरकारों के साथ काम करना मुश्किल हो गया है? क्या सरकारें अफसरों के साथ ज्यादा सख्ती दिखा रही हैं? या सरकार पर संवैधानिक संस्थाओं को नुकसान पहुंचाने के जो आरोप लगते हैं वो सही हैं। आईपीएस की नौकरी से इस्तीफा देने वाले एक ऑफिसर बताते है कि मैंने आईपीएस बनने के लिए बहुत कड़ी मेहनत की, लेकिन नौकरी हासिल करने के बाद उससे भी 100 गुना ज्यादा मेहनत करनी पड़ रही थी। इसलिए मैंने नौकरी छोड़ दी। मैंने कई लाचार और बेबस आईएएस और आईपीएस अफसर देखे। वो योग्यता और क्षमता में स्तरहीन थे। सिस्टम काम नहीं करता है और आप इसको फिक्स नहीं कर सकते। सारे लोग लाचार और बेबस दिखते हैं। नकारे लोगों की पूरी लेयर होती है। एक के बाद एक नकारे लोग मिलते जाते हैं। सभी लोग आपको दबाने में लगे रहते हैं। नेता, आपके सीनियर, आपके जूनियर...सभी...लेकिन ये भी सच्चाई है कि जिन मजबूरियों और जिस हालात की चर्चा कर नौकरी छोड़ देते हैं, वो तकरीबन सभी नौकरियों में होते हैं। ऐसे अधिकारियों को भी नेताओं और मंत्रियों से दबकर काम करना पड़ता है।

आप का | नजरीया

सितम्बर बेलगाम अधिकारी

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने दिल्ली विश्वविद्यालय की एक छात्रा को राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत अनावश्यक रूप से गिरफ्तार करने के मामले जो टिप्पणियां की हैं, वो देश में राज्य सरकारों के लिये एक गंभीर चेतावनी समझी जानी चाहिए। अदालत ने उत्तर प्रदेश के अधिकारियों को इस मामले में कड़ी फटकार लगाते हुए अफसरों के रवैये को तानाशाही वाला बताया है। कोर्ट ने बेहद सख्त भाषा का प्रयोग करते हुए राज्य को ऐसी जगह बताया जहां सरकार का निरंकुश नियंत्रण कानून-व्यवस्था के मामले में हो। स्पष्ट शब्दों में अदालत ने इस घटनाक्रम को मनमाने ढंग से आजादी छीनने वाला बताया। निश्चित रूप से, राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार छात्रा की हिरासत को रद्द करने का कोर्ट का फैसला कई गंभीर प्रश्नों को भी जन्म देता है। जो यह भी दर्शाता है कि अधिकारियों द्वारा असाधारण शक्तियों का इस्तेमाल किस तरह से एक सामान्य मामले में किया जा रहा है। निस्संदेह, इसमें दो राय नहीं कि एहतियाती तौर पर हिरासत में लेना एक असाधारण उपाय है। लेकिन इस गिरफ्तारी को तभी सही ठहराया जा सकता है जब इसे सिद्ध करने के लिये पुख्ता सबूत हों। यानी कि कोई व्यक्ति वास्तव में देश की सार्वजनिक व्यवस्था या राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये गंभीर खतरा हो। दूसरे शब्दों में कहें तो यह सामान्य आपराधिक कानून का आसान विकल्प या असहमति की आवाज को दबाने का जरिया नहीं बन सकता है। बताया जाता है कि इस प्रकरण में, खबरों के अनुसार अदालत को कोई ऐसा ठोस सबूत पुलिस उपलब्ध नहीं करा सकी, जिससे यह साबित होता हो कि छात्रा का हिंसा भड़काने में कोई सीधा संबंध रहा हो। उल्लेखनीय है कि मामले में लिप्त अधिकारी कोई ऐसा ठोस प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर सके, मसलन व्हाट्स ऐप संदेश या वीडियो उपलब्ध नहीं करा सके, जो यह साबित करता कि छात्रा ने लोगों को दंगे या तोड़-फोड़ के लिये उकसाया था। जिसके बाद ही अदालत ने अभियुक्त की हिरासत रद्द करने के आदेश दिए। देश का स्वतंत्रता आंदोलन का इतिहास इस बात का गवाह है कि लोकतांत्रिक ढंग से विरोध करना एक जायज अधिकार रहा है। एक स्वतंत्र देश में तो यह अधिकार और सबल हो जाता है। निस्संदेह, किसी संवैधानिक लोकतंत्र में विरोध व प्रदर्शन में शामिल होने और हिंसा भड़काने के बीच फर्क बहुत अहम है। इससे भी ज्यादा चिंता की बात प्रशासनिक प्रक्रिया के बारे में इलाहाबाद उच्च न्यायालय की सख्त टिप्पणियां हैं। दरअसल, अदालत ने गिरफ्तारी के समय और आधिकारिक रिकॉर्ड तैयार करने के दौरान सामने आई विसंगतियों पर सवाल उठाए हैं। कोर्ट ने इस प्रक्रिया को घटना के बाद रची गई कार्रवाई जैसा बताया है। इस घटनाक्रम का दूसरा महत्वपूर्ण पहलू कोर्ट द्वारा दिया गया निर्देश है कि घटनाक्रम के लिये जिम्मेदार अधिकारियों से पांच लाख रुपये का मुआवजा वसूला जाए। इतना ही नहीं अधिकारियों के सर्विस रिकॉर्ड में इस बाबत टिप्पणी दर्ज की जाने का निर्देश दिया गया है। अदालत की सोच रही है कि जब कोई भी अधिकारी सरकारी ताकत का गलत ढंग से इस्तेमाल करता है, तो जवाबदेही सिर्फ सरकारी खजाने तक ही सीमित नहीं रह सकती है। जिसका निहितार्थ यह भी है कि सरकारी कर्मचारी जबर्दस्ती प्रयोग की जाने वाली ताकत के मालिक नहीं हैं, वरन सही मायने में वे उसके संरक्षक होते हैं। वास्तव में उनकी निष्ठा सत्ता के बजाय संविधान और कानून के प्रति ईमानदारी से होनी ही चाहिए। कहने का अभिप्राय यह भी कि लोकतंत्र शोर-शराबे वाले विरोध को तो झेल सकता है, लेकिन ऐसी नौकरशाही को बर्दाश्त नहीं कर सकता है, जो असहमति को व्यवस्था के लिये खतरा समझती हो। निश्चित रूप से लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षक के रूप में अदालत द्वारा की गई सख्त टिप्पणियां देश की राज्यों सरकारों के लिये एक नजीर जैसी हैं।

> देश में राज्य सरकारों के लिये एक गंभीर चेतावनी समझी जानी चाहिए। अदालत ने उत्तर प्रदेश के अधिकारियों को इस मामले में कड़ी फटकार लगाते हुए अफसरों के रवैये को तानाशाही वाला बताया है। कोर्ट ने बेहद सख्त भाषा का प्रयोग करते हुए राज्य को ऐसी जगह बताया जहां सरकार का निरंकुश नियंत्रण कानून-व्यवस्था के मामले में हो। स्पष्ट शब्दों में अदालत ने इस घटनाक्रम को मनमाने ढंग से आजादी छीनने वाला बताया। निश्चित रूप से, राष्ट्रीय सुरक्षा कानून के तहत गिरफ्तार छात्रा की हिरासत को रद्द करने का कोर्ट का फैसला कई गंभीर प्रश्नों को भी जन्म देता है। जो यह भी दर्शाता है कि अधिकारियों द्वारा असाधारण शक्तियों का इस्तेमाल किस तरह से एक सामान्य मामले में किया जा रहा है। निस्संदेह, इसमें दो राय नहीं कि एहतियाती तौर पर हिरासत में लेना एक असाधारण उपाय है। लेकिन इस गिरफ्तारी को तभी सही ठहराया जा सकता है जब इसे सिद्ध करने के लिये पुख्ता सबूत हों। यानी कि कोई व्यक्ति वास्तव में देश की सार्वजनिक व्यवस्था या राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये गंभीर खतरा हो। दूसरे शब्दों में कहें तो यह सामान्य आपराधिक कानून का आसान विकल्प या असहमति की आवाज को दबाने का जरिया नहीं बन सकता है। बताया जाता है कि इस प्रकरण में, खबरों के अनुसार अदालत को कोई ऐसा ठोस सबूत पुलिस उपलब्ध नहीं करा सकी, जिससे यह साबित होता हो कि छात्रा का हिंसा भड़काने में कोई सीधा संबंध रहा हो।

कुछ | अलग

कीमती वक्त

सूरज उगने के पहले ही एक मछुआरा नदी के किनारे पहुंच चला। नदी किनारे पहुंचकर उसने अपने पैरों के नीचे कुछ महसूस किया। वह छोटे-छोटे पत्थरों से भरा एक थैला था। उसने वह थैला उठाया, अपना जाल एक ओर रखा और सूरज निकलने के इंतजार में बैठ गया। करने को और कुछ न मिलने पर उसने थैले से एक पत्थर निकाला और उसे पानी की ओर उछाल दिया। फिर उसने दूसरा पत्थर फेंका और फिर तीसरा। जब तक सूरज निकला, वह एक पत्थर छोड़कर सारे पत्थर फेंक चुका था। धुंधली रोशनी में उसने अपने हाथ में उस अंतिम पत्थर को देखा। उसे देखकर वह दुखी हो गया। उसने देखा कि उसके हाथ में बचा हुआ वह अंतिम पत्थर एक कीमती पत्थर था। उसे दुःख हुआ कि वह बगैर सोचे-समझे उन कीमती रत्नों को फेंकता रहा। वक्त उन्हीं कीमती पत्थरों की तरह है, जिन्हें लोग बगैर सोचे-समझे जाया करते रहते हैं।

दृष्टि | कोण

जीवन धाराः यात्रा जीवन की जड़ता को तोड़ती है

हम यात्रा पर यह सोच कर निकलते हैं कि नई जगह देखने जा रहे हैं। हमारे लिए यात्रा का मतलब एक शहर से दूसरे शहर पहुंचना, पहाड़ देखना, समुद्र किनारे बैठना या अनजाने रास्तों पर चलना होता है। लेकिन, यात्रा का सबसे महत्वपूर्ण बदलाव बाहर नहीं, भीतर घटित होता है। हम घर से निकलते समय अपने भीतर के जिस मनुष्य के साथ निकलते हैं, लौटते समय जरूरी नहीं कि वही मनुष्य हमारे भीतर बचा रहे। क्योंकि, यात्रा हमें नए-नए नजारे ही नहीं दिखाती, वह हमें यह भी देखने का मौका देती है कि हम अपने पुराने जीवन को किस नजर से देखते आ रहे थे। घर में रहते हुए हमारा संसार धीरे-धीरे छोटा और परिचित होता चला जाता है। हमें पता होता है कि कौन-सी सड़क लेनी है, किस व्यक्ति से क्या बात करनी है। यह परिचित जीवन सुविधाजनक तो होता है, लेकिन उसकी एक भारी कीमत भी हमें चुकानी पड़ती है और वह यह कि हम चीजों को देखना बंद कर देते हैं। जिस खिड़की से हम वर्षों से बाहर देखते हैं, फिर वह धीरे-धीरे केवल खिड़की ही रह जाती है। यात्रा इसी जड़ता को तोड़ती है। जब हम ऐसी जगह पहुंचते हैं, जहां लोग और रास्ते अनजान होते हैं, भाषा और खानपान से लेकर घरों की बनावट व मौसम तक अलग लगने लगता है, तब हमारा मन फिर से देखना शुरू करता है। यहीं से असली यात्रा शुरू होती है। हम दुनिया को अपनी आदतों से देखते हैं। यात्रा हमारी आदतों को कुछ समय के लिए निष्क्रिय कर देती है और हमें दुनिया को नई दृष्टि से देखने का मौका देती है। यात्रा हमें सिखाती है कि दुनिया हमारी सुविधा के लिए

नहीं बनी है। घर से बाहर निकलते ही हमारी योजनाएं टूट सकती हैं। मौसम बदल सकता है, भाषा समझने में दिक्कत आ सकती है। पर, यही छोटी-छोटी अड़चनें यात्रा का हिस्सा हैं। जीवन भी ऐसा ही है। हम जीवन को नियंत्रित करना चाहते हैं, जबकि जीवन लगातार हमारी योजनाओं के बाहर घटित होता रहता है। कभी-कभी सबसे सुंदर अनुभव वही होता है, जिसकी योजना हमने बनाई ही नहीं थी। यात्रा मनुष्य को इस सच्चाई से भी रूबरू कराती है कि स्थान बदलना और जीवन बदलना एक ही बात नहीं है। यदि हम वर्तमान में रहना नहीं जानते, तो दुनिया का सबसे सुंदर नजारा भी हमारे लिए केवल एक तस्वीर बन कर रह जाएगा। इसलिए, यात्रा का असली आनंद किसी जगह की सुंदरता में नहीं, बल्कि उसे देखने की हमारी दृष्टि में है। यात्रा हमें वर्तमान की ओर वापस लाती है। किसी यात्रा से लौटने के बाद हमारा अपना घर भी कुछ समय के लिए नया-सा लगने लगता है। अच्छी यात्रा हमारे पूर्वाग्रहों को चुनौती देती है, जिज्ञासा को जगाती है और हमें यह स्वीकार करना सिखाती है कि जीवन को देखने का हमारा तरीका ही एकमात्र तरीका नहीं है। यात्रा का अर्थ दूर जाना नहीं है, बल्कि वापस लौटकर अपने परिचित जीवन को अपरिचित आंखों से देख पाना है। यात्रा केवल नई जगहों को देखने का नाम नहीं, बल्कि स्वयं को नई दृष्टि से देखने का अवसर है। जब हम परिचित दुनिया से बाहर निकलते हैं, तो हमारी आदतें, पूर्वाग्रह और सीमाएं पीछे छूटने लगती हैं।

निकायों में भाजपा की सरकार बनी तो विकास को मिलेगी नई रफ्तार : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

जयपुर (हिंस)। निकाय चुनाव के दूसरे चरण के प्रचार के अंतिम दिन मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर में रोड शो कर भाजपा के पक्ष में मतदान की अपील की। सांगानेरी गेट स्थित हनुमान मंदिर से शुरू हुआ रोड शो त्रिपोलिया गेट तक पहुंचा। इस दौरान मुख्यमंत्री ने कांग्रेस और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत पर निशाना साधते हुए भाजपा सरकार के ढाई साल के कामकाज गिनाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार ने प्रदेश में विकास की रफ्तार तेज की है। उन्होंने दावा किया कि पिछली सरकार के पांच साल में करीब 3, 900 मेगावाट बिजली उत्पादन बढ़ा, जबकि भाजपा सरकार ने ढाई साल में 12 हजार मेगावाट बिजली उत्पादन किया है। राजस्थान अब बिजली लेने वाला नहीं, बल्कि बिजली देने वाला राज्य बन रहा है। पानी के मुद्दे पर मुख्यमंत्री ने यमुना जल समझौते सहित विभिन्न बड़ी जल परियोजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि खेतों और शहरों तक पानी पहुंचाने को सरकार ने प्राथमिकता दी है। कानून-व्यवस्था पर उन्होंने कहा कि सरकार ने लव जिहाद और धर्मांतरण की समस्या के निवारण के लिए कदम उठाए हैं। परेशान

करने वालों के खिलाफ कार्रवाई होगी और लोगों को डरने की जरूरत नहीं है। भजनलाल शर्मा ने कहा कि सरकार अब तक एक लाख 85 हजार नियुक्ति पत्र दे चुकी है। एक लाख 22 हजार भर्तियों की प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, जबकि करीब 70 हजार पदों की वैकेंसी निकाली गई है। उन्होंने दावा किया कि मौजूदा सरकार में भर्ती परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित की गई है और कांग्रेस सरकार के समय की अनियमितताओं पर भी निशाना साधा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कांग्रेस सरकार के समय विकास योजनाओं को लटकाने-अटकाने का काम हुआ, जबकि भाजपा सरकार योजनाओं को धरातल पर उतार रही है। उन्होंने कहा कि पिछली सरकार के पांच साल में करीब पांच किलोमीटर मेट्रो लाइन का काम हुआ, जबकि वर्तमान सरकार में करीब 45 किलोमीटर मेट्रो लाइन का शिलान्यास किया गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश के विकास का जिक्र करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत वैश्विक स्तर पर लगातार मजबूत हो रहा है। उन्होंने कहा कि देश में मोदी है तो मुमकिन है। मुख्यमंत्री ने निकाय चुनाव में जातिगत समीकरणों से ऊपर उठकर विकास के नाम पर मतदान करने की अपील की। मुख्यमंत्री ने कहा कि केंद्र और राज्य में भाजपा की डबल इंजन सरकार है और अब निकायों में भाजपा का बोर्ड बनाकर ट्रिपल इंजन सरकार बनानी है। निकाय और पंचायत मजबूत होंगे तो विकास की रफ्तार और तेज होगी। उन्होंने मतदाताओं से घर से निकलकर मतदान करने तथा *विकसित राजस्थान, विकसित भारत और विकसित जयपुर* के लिए भाजपा को समर्थन देने का आह्वान किया। रोड शो में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, राष्ट्रीय महामंत्री एवं निकाय चुनाव प्रभारी हरीश द्विवेदी, सांसद मंजू शर्मा, विधायक बालमुकुंद आचार्य, प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी सहित पार्टी के विधायक और पदाधिकारी मौजूद रहे। मदन राठौड़ ने कहा कि राजस्थान का विकास करना है तो ट्रिपल इंजन सरकार जरूरी है। उन्होंने दावा किया कि सभी नगर निकायों में भाजपा अपना बोर्ड बनाने जा रही है।

17 सितंबर से शुरू होगा *सेवा संकल्प अभियान*, जन-जन तक पहुंचेंगी 25 वर्षों की जनकल्याणकारी उपलब्धियां

गोरखपुर (हिंस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 25 वर्षों के निरंतर सार्वजनिक जीवन एवं जनसेवा से जुड़ी जनकल्याणकारी उपलब्धियों को जन-जन तक पहुंचाने तथा प्रत्येक नागरिक को *विकसित भारत-2047* के सामूहिक राष्ट्रीय संकल्प से जोड़ने के उद्देश्य से प्रदेश में *सेवा संकल्प अभियान* का आयोजन किया जाएगा। यह अभियान 17 सितंबर से 17 अक्तूबर 2026 तक चलेगा। अभियान की तैयारियों को लेकर बुधवार को विकास भवन सभागार में जिलाधिकारी दीपक मीणा की अध्यक्षता में बैठक आयोजित हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को अभियान को व्यापक जनभागीदारी के साथ सफल बनाने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में अभियान के मूल भाव, उद्देश्य, कार्यक्रमों की रूपरेखा और विभागीय समन्वय पर विस्तार से चर्चा की गई। जिलाधिकारी ने कहा कि अभियान को केवल औपचारिक कार्यक्रम तक सीमित न रखा जाए, बल्कि इसकी गतिविधियों के माध्यम से अधिक से अधिक लोगों को जोड़ा जाए। केंद्र और प्रदेश सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित लोगों तक पहुंच बनाते हुए उन्हें सरकार की उपलब्धियों और विकसित भारत-2047 के लक्ष्य के बारे में जानकारी दी जाए। अभियान का मूल भाव 25 वर्षों की अविरल जनसेवा का सम्मान तथा सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण की दिशा में हुए कार्यों को जनता के बीच पहुंचाना है। अभियान के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों में किए गए नीतिगत सुधारों, विकास कार्यों और जनकल्याणकारी पहलों को प्रमुखता से रेखांकित किया

जाएगा। इसके साथ ही नागरिकों को यह संदेश दिया जाएगा कि विकसित भारत का लक्ष्य केवल सरकार का नहीं, बल्कि देश के प्रत्येक नागरिक की सामूहिक भागीदारी से पूरा होने वाला राष्ट्रीय संकल्प है। बैठक में बताया गया कि *सेवा संकल्प अभियान* के तहत 13 प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इन कार्यक्रमों के माध्यम से समाज के विभिन्न वर्गों को अभियान से जोड़ा जाएगा। युवाओं, महिलाओं, किसानों, श्रमिकों, उद्यमियों, गरीब एवं वंचित वर्गों सहित विभिन्न सामाजिक समूहों तक पहुंच बनाने की रणनीति तैयार की जा रही है। कार्यक्रमों

वकील को सुरक्षा मुहैया कराओ वरना पुलिस कमिश्नर पेश होकर दें जवाब

जयपुर (हिंस)। राजस्थान उच्च न्यायालय ने अदालती आदेश पर वकील को दी गई सुरक्षा को वापस लेने से जुड़े मामले में कहा है कि पूर्व में दिए आदेश के तहत वकील को 15 सितंबर तक सुरक्षा मुहैया कराई जाए। ऐसा नहीं करने पर अदालत ने पुलिस कमिश्नर को व्यक्तिगत रूप से हाईकोर्ट में पेश होकर इस संबंध में अपना स्पष्टीकरण देने को कहा है। जस्टिस अनुरूप सिंघी की एकलपीठ ने यह आदेश अधिवक्ता आरएस राघव की अवमानना याचिका पर सुनवाई करते हुए दिए। सुनवाई के दौरान राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता भुवनेश शर्मा ने अदालत को बताया कि 20 अगस्त, 2015 के आदेश की अक्षरश: पालना की जाएगी और याचिकाकर्ता को दो निजी सुरक्षा अधिकारी मुहैया कराए जाएंगे। एएजी की ओर से कहा गया कि निगम चुनाव को देखते हुए सरकार को तीन दिन का समय दिया जाए और मामले की सुनवाई 15 सितंबर को तय की जाए। इस पर अदालत ने मामले की सुनवाई 15 सितंबर को तय करते हुए आदेश की पालना नहीं होने की सूरत में पुलिस कमिश्नर को हाजिर होने के आदेश दिए हैं। याचिका में अधिवक्ता वीरेन्द्र गोदारा ने अदालत को बताया कि याचिकाकर्ता साल 2014 से मार्च 2019 तक हाईकोर्ट में लोक अभियोजक के तौर पर कार्यरत था। उस दौरान एक जमानत याचिका पर सुनवाई के दौरान उसके विरोध करने पर आरोपी पक्ष ने उन्हें धमकी दी थी। जिस पर याचिकाकर्ता ने हाईकोर्ट से सुरक्षा दिलाने की गुहार की थी। इस पर हाईकोर्ट ने 20 अगस्त, 2015 को आदेश जारी कर याचिकाकर्ता को पुलिस सुरक्षा मुहैया कराने को कहा। इसके बाद याचिकाकर्ता को सुरक्षाकर्मी उपलब्ध कराए गए।

राज्य सेवा अपीलेट अधिकरण में सदस्य की नियुक्ति प्रगति रपट पेश करने का आदेश

जोधपुर (हिंस)। राजस्थान उच्च न्यायालय की खंडपीठ के न्यायाधीश उमा शंकर व्यास और न्यायाधीश चंद्र शेखर शर्मा ने राज्य उपभोक्ता आयोग और जिला उपभोक्ता आयोग के अध्यक्ष और सदस्यों की नई भर्ती नहीं होने तक उन्हें रिलीव नहीं कर कार्य पर यथावत रखने तथा सेवानिवृत्त हो चुके अध्यक्ष और सदस्यों को नियमानुसार निर्धारित आयु तक वापिस सेवा में लिए जाने और राज्य सेवा अपीलेट अधिकरण में सदस्य की नियुक्ति के न्यायालय द्वारा पारित विभिन्न आदेशों की पालना में 17 सितंबर तक पालना और प्रगति रपट पेश करने का आदेश राज्य सरकार को दिया है अन्यथा खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामलात के प्रमुख सचिव तथा कार्मिक विभाग के प्रमुख सचिव को आगामी पेशी पर न्यायालय के समक्ष हाजिर होना होगा। राजस्थान हाइकोर्ट एडवोकेट्स एसोसिएशन की ओर से दायर जनहित याचिका पर बहस करते हुए वरिष्ठ अधिवक्ता आनंद पुरोहित, अधिवक्ता अनिल भंडारी, सुशील सोलंकी और दिनेश चौधरी ने कहा कि खंडपीठ ने गत 18 मार्च को पारित विस्तृत आदेश में राज्य सरकार को आदेश दिया कि राज्य उपभोक्ता और जिला उपभोक्ता आयोग में नई भर्ती नहीं होने तक कार्यरत अध्यक्ष और सदस्यों को रिलीव नहीं कर यथावत कार्य करने दिया जाएं तथा जिन्हें रिलीव कर दिया गया है, उन्हें निर्धारित आयु तक पुन: नियुक्ति दी जाएं। अधिवक्ता पुरोहित और भंडारी ने कहा कि उपभोक्ता मामलात के प्रमुख सचिव उन्हीं अध्यक्ष और सदस्यों की सेवा विस्तार करने के आदेश जारी कर रहे है, जिन्होंने एकल पीठ के समक्ष रिट याचिका दायर की है। उन्होंने कहा कि यह खंडपीठ के आदेश की घोर अवहेलना है। अधिवक्ताओं ने कहा कि जोधपुर में राज्य सिविल सेवा अपीलेट अधिकरण में कार्यरत सदस्य की 31 जुलाई को मृत्यु हो जाने पर खंडपीठ ने राज्य सरकार को 5 अगस्त को आदेश दिया कि जल्द ही जोधपुर में सदस्य की भर्ती करें। उन्होंने कहा कि ऐसा ही आदेश जयपुर पीठ वास्ते वहां की खंडपीठ ने करते हुए मुख्य सचिव को 11 अगस्त को हाजिर होने का आदेश दिया तो आनन फानन में वहां आदेश कर दिए गए, लेकिन जोधपुर में नियुक्ति नहीं करने से रेट में न्यायिक कार्रवाई ठप हो गई है। उन्होंने कहा कि खंडपीठ के आदेशों की वास्तविक रूप से पालना नहीं करने पर दोनों ही विभागों के प्रमुख सचिव को हाजिर होने का आदेश दिया जाएं। राज्य सरकार की ओर से अतिरिक्त महाधिवक्ता राजेश पंवार ने कहा कि आदेशों की पालना में उच्च स्तर पर कार्रवाई चल रही है सो कुछ समय और दिया जाएं।

चंडीगढ़ कोर्ट ने मुख्यमंत्री की पत्नी से जुड़े मानहानि वाले कंटेंट पर रोक लगाई

चंडीगढ़ (हिंस)। चंडीगढ़ की एक अदालत ने पंजाब के मुख्यमंत्री की पत्नी गुरप्रीत कौर से जुड़े कथित रिश्वत मांगने के आरोपों को लेकर बड़ा आदेश जारी किया है। अदालत ने रिटायर्ड जस्टिस रणजीत सिंह, शिरोमणि अकाली दल के नेता बिक्रम सिंह मजीठिया और कांग्रेस नेता सुखपाल सिंह खैरा को अगले आदेश तक सोशल मीडिया या किसी अन्य माध्यम से इस मामले से संबंधित मानहानि वाली सामग्री प्रकाशित, प्रसारित या साझा करने से अस्थायी रूप से रोक दी है। यह आदेश सिविल जज, जूनियर डिवीजन, चंडीगढ़ डॉ. प्रिक्षित ने गुरप्रीत कौर की ओर से दायर मानहानि और स्थायी निषेधाज्ञा संबंधी मुकदमे की सुनवाई के दौरान दिया।

असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती में अंतिम परिणाम जारी करने पर रोक, मांगा जवाब

जयपुर (हिंस)। राजस्थान उच्च न्यायालय ने कॉलेज शिक्षा के असिस्टेंट प्रोफेसर भर्ती-2025 में विवादित प्रश्नों से जुड़े मामले में अंतिम परिणाम जारी करने पर रोक लगा दी है। इसके साथ ही अदालत ने मामले में प्रमुख उच्च शिक्षा सचिव और आरपीएससी सचिव से जवाब तलब किया है। अदालत ने कहा है कि आयोग भर्ती प्रक्रिया जारी रख सकता है, लेकिन अंतिम परिणाम जारी नहीं किया जाए। जस्टिस गणेश राम मीणा की एकलपीठ ने यह आदेश संजय आशिया की ओर से दायर याचिका पर प्रारंभिक सुनवाई करते हुए दिए। याचिका में अधिवक्ता रामप्रताप सैनी ने अदालत को बताया कि आरपीएससी ने 18 दिसंबर को कॉलेज शिक्षा के असिस्टेंट प्रोफेसर के तीस पदों के लिए भर्ती निकाली थी। जिसमें याचिकाकर्ता ने अंग्रेजी विषय के लिए आवेदन कर लिखित परीक्षा में भाग लिया। परीक्षा के बाद आरपीएससी की ओर से मॉडल उत्तर कुंजी जारी की गई। जिसमें याचिकाकर्ता की ओर से अंग्रेजी भाषा के प्रश्न पत्र सहित सामान्य ज्ञान प्रश्न पत्र के पंद्रह प्रश्नों को लेकर आरपीएससी के समक्ष अपनी आपत्ति पेश की। याचिकाकर्ता की ओर से मान्यता प्राप्त पुस्तकों के आधार पर कहा गया कि आरपीएससी की ओर जांच गए प्रश्नों के जवाब सही नहीं हैं। इसके बावजूद भी आयोग ने याचिकाकर्ता की आपत्ति पर ध्यान नहीं दिया और बिना अंतिम कुंजी जारी किए अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए बुलाया जा रहा है। याचिका में कहा गया कि सामान्य ज्ञान का प्रश्न पत्र सभी विषयों के अभ्यर्थियों के लिए एक समान था। ऐसे में इसके विवादित प्रश्नों के चलते सभी विषयों का परीक्षा परिणाम प्रभावित हो गया है। इसके साथ ही यदि अभ्यर्थियों को नियुक्ति प्रदान की गई तो इससे तीसरे पक्ष के अधिकार सृजित हो जाएंगे और कानूनी पेचीदगियां बढ़ जाएगी।

भाजपा का कोर वोट बैंक खिसका इस बार कांग्रेस की लहर : गहलोत

जोधपुर (हिंस)। पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि प्रदेश में भाजपा सरकार के प्रति जनता में बढ़ते आक्रोश का असर नगरीय निकाय चुनावों में साफ दिखाई देगा। उन्होंने दावा किया कि जोधपुर सहित प्रदेशभर में कांग्रेस के पक्ष में माहौल बन चुका है और भाजपा का तथाकथित कोर वोट बैंक भी उससे दूर होता दिखाई दे रहा है। यूजीसी सहित इनके कई कुकर्म हैं जो इनके आड़े आ रहे हैं। यह बात उन्होंने जोधपुर में मीडिया से बात करते हुए कही। गहलोत ने आरोप लगाया कि इस राज में जो भ्रष्टाचार बढ़ा है, उसने सारी सीमाएं तोड़ दी हैं। हलोत ने मुख्यमंत्री भजनलाल के लगातार चुनावी दौरों पर सवाल उठाते हुए कहा कि इतिहास में पहली बार ऐसा देखने को मिल रहा है कि कोई मुख्यमंत्री स्थानीय निकाय चुनावों के दौरान पूरे प्रदेश में लगातार प्रचार कर रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को अपने कार्यों के आधार पर जनता का विश्वास हासिल करना चाहिए। उन्होंने कोई काम नहीं किया, इसलिए अब घूमना पड़ रहा है। गहलोत ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार के कार्यकाल में विकास कार्यों की गति प्रभावित हुई है और पिछली कांग्रेस सरकार की कई योजनाओं को बंद अथवा कमजोर कर दिया गया है। उन्होंने पट्टों के वितरण सहित विभिन्न विकास कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार के समय लाखों लोगों को पट्टे दिए गए और प्रशासनिक स्तर पर विकास कार्यों का माहौल बना हुआ था। उन्होंने कहा कि स्थानीय निकाय चुनाव स्थानीय नेतृत्व के दम पर लड़े जाते हैं। कांग्रेस के स्थानीय नेता जमीन से जुड़े, सक्षम और योग्य हैं तथा पार्टी कार्यकर्ताओं में चुनाव को लेकर जबरदस्त उत्साह है। उन्होंने कहा कि उन्हें जो फीडबैक मिल रहा है, उसके अनुसार आम जनता कांग्रेस के साथ जुड़ रही है।

आम आदमी पार्टी 27 सितंबर से विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलन की शुरुआत करेगी : संजय सिंह

लखनऊ (हिंस)। आम आदमी पार्टी (आआपा) के उत्तर प्रदेश प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह के नेतृत्व में बुधवार को राजधानी लखनऊ में प्रदेश पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की। बैठक में संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत करने, जनहित के मुद्दों को आक्रामक ढंग से उठाने और आगामी 2027 विधानसभा चुनाव की तैयारियों पर व्यापक चर्चा की गई। बैठक के बाद सांसद संजय सिंह ने प्रेस कांफ्रेंस कर पत्रकारों को संबोधित किया। उन्होंने बताया कि पार्टी आगामी दिनों में तीन बड़े प्रदेशव्यापी कार्यक्रम करेगी। उन्होंने बताया कि सितंबर के अंतिम सप्ताह से आम आदमी पार्टी पूरे उत्तर प्रदेश में विधानसभा स्तरीय कार्यकर्ता सम्मेलनों की शुरुआत करने जा रही है। सांसद संजय सिंह ने बताया कि पार्टी के पहले बड़े अभियान के तहत 27 सितंबर को शहीद-ए-आजम

भगत सिंह की जयंती के अवसर पर प्रदेश के सभी जिलों में भव्य कार्यक्रम आयोजित करेगी। इस दिन सभी जिला मुख्यालयों पर विचार गोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा और साथ ही बड़े पैमाने पर ब्लड डोनेशन (रक्तदान) शिविर लगाए जाएंगे, ताकि युवाओं को भगत सिंह जी के विचारों से जोड़ने के साथ-साथ समाज सेवा का संदेश दिया जा सके। उन्होंने बताया कि अक्तूबर माह से आम आदमी पार्टी पूरे प्रदेश में एक विशाल जन-यात्रा निकालेगी। यह यात्रा बेरोजगारी, भाजपा की नफरत की राजनीति, प्रभु श्री राम के मंदिर में चंदा चोरी, कमरतोड़ महंगाई और सामाजिक अन्याय के खिलाफ होगी। संजय सिंह ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार को विकास के मुद्दे के मामले में घेरा। उन्होंने कहा कि प्रदेश में सड़कों के टूटने, धंसने के मामले में कमीशन कमाने का खेल चल रहा है। 06 साल पहले मैंने जल जीवन मिशन में महाघोटाले का खुलासा किया था, आज उसी का नतीजा है कि बरेली में साढ़े तीन करोड़ की लागत से बनी पानी की टंकी बह गई। भाजपा ने न स्कूल छोड़ा, न अस्पताल, न सड़क, न बिजली, न पानी और प्रभु श्री राम का मंदिर, राम पथ और अयोध्या के श्मशान तक के रास्ते में भी भ्रष्टाचार कर डाला। प्रदेश में बेरोजगारी और युवाओं का दमन किया जा रहा है। सांसद संजय सिंह ने कहा कि प्रयागराज में डीएलएड प्रशिक्षित युवा भीषण आंदोलन कर रहे हैं। बेसिक शिक्षा में 02 लाख से अधिक पद खाली हैं, लेकिन सरकार भर्ती करने के बजाय स्कूल बंद कर रही है क्योंकि भाजपा का असली नारा है *अनपढ़ रहेगा इंडिया, तभी तो अंधभक्त बनेगा इंडिया*। संजय सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी की कितनी और कैसी हिस्सेदारी होगी, इस पर पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और केंद्रीय नेतृत्व के साथ विस्तार से चर्चा की जाएगी। पार्टी आलाकमान तय करेगा कि हमें कितनी सीटों पर और किस रणनीति के तहत मजबूती से लड़ना है।

एक व्यक्ति, दो नाम और दो पिता! डीएम के दरबार में पहुंची शिकायत ने खोली प्रशासनिक तंत्र की पोल

गोरखपुर (हिंस)। जनता की समस्याओं के त्वरित निस्तारण के लिए जिलाधिकारी दीपक मीणा ने बुधवार को फरियादियों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान पिपराइच क्षेत्र से पहुंची एक महिला की शिकायत ने प्रशासनिक स्तर पर पहले से चल रहे एक गंभीर मामले को फिर चर्चा में ला दिया। महिला ने आरोप लगाया कि एक व्यक्ति अलग-अलग स्थानों पर अपनी सुविधा के अनुसार अलग नाम और पिता के नाम का इस्तेमाल कर रहा है। शिकायत में यह भी आरोप लगाया गया कि संबंधित व्यक्ति द्वारा गोरखपुर में एक नाम और दूसरे प्रदेश में दूसरे नाम से नौकरी करने का मामला सामने आया है। मामले में मंडलायुक्त के निर्देश पर मुकदमा दर्ज होने और चार्जशीट दाखिल किए जाने के बावजूद स्थानीय स्तर पर संबंधित ग्राम सचिव और अन्य अधिकारियों की भूमिका पर सवाल उठाए गए हैं। फरियादी ने जिलाधिकारी को बताया कि कथित रूप से एक ही व्यक्ति अलग-अलग दस्तावेजों और स्थानों पर अलग पहचान का इस्तेमाल कर रहा है। शिकायतकर्ता के अनुसार, मामले की जानकारी प्रशासन के संज्ञान में पहले ही आ चुकी है और मंडलायुक्त स्तर से कार्रवाई के निर्देश के बाद संबंधित व्यक्ति के खिलाफ मुकदमा भी दर्ज कराया जा चुका है। पुलिस विवेचना के बाद मामले में चार्जशीट दाखिल किए जाने की बात भी शिकायत में कही गई है। मामले का सबसे गंभीर पहलू यह है कि कार्रवाई के बावजूद राजस्व एवं ग्राम स्तर के अभिलेखों में कथित रूप से स्थिति पूरी तरह स्पष्ट नहीं हो सकी है। फरियादी ने आरोप लगाया कि संबंधित गांव का सचिव कथित व्यक्ति के पक्ष में अभिलेखीय प्रक्रिया को प्रभावित करने अथवा मामले को उलझाए रखने का प्रयास कर रहा है।

महिला ने सवाल उठाया कि यदि एक व्यक्ति की पहचान को लेकर इतना गंभीर विवाद प्रशासन के संज्ञान में आ चुका है और मुकदमा दर्ज होकर चार्जशीट तक दाखिल हो चुकी है, तो फिर स्थानीय स्तर पर उसके पक्ष में कार्रवाई अथवा सहयोग किस आधार पर किया जा रहा है। शिकायत सुनते समय जिलाधिकारी दीपक मीणा ने मामले को गंभीरता से लेते हुए संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली। उन्होंने यह भी देखा कि यदि फरियादी इससे पहले भी शिकायत कर चुकी है तो उसके पूर्व में दिए गए प्रार्थना पत्रों पर क्या कार्रवाई हुई। जिलाधिकारी ने अधिकारियों से स्पष्ट रूप से जानकारी प्राप्त की कि अब तक शिकायत का निस्तारण क्यों नहीं हुआ और किन कारणों से मामला लंबित रहा। डीएम ने संबंधित अधिकारियों को फोन कर आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि फरियादी की शिकायत पर केवल कागजी निस्तारण न किया जाए, बल्कि पूरे मामले की वास्तविकता की जांच कर तथ्यात्मक रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाए। पुराने प्रार्थना पत्रों पर की गई कार्रवाई, संबंधित अधिकारियों की रिपोर्ट और वर्तमान स्थिति की भी जानकारी प्राप्त की जाए। शिकायत में ग्राम सचिव की भूमिका को लेकर लगाए गए आरोपों को भी प्रशासन ने गंभीरता से लिया है। आखिर वह कौन से कारण हैं जिनकी वजह से कथित रूप से विवादित पहचान वाले व्यक्ति को स्थानीय स्तर पर सहयोग मिल रहा है? क्या ग्राम स्तर पर तैयार किए गए अभिलेख सही तथ्यों के आधार पर हैं या उनमें किसी प्रकार का बदलाव किया गया है? यदि रिकॉर्ड में विसंगति है तो इसके लिए जिम्मेदार कौन है? इन सवालों की जांच अब महत्वपूर्ण हो गई है। महिला का आरोप है कि कथित व्यक्ति गोरखपुर में एक नाम और गैर प्रदेश में दूसरे नाम से नौकरी कर रहा है।

बाढ़ पीड़ितों के साथ खड़ी है सरकार, राहत वितरण में लाएं तेजी : आपदा प्रबंधन मंत्री

कटिहार (हिंस)। बिहार सरकार के आपदा प्रबंधन मंत्री रत्नेश सादा ने बुधवार को कटिहार जिले के मनिहारी प्रखंड स्थित बाढ़ प्रभावित नया टोला वार्ड संख्या-01 का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने बाढ़ पीड़ितों के बीच पॉलीथिन शीट का वितरण किया और जिला प्रशासन को सभी प्रभावित परिवारों तक त्वरित राहत पहुंचाने तथा जीआर (अनुग्रह राशि) वितरण कार्य में तेजी लाने के कड़े निर्देश दिए। दौरे के क्रम में आपदा प्रबंधन मंत्री ने पीड़ित परिवारों से मिलकर उनकी समस्याएं सुनीं और प्रशासन द्वारा उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। उन्होंने क्षेत्र में संचालित सामुदायिक रसोई, पशु राहत शिविर, मेडिकल कैंप तथा शुद्ध पेयजल आपूर्ति की व्यवस्थाओं का स्थलीय निरीक्षण किया। मंत्री श्री सादा ने कहा कि राज्य सरकार आपदा की इस घड़ी

में हर प्रभावित परिवार के साथ मजबूती से खड़ी है और किसी भी नागरिक को दाने-दाने या बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशान नहीं होने दिया जाएगा। निरीक्षण के दौरान कटिहार के जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी, अपर समाहर्ता (आपदा प्रबंधन) सहित विभिन्न विभागों के वरीय पदाधिकारी मौजूद रहे। डीएम ने मंत्री को जिले में चलाए जा रहे राहत एवं बचाव कार्यों की अद्यतन स्थिति से अवगत कराया।

सर्राफा बाजार में चमका सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

नई दिल्ली

घरेलू सर्राफा बाजार में शुरुआती कारोबार के दौरान सोने के भाव में तेजी का रुख नजर आ रहा है। वहीं चांदी के भाव में लगातार भी कोई बदलाव नहीं हुआ है। चेन्नई के अलावा देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में सोना 1,120 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,220 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चेन्नई में सोने के भाव में 1,420 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,540 रुपये प्रति 10 ग्राम तक की बढ़ोतरी हो गई है।

भाव में बदलाव होने के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,55,360 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,55,680 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 1,42,410 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,42,710 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव नहीं होने के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में भी 2,49,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

दिल्ली में 24 कैरेट सोना 1,55,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,560 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,55,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,55,410 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,42,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 1,55,680 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,42,710 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,55,360 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। भोपाल में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। 24 कैरेट सोना 1,55,510 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,42,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 1,55,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 1,42,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 1,55,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 1,42,560 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में तेजी का रुख बना हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 1,55,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 1,42,410 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

न्यूज ब्रीफ

अगस्त में महंगी हुई घरेलू थाली, प्याज, तेल और रसोई गैस ने बढ़ाया बोझ, शाकाहारी थाली एक फीसदी तो मांसाहारी थाली पांच फीसदी महंगी हुई

मुंबई। अगस्त महीने में घरों में बनने वाले भोजन की लागत में वृद्धि दर्ज की गई है। क्रिसिल इंटेलिजेंस द्वारा जारी नवीनतम मासिक रिपोर्ट के अनुसार, सालाना आधार पर शाकाहारी थाली की कीमत एक प्रतिशत बढ़कर 29.5 रुपये हो गई, जबकि मांसाहारी थाली पांच प्रतिशत महंगी होकर 57.5 रुपये पर पहुंच गई। रिपोर्ट बताती है कि प्याज, खाद्य तेल, चावल और रसोई गैस (एलपीजी) की ऊंची कीमतों ने थाली की लागत को ऊपर धकेला। प्याज की कीमत सालाना आधार पर 43 प्रतिशत बढ़कर 40 रुपये प्रति किलोग्राम हो गई, जिसका मुख्य कारण महाराष्ट्र में बेमौसम बारिश से आपूर्ति का प्रभावित होना रहा। खाद्य तेल में 11 प्रतिशत और एलपीजी में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की गई। हालांकि, आलू की कीमत 12 प्रतिशत और टमाटर की कीमत 28 प्रतिशत घटने से कुल बढ़ोतरी सीमित रही। मुर्गे के मांस की कीमत में 10 प्रतिशत की सालाना वृद्धि के कारण मांसाहारी थाली महंगी हुई। मासिक आधार पर, अगस्त में प्याज की कीमत 17 प्रतिशत बढ़ी, जबकि टमाटर सात प्रतिशत सस्ता हुआ। श्रावण माह के कारण मुर्गे के मांस की कीमत में चार प्रतिशत की मासिक गिरावट आई, जिससे जुलाई की तुलना में अगस्त में मांसाहारी थाली की लागत एक प्रतिशत कम रही। क्रिसिल इंटेलिजेंस के एक अधिकारी के अनुसार रबी फसल की कम आपूर्ति और खरीफ फसल की आवक में देरी के कारण अगले दो-तीन महीनों तक प्याज की कीमतें ऊंची बनी रहने का अनुमान है।

सहारा रिफंड पोर्टल फिर सक्रिय, लाखों निवेशकों को राहत, केंद्र सरकार ने 20 लाख लंबित दावों के निपटारे हेतु पोर्टल दोबारा शुरू किया

नई दिल्ली। सहारा समूह की सहकारी समितियों में फंसे पैसे का इंतजार कर रहे लाखों निवेशकों के लिए राहत भरी खबर है। केंद्र सरकार ने सहारा रिफंड पोर्टल को दोबारा शुरू किया है, जिससे करीब 20 लाख लंबित दावों की जांच और भुगतान प्रक्रिया तेज होगी। सहकारिता मंत्रालय के अनुसार, अब तक 42 लाख जमाकर्ताओं को 9,267 करोड़ रुपये सीधे आधार-संबद्ध बैंक खातों में लौटाए जा चुके हैं। पहले सहारा समूह की सहकारी समितियों को सूचना प्रौद्योगिकी और प्रशासनिक चुनौतियों के कारण दावों के निपटान में बाधाएं आ रही थीं। सहकारिता मंत्रालय के सक्रिय हस्तक्षेप से अब इन रुकावटों को दूर किया गया है, जिससे शेष पात्र जमाकर्ताओं के दावों पर सुचारू रूप से काम शुरू हो पाएगा। यह पोर्टल सहारा क्रेडिट कोआपरेटिव सोसाइटी, सहारायन यूनिवर्सल मल्टीपर्पज सोसाइटी, हमारा इंडिया क्रेडिट कोआपरेटिव सोसाइटी और स्टार्स मल्टीपर्पज कोआपरेटिव सोसाइटी जैसी चार समितियों के जमाकर्ताओं को पैसा लौटाने के लिए है। जुलाई 2023 में सर्वोच्च न्यायालय के आदेश पर शुरू हुई यह आनलाइन और कागज रहित प्रक्रिया आधार पहचान, सदस्यता विवरण के मिलान और बैंक खाते के सत्यापन के बाद ही भुगतान सुनिश्चित करती है।

एडवेंचर बाइक हिमालयन 440 लान्च, कीमत है 2.29 लाख से शुरू

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में रायल एनफील्ड ने अपनी एडवेंचर बाइक हिमालयन 440 को लान्च कर दिया है। यह बाइक कंपनी की ओरिजिनल हिमालयन के रफ-एंड-टफ डीएनए को बरकरार रखती है। स्क्रैम 440 के प्लेटफार्म पर तैयार की गई इस बाइक को मस्कुलर डिजाइन, आधुनिक फीचर्स और आफ-रोड क्षमता के साथ पेश किया गया है। हिमालयन 440 में 443 सीसी का सिंगल-सिलेंडर, एयर-आयल-कूल्ड इंजन दिया गया है। यह 6,250 आरपीएम पर 25.4 पीएस की अधिकतम पावर और 4,000 आरपीएम पर 34 एनएम का पीक टार्क पैदा करता है। कंपनी ने इंजन को ज्यादा टाप स्पीड के बजाय लो-एंड और मिड-रेंज टार्क के लिए ट्यून किया है, जिससे पथरीले रास्तों, चढ़ाई और कीचड़ भरे ट्रैक पर बेहतर प्रदर्शन मिलने की उम्मीद है।

कच्चे तेल के दाम में भारी उछाल

ब्रेंट क्रूड लगभग 100 डालर

अमेरिकी कच्चा तेल डब्ल्यूटीआई भी 94 डालर प्रति बैरल के पार

नई दिल्ली

वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में बुधवार को एक बार फिर जोरदार उछाल दर्ज किया गया, जिससे ब्रेंट क्रूड 100 डालर प्रति बैरल के बेहद करीब पहुंच गया है। अमेरिकी कच्चा तेल डब्ल्यूटीआई भी 94 डालर प्रति बैरल का आंकड़ा पार कर गया है। इस तेजी की मुख्य वजह पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ता तनाव और वैश्विक तेल आपूर्ति में संभावित रुकावट का डर है। ताजा आंकड़ों के अनुसार, नवंबर डिलीवरी वाला ब्रेंट क्रूड 1.43 फीसदी चढ़कर 99.32 डालर प्रति बैरल पर पहुंच गया, जबकि कारोबार के दौरान यह 99.66 डालर तक भी गया। इसी तरह, अक्टूबर डिलीवरी वाला डब्ल्यूटीआई क्रूड 1.34 फीसदी की तेजी के साथ 94.28 डालर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा था, जो 94.78 डालर तक पहुंचा। इस अचानक तेजी के पीछे पश्चिम एशिया में बिगड़ते हालात और सऊदी अरब के कुछ ऊर्जा ठिकानों पर हुए हमले सबसे बड़ी वजह हैं। इससे दुनिया के सबसे बड़े तेल उत्पादकों में से एक सऊदी अरब से तेल आपूर्ति बाधित होने का डर बढ़ गया है। तेल बाजार की दूसरी बड़ी चिंता होर्मुज जलडमरूमध्य है, जो वैश्विक तेल व्यापार का एक महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग है। इस क्षेत्र में बढ़ते तनाव से तेल की आवाजाही प्रभावित होने की आशंका है, जिससे आपूर्ति में कमी का डर और गहरा गया है। ब्रेंट क्रूड अब 100 डालर के मनोवैज्ञानिक स्तर के बेहद करीब है, लेकिन यह कहना जल्दबाजी होगी कि कीमतें लगातार बढ़ती ही रहेंगी। खाड़ी देशों द्वारा वैकल्पिक मार्गों की तलाश और चीन की मांग में संभावित कमी जैसी बातें कीमतों की तेजी पर कुछ लगाम लगा सकती हैं। हालांकि, फिलहाल आपूर्ति संबंधी चिंताएं हावी हैं। भारत के लिए यह स्थिति चिंताजनक है क्योंकि वह अपनी अधिकांश कच्चे तेल की जरूरत आयात से पूरी करता है। 100 डालर के आसपास बनी रहने वाली कच्चे तेल की कीमतें भारत के लिए आयात बिल बढ़ाएंगी, जिससे रुपये पर दबाव बढ़ सकता है और देश में महंगाई बढ़ने की आशंका भी प्रबल होगी। विमानन, पेंट, टायर और रसायन जैसे उद्योगों पर उत्पादन लागत बढ़ने का सीधा असर होगा।

मारुति सुजुकी अपनी पहली 7-सीटर इलेक्ट्रिक एमपीवी लाने की तैयारी में

नई दिल्ली। भारतीय बाजार में मारुति सुजुकी अगले तीन सालों में नौ नई इलेक्ट्रिक कारें लॉन्च करने की योजना बना रही है। इन कारों में से सात एसयूवी मॉडल होंगे। बलेनो का नया अवतार पेश करने के ठीक बाद, मारुति अपनी पहली 7-सीटर इलेक्ट्रिक एमपीवी (कोडनेम वाईएमसी) लाने वाली है। यह मॉडल साल 2026 के अंत तक दुनिया के सामने पेश किया जा सकता है और यह 2027 की शुरुआत में सड़कों पर दौड़ती नजर आएगी। यह कदम इलेक्ट्रिक वाहन बाजार में मारुति की बड़ी पहचान बनाने के इरादे से उठाया गया है। कंपनी इस नई 7-सीटर इलेक्ट्रिक फैमिली कार को बेहद प्रतिस्पर्धी और बजट-अनुकूल कीमत पर लाने की तैयारी में है, जिसका लक्ष्य व्यापक ग्राहक वर्ग को आकर्षित करना है। रिपोर्ट्स के अनुसार, इसके बेस मॉडल की शुरुआती कीमत लगभग 14 लाख रुपये और टॉप मॉडल की कीमत 18 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) तक हो सकती है, जो 7-सीटर ईवी के लिए एक बड़ी बात है। यह कार अपनी ही कंपनी की ई-विटारा वाले प्लेटफॉर्म और तकनीक का उपयोग करेगी। ई-विटारा में 49 केडब्ल्यूएच और 61केडब्ल्यूएच के दो बैटरी पैक मिलते हैं, जो एक बार फुल चार्ज होने पर करीब 543 किलोमीटर तक की ड्राइविंग रेंज देते हैं। हालांकि, वाईएमसी का आकार और ऊंचाई थोड़ी अधिक होने के कारण इसकी रेंज ई-विटारा से हल्की कम, लेकिन 500 किलोमीटर से अधिक होने की उम्मीद है। डिजाइन की बात करें तो, लीक हुई तस्वीरों से पता चलता है कि इस 7-सीटर कार का लुक बॉक्सी और ऊंचा होगा, जो केबिन में शानदार स्पेस देगा। इसका फ्रंट बंपर और एयरो-डायनामिक अलॉय व्हील्स ई-विटारा से प्रेरित दिखते हैं, जबकि पीछे की तरफ अर्टिगा जैसी ऊर्ध्वाधर टेललाइट्स मिलेंगी।

रक्षा क्षेत्र में 1.1 लाख करोड़ की खरीद को मंजूरी, 98 फीसदी घरेलू कंपनियों के लिए

नई दिल्ली

स्वदेशी रक्षा उत्पादन को बढ़ावा; तीनों सेनाओं के लिए उपकरण और तकनीक का होगा निर्माण

भारत के रक्षा क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए रक्षा खरीद परिषद (डीएसी) ने थल सेना, नौसेना और वायु सेना के लिए लगभग 1.1 लाख करोड़ रुपए की रक्षा खरीद को प्रारंभिक मंजूरी दे दी है। इस महत्वपूर्ण निर्णय की खासियत यह है कि इस खरीद का लगभग 98 फीसदी हिस्सा भारतीय कंपनियों के लिए आरक्षित किया गया है, जिससे घरेलू रक्षा उद्योग को एक अभूतपूर्व बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। यह निर्णय बीईएल, एचएएल सहित कई सरकारी और निजी रक्षा कंपनियों के लिए आने वाले समय में बड़े आर्डर के रास्ते खोलेगा।

ब्रोकरेज फर्मों का मानना है कि चालू वित्त वर्ष में अब तक रक्षा खरीद परिषद ने 1.62 लाख करोड़ के प्रस्तावों को मंजूरी दी है, और हाल के वर्षों में कुल 13 लाख करोड़ की खरीद को हरी झंडी मिली है, जो घरेलू रक्षा कंपनियों के लिए कारोबार के विशाल अवसरों का संकेत है। इस खरीद में तीनों सेनाओं के लिए महत्वपूर्ण उपकरण शामिल हैं। थल सेना के लिए जहरीली गैस, रसायन या परमाणु हमलों से प्रभावित इलाकों का पता लगाने वाले विशेष वाहन, मुश्किल रास्तों पर चलने में सक्षम सैन्य वाहन, बारूदी सुरंग बिछाने वाली मशीनें और हल्के हेलीकाप्टर खरीदे जाएंगे। साथ ही, टैंकों के लिए रास्ता साफ करने वाले उपकरण और तेजी से पुल बनाने वाली प्रणाली भी शामिल है। नौसेना के लिए नए रडार खरीदे जाएंगे जो हवाई गतिविधियों पर नजर रखेंगे और पुराने हवाईअड्डा रडारों की जगह लेंगे।

इसके अलावा, युद्धपोतों के लिए गैस टर्बाइन का निर्माण देश में ही किया जाएगा, जिससे विदेशी निर्भरता कम होगी। वायु सेना के लिए लड़ाकू विमानों, परिवहन विमानों और हेलीकाप्टरों की क्षमता बढ़ाने हेतु नई खरीद को मंजूरी मिली है।

गणेशोत्सव 2026: कोंकण यात्रियों को टोलमाफी का तोहफा

मुंबई। गणेशोत्सव 2026 के अवसर पर कोंकण स्थित अपने गांव जाने वाले लाखों गणेश भक्तों के लिए महाराष्ट्र सरकार ने एक बड़ी राहत की घोषणा की है। राज्य सरकार ने 11 सितंबर से 27 सितंबर 2026 तक कोंकण की ओर जाने वाले गणेश भक्तों के वाहनों को टोल माफी देने का फैसला किया है। लोक निर्माण मंत्री शिवेंद्र सिंह राजे भोंसले ने इसकी जानकारी दी। यह छूट मुंबई-बेंगलुरु राष्ट्रीय राजमार्ग-48, मुंबई-गोवा राष्ट्रीय राजमार्ग-66 सहित लोक निर्माण विभाग और महाराष्ट्र राज्य सड़क विकास महामंडल (एमएसआरडीसी) के अंतर्गत आने वाले कोंकण मार्गों पर लागू होगी। नगर विकास विभाग के अधीन अटल बिहारी वाजपेयी शिवड़ी-न्हावा शेवा अटल सेतु से कोंकण जाने वाले वाहनों को भी यह लाभ मिलेगा। सरकार का उद्देश्य है कि इससे श्रद्धालुओं पर यात्रा का अतिरिक्त आर्थिक बोझ कम हो और उनकी यात्रा सुगम बने। टोलमाफी का लाभ लेने के लिए गणेशोत्सव 2026 कोंकण दर्शन लिखे विशेष स्टिकर या पास जारी किए जाएंगे, जिन पर वाहन नंबर और चालक का नाम दर्ज होगा। ये पास पुलिस स्टेशनों, यातायात चौकियों और आरटीओ कार्यालयों सहित अन्य निर्धारित स्थानों पर उपलब्ध होंगे और वापसी में भी मान्य रहेंगे।

सरकार की 25,000 करोड़ की निर्यात प्रोत्साहन योजना पर संकट

कई योजनाओं को नहीं मिल रही पर्याप्त प्रतिक्रिया

नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा अनुमोदित 25,000 करोड़ रुपये के महत्वाकांक्षी निर्यात प्रोत्साहन मिशन (ईपीएम) को निर्यातकों से सीमित प्रतिक्रिया मिलने के बाद सरकार अब इसकी समीक्षा करने की तैयारी में है। फरवरी में औपचारिक रूप से लागू की गई इस पंचवर्षीय योजना (वित्त वर्ष 2031 तक) की अधिकांश योजनाएं निर्यातकों को लुभाने में विफल रही हैं, जिससे अधिकारियों को चिंता हो रही है। जानकारी के अनुसार ईपीएम के तहत कुल 11 योजनाओं में से केवल दो, शिपमेंट क्रेडिट पर ब्याज सब्सिडी और बाजार पहुंच सहायता को ही निर्यातकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। ये दोनों योजनाएं पिछले पांच वर्षों से अधिक समय से मौजूद हैं, जिसके कारण निर्यातक इनकी आवेदन प्रक्रिया से भली-भांति परिचित हैं।

फरवरी से अब तक करीब 10,000 निर्यातकों ने ब्याज सब्सिडी के लिए और लगभग 1,000 ने बाजार पहुंच सहायता के लिए आवेदन किया है। इसके विपरीत, बिना जमानत ऋण सहायता योजना को 150 से भी कम आवेदन मिले हैं, जबकि अंतरराष्ट्रीय परीक्षण, निरीक्षण और प्रमाणन के लिए वित्तीय सहायता योजना में पिछले छह महीनों में सिर्फ 100 आवेदन आए हैं। ई-कामर्स निर्यातकों के लिए ऋण सहायता और लाजिस्टिक सुगमता जैसी अन्य योजनाएं भी सीमित प्रतिक्रिया झेल रही हैं। सरकार अब निर्यात संवर्धन परिषदों की मदद से, विशेषकर छोटे निर्यातकों के बीच इन योजनाओं के प्रति जागरूकता बढ़ाने का प्रयास कर रही है। हालांकि, निर्यातकों का कहना है कि कुछ योजनाओं की रूपरेखा ही ऐसी है कि उनका उपयोग सीमित हो जाता है।

उदाहरण के लिए, अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुपालन में सहायता वाली योजना में फरवरी के बाद जारी किए गए बहुत कम प्रमाणपत्रों को ही शामिल किया गया है, जबकि निर्यातकों ने कम से कम 150 अतिरिक्त प्रमाणपत्रों को सूची में जोड़ने का अनुरोध किया है।

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जान्स फ्यूचर्स में भी फिलहाल कमजोरी बनी हुई है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

पश्चिम एशिया में जारी तनाव, कच्चे तेल की कीमत में आई तेजी और साफ्टवेयर कंपनियों के शेयर में हुई जबरदस्त बिकवाली के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के द्वारा लगातार दबाव का माहौल बना रहा। डाउ जान्स इंडस्ट्रियल एवरेज 1.18 प्रतिशत गिर कर 52,786.07 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह एस एंड पी 500 इंडेक्स ने 0.58 प्रतिशत फिसल कर 7,673.52 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा नैस्डेक 85.58 अंक यानी 0.32 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 26,421.41 अंक के स्तर पर बंद हुआ। वहीं डाउ जान्स फ्यूचर्स फिलहाल 0.05 प्रतिशत की गिरावट के साथ 52,760.87 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान दबाव में कारोबार करने के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुए। एफटीएसई इंडेक्स 0.10 प्रतिशत टूट कर 10,811.66 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.14 प्रतिशत की तेजी के साथ 8,317.98 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स 1.10 अंक की सांकेतिक बढ़त के साथ 26,007.63 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में भी मिला-जुला कारोबार हो रहा है। एशिया के नौ बाजार में से पांच के सूचकांक कमजोरी के साथ लाल निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि चार सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में बने हुए हैं। कोस्पी इंडेक्स 74.13 अंक यानी 1.05 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,028.65 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 239.63 अंक यानी 0.51 प्रतिशत उछल कर 47,345.41 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.24 प्रतिशत की छलांग लगा कर 3,949.89 अंक के स्तर पर और सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.15 प्रतिशत की उछाल के साथ 1,624.39 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 139 अंक यानी 0.59 प्रतिशत की गिरावट के साथ 23,574.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.65 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 5,729.81 अंक के स्तर पर आ गया है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.38 प्रतिशत लुढ़ककर 6,660.89 अंक के स्तर पर, हैंग सेंग इंडेक्स 0.09 प्रतिशत फिसल कर 25,294 अंक के स्तर पर और निक्केई इंडेक्स 0.05 प्रतिशत टूट कर 65,238 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

भारतीय टीम से मुकाबले के लिए तैयार हैं : सैंटनर

आकलैंड

न्यूजीलैंड क्रिकेट टीम के सीमित ओवरों के कप्तान मिचेल सैंटनर ने कहा है कि उनकी टीम भारत का मुकाबला करने के लिए तैयार है। सैंटनर ने ये बातें भारतीय टीम के आगामी न्यूजीलैंड दौरे को लेकर कही हैं। उन्होंने कहा कि जिस प्रकार से हमने भारत दौर में जीत दर्ज की थी। ठीक उसकी प्रकार से अब भारतीय टीम हमें हराकर हिसाब बराबर करना चाहेगी।

कीवी टीम ने इस साल जनवरी में भारतीय टीम को तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज में 2-1 से हराया था। इसके अलावा, 2024 में उन्होंने भारत में 3-0 से टेस्ट सीरीज जीतकर इतिहास रचा था, जो भारतीय हालातें में एक बड़ी उपलब्धि है। वहीं अब भारतीय टीम न्यूजीलैंड का दौरा करने वाली है। उनका यह दौरा 22 अक्टूबर को पांच मैचों की टी20 और इतने ही मैचों की एकदिवसीय सीरीज से होगा। ये 15 नवंबर तक चलेगा। इसके बाद दो मैचों की टेस्ट सीरीज खेली जाएगी। पहला टेस्ट 19 से 23 नवंबर तक वेलिंगटन में और दूसरा टेस्ट 27 नवंबर से 1 दिसंबर तक क्राइस्टचर्च में खेला जाएगा। यह टेस्ट सीरीज मौजूदा विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) चक्र के लिए भी अहम है, जहां न्यूजीलैंड अभी तीसरे स्थान पर है और भारत पांचवें स्थान पर है।

सैंटनर ने कहा कि भारत निश्चित रूप से बदला लेने की कोशिश करेगा, लेकिन उन्हें तीनों फार्मेट में एक कड़े मुकाबले की उम्मीद है। इसलिए यह एक शानदार सीरीज होने वाली है। सैंटनर ने आगे कहा कि हर कोई लंबे समय से न्यूजीलैंड में भारत जैसी बड़ी टीम के खिलाफ तीनों फार्मेट खेलने का इंतजार कर रहा था। हर कोई यही तो करना चाहता है। उन्होंने न्यूजीलैंड की टेस्ट परिस्थितियों का भी जिक्र किया, जो भारत से अलग और तेज गेंदबाजों के अनुरुप होती हैं। । सैंटनर ने कहा, सबसे पहले, 10 व्हाइट-बाल मैच होने हैं, जो काफी ज्यादा हैं, लेकिन यह एक अच्छी सीरीज होगी। फिर टेस्ट मैच होंगे और मुझे लगता है कि भारत में खेले गए टेस्ट मैचों की तुलना में यहां हालात थोड़े अलग होंगे। साल के उस समय पिचें थोड़ा अलग व्यवहार कर सकती हैं, हरी पिचें और तेज गेंदबाजों के लिए मददगार हो सकती हैं। उन्होंने भारत की गेंदबाजी आक्रमण और समग्र गुणवत्ता की भी प्रशंसा की। भारत तीनों फार्मेट में एक बहुत अच्छी टीम है; हम यह जानते हैं। उनके पास जबरदस्त ताकत है, खासकर व्हाइट-बाल और फिर रेड-बाल क्रिकेट में। भारत का गेंदबाजी आक्रमण भी काफी अच्छा है।

पडिक्कल बोले टेस्ट टीम में जगह बनाना आसान नहीं, प्रदर्शन में निरंतरता जरुरी

मुम्बई। बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल ने हाल ही में श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज में काफी अच्छा प्रदर्शन किय था पर इसके बाद भी उनका मानना है कि अभी उन्हें काफी कुछ करना है। पडिक्कल के अनुसार भारतीय टेस्ट टीम में जगह पक्की करना आसान नहीं है और इसके लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन करना होता है क्योंकि आजकल टेस्ट कम होने से अवसर भी काफी कम होते हैं। इसी कारण श्रीलंका दौरे पर लगातार दो शानदार शतक लगाने के बावजूद, पडिक्कल अपने प्रयास जारी रखना चाहते हैं। गौरतलब है कि नियमित नंबर तीन बल्लेबाज साई सुदर्शन के पैर में चोट लगने के कारण पडिक्कल को श्रीलंका के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में अवसर मिला था। उन्होंने इस अवसर का लाभ उठाते हुए और तीन पारियों में कुल 328 रन बनाकर अपनी मजबूत दावेदारी पेश की। पडिक्कल ने कहा, इन दिनों आपको बहुत कम मौके मिलते हैं और टीम में अपनी जगह बनाना आसान नहीं होता। किसी भी चीज को हल्के में नहीं लिया जा सकता। व्यक्तिगत तौर पर मेरा लक्ष्य केवल रन बनाते रहना और भारतीय टेस्ट टीम को जीत दिलाने में योगदान देना है। मुझे पूरा विश्वास है कि जब तक मैं ऐसा करता रहूंगा, मेरी जगह बनी रहेगी। पडिक्कल ने साथ ही कहा, जब तक मैं रन बना रहा हूं, मुझे लगता है कि इससे टीम को हमेशा लाभ ही होगा। जैसा कि हम सभी जानते हैं, टेस्ट क्रिकेट एक आसान प्रारूप नहीं है, इसलिए आपको हर दिन अच्छा प्रदर्शन करते रहना होता है। यह अवसर पडिक्कल को भले ही सुदर्शन की चोट के कारण मिला हो, लेकिन उन्होंने इसे बेहतरीन तरीके से भुनाया। टीम प्रबंधन ने सीरीज शुरू होने से पहले ही उन्हें दोनों टेस्ट मैचों में तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने की जानकारी दे दी थी।

न्यूज ब्रीफ

यूएस ओपनः जेसिका पेगुला ने एम्मा नवारो को हराया, सेमीफाइनल में सबालेंका से होगी भिड़ंत

न्यूयार्क। तीसरी वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी जेसिका पेगुला ने यूएस ओपन 2026 के महिला एकल क्वार्टर फाइनल में हमवतन एम्मा नवारो को 3-6, 6-4, 6-3 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। अब उनका सामना दो बार की गत चैंपियन आर्यना सबालेंका से होगा। पेगुला ने दो घंटे 20 मिनट चले मुकाबले में शुरुआती सेट गंवाने के बाद शानदार वापसी की। तीसरे सेट में शुरुआती ब्रेक से पिछड़ने के बावजूद उन्होंने वापसी की और कड़े बेसलाइन मुकाबले में जीत हासिल की। दोनों खिलाड़ियों के बीच मुकाबले में कुल नौ बार सर्विस ब्रेक हुई। जीत के बाद पेगुला ने आन कोर्ट साक्षात्कार में कहा, यह वास्तव में बहुत कठिन था। मुकाबला शारीरिक रूप से काफी चुनौतीपूर्ण था और मौसम भी उमस भरा था। मैं अपनी सर्विस से बिल्कुल सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन नहीं कर पा रही थी और मुझे कोर्ट पर काफी संघर्ष करना पड़ा। इस जीत के साथ पेगुला का नवारो के खिलाफ रिकार्ड 5-0 हो गया है। पूर्व विश्व नंबर आठ नवारो स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर ध्यान देने के लिए लंबे ब्रेक के बाद वापसी कर रही हैं। उन्होंने मई में स्ट्रासबर्ग में एक साल से अधिक समय बाद अपना पहला खिताब जीता था। पेगुला ने इस साल अब तक दो खिताब जीते हैं और वह उन तीन खिलाड़ियों में शामिल हैं, जो न्यूयार्क में विश्व रैंकिंग में शीर्ष स्थान पर काबिज सबालेंका को पीछे छोड़ने की दौड़ में थीं। हालांकि, शीर्ष स्थान हासिल करने के लिए 32 वर्षीय पेगुला को अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीतना होगा। पेगुला और सबालेंका के बीच यूएस ओपन में यह लगातार तीसरा मुकाबला होगा।

वियतनाम ओपन : तन्वी शर्मा ने रेचल चैन को सीधे गेमों में हराया, अगले दौर में पहुंचीं

हो ची मिन्ह सिटी। शीर्ष वरीय भारतीय खिलाड़ी तन्वी शर्मा ने वियतनाम ओपन 2026 के महिला एकल के अंतिम-32 मुकाबले में कनाडा की रेचल चैन को सीधे गेमों में 21-16, 21-17 से हराकर अगले दौर में जगह बना ली। बीएफडब्ल्यू विश्व टूर सुपर 100 प्रतियोगिता में तन्वी ने 36 मिनट में मुकाबला अपने नाम किया। भारतीय किशोरी ने पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा और लगातार दो गेम जीतकर अंतिम-16 में प्रवेश किया। तन्वी इस महीने की शुरुआत में चाइना मास्टर्स 2026 में जापान की विश्व नंबर-9 टोमोका मियाजाकी के खिलाफ 66 मिनट चले रोमांचक मुकाबले में 17-21, 21-18, 16-21 से हारकर अंतिम-16 में बाहर हो गई थीं। इससे पहले उन्होंने डेनमार्क की अमाली शुल्ज को 21-16, 21-17 से हराकर अंतिम-16 में जगह बनाई थी। पिछले महीने तन्वी ने ताइपे ओपन सुपर 300 में अपना पहला बीएफडब्ल्यू विश्व टूर खिताब जीता था। उन्होंने महिला एकल के फाइनल में वियतनाम की छठी वरीय गुयेन थुई लिन्ह को 21-16, 21-16 से हराया था।

शुभमन और पंड्या की कप्तानी शैली है काफी अलग : नेहरा

मुम्बई। पूर्व क्रिकेटर और वर्तमान में गुजरात टाइटंस के कोच आशीष नेहरा ने शुभमन गिल और हार्दिक पंड्या की कप्तानी का अंतर बताया है। नेहरा ने कहा कि दोनों के व्यक्तित्व और नेतृत्व शैली में खास अंतर है। नेहरा के अनुसार हार्दिक जब गुजरात के कप्तान थे तब उन पर पूरी तरह भरोसा करते थे और किसी भी मामले पर पर बेहिचक बात करते थे। दूसरी ओर शुभमन गिल शांत रहते हैं और कम बोलते हैं। नेहरा का यह भी मानना है कि शुभमन अभी कप्तानी के मामले में सीखने के दौर में हैं और अनुभव के साथ उनमें और निखार आएगा। नेहरा ने कहा कि दोनों की कप्तानी में उतना ही अंतर है, जितना उत्तरी ध्रुव और दक्षिणी ध्रुव में होता है। उन्होंने बताया कि पंड्या उन पर पूरा भरोसा करते थे और हमेशा सीखने के लिए तैयार रहते थे। अगर कोई चीज सही नहीं हो रही होती थी, तो वह सवाल पूछने और उस पर खुलकर चर्चा करने से पीछे नहीं हटते थे। कोच और कप्तान के बीच यह खुला संवाद हार्दिक के नेतृत्व के तरीके का एक अहम हिस्सा था। वहीं शुभमन की कप्तानी शैली के बारे में नेहरा ने कहा कि वह पंड्या की तुलना में ज्यादा शांत और रिजर्व स्वभाव के हैं। उन्होंने साफ किया कि यह कोई कमी नहीं है, बल्कि हर व्यक्ति का अपना अलग व्यक्तित्व होता है। नेहरा ने बताया कि शुभमन पंड्या की तरह ज्यादा बातचीत नहीं करते, लेकिन जब भी बात करते हैं तो सीधे मुद्दे पर रहते हैं। वह चीजों को ध्यान से देखते हैं और उनसे सीखने की कोशिश करते हैं। नेहरा ने कहा कि शुभमन ने अभी लंबे समय तक कप्तानी नहीं की है और अभी केवल 1 से 2 सत्र से ही यह भूमिका निभा रहे हैं।

बैलन डीओर 2026 : मेसी, एमबाप्पे, यामाल और केन समेत 30 खिलाड़ी नामित

पेरिस

फ्रांस की फुटबाल पत्रिका फ्रांस फुटबाल ने बैलन डीओर 2026 पुरस्कारों के लिए विभिन्न श्रेणियों में नामित खिलाड़ियों और प्रशिक्षकों की सूची जारी कर दी। पुरुष वर्ग में फ्रांस के किलियन एमबाप्पे, स्पेन के लामिन यामाल, इंग्लैंड के हैरी केन और अर्जेंटीना के लियोनेल मेसी समेत 30 खिलाड़ियों को सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी के पुरस्कार के लिए नामित किया गया है।

पुरुष बैलन डीओर के नामांकन में फीफा विश्व कप विजेता स्पेन और यूईएफए चैंपियंस लीग विजेता पेरिस सेंट-जर्मेन के खिलाड़ियों का दबदबा रहा। पिछले साल के विजेता उस्मान डेम्बेले को भी लगातार दूसरी बार यह पुरस्कार जीतने का मौका मिलेगा। डेम्बेले ने पेरिस सेंट-जर्मेन के साथ लगातार दूसरा चैंपियंस लीग खिताब जीता है। एमबाप्पे, लामिन यामाल और हैरी केन को प्रमुख दावेदारों में माना जा रहा है। वहीं, लियोनेल मेसी ने विश्व कप में शानदार प्रदर्शन के दम पर नामांकन हासिल किया है।

■ पुरुष बैलन डीओर 2026 के नामित खिलाड़ी:

जूड बेलिंगहैम (इंग्लैंड/रियल मैड्रिड), पाउ कुबार्सी (स्पेन/बार्सिलोना), मार्क कुकुरेला (स्पेन/रियल मैड्रिड), उस्मान डेम्बेले (फ्रांस/पेरिस सेंट-जर्मेन), लुइस डियाज (कोलंबिया/बायर्न म्यूनिख), ब्रूनो फर्नांडिस (पुर्तगाल/मैनचेस्टर यूनाइटेड), एर्लिंग हालांड (नार्वे/मैनचेस्टर सिटी), गेब्रियल मागाल्हाएस (ब्राजील/आर्सेनल), हैरी केन (इंग्लैंड/बायर्न म्यूनिख), अचरफ हकीमी (मोरक्को/पेरिस सेंट-जर्मेन), लामिन यामाल (स्पेन/बार्सिलोना), ख्विचा क्वारात्सखेलिया (जार्जिया/पेरिस सेंट-जर्मेन), मार्किन्होस (ब्राजील/पेरिस सेंट-जर्मेन), सादियो माने (सेनेगल/अल-नस्र), लाउतारो मार्टिनेज (अर्जेंटीना/इंटर मिलान), किलियन एमबाप्पे (फ्रांस/रियल मैड्रिड), लियोनेल मेसी (अर्जेंटीना/इंटर मियामी), माइकल ओलिसे (फ्रांस/बायर्न म्यूनिख), जोआओ नेवेस (पुर्तगाल/पेरिस सेंट-जर्मेन), विलियन पाचो (इक्वाडोर/पेरिस सेंट-जर्मेन), जूलियन क्विनोनेस (मैक्सिको/अल-कादसियाह), डेक्लान राइस (इंग्लैंड/आर्सेनल), रोड्री (स्पेन/बार्सिलोना), फैबियन रुइज (स्पेन/पेरिस सेंट-जर्मेन), विलियम सालिबा (फ्रांस/आर्सेनल), दयोट उपामेकानो (फ्रांस/बायर्न म्यूनिख), विटिन्या (पुर्तगाल/पेरिस सेंट-जर्मेन), फेरान टोरेस (स्पेन/पेरिस सेंट-जर्मेन), विनिसियस जूनियर (ब्राजील/रियल मैड्रिड) और नूनो मेंडेस (पुर्तगाल/पेरिस सेंट-जर्मेन)।

■ पुरुष कोच आफ द ईयर के नामित:

मिकेल आर्टेटा (आर्सेनल), लुइस दे ला फुएंते (स्पेन), उनाई एमरी (एस्टन विला), विन्सेंट कोम्पनी (बायर्न म्यूनिख) और लुइस एनरिके (पेरिस सेंट-जर्मेन)।

महिला वर्ग में दो बार की विजेता एलेक्सिया पुतायस, ईवा पायजोर और मेल्ची डुमोर्नाय प्रमुख दावेदारों में शामिल हैं। पिछले तीन वर्षों की विजेता ऐताना बोनमती चोट के कारण अधिकांश सत्र से बाहर रहने की वजह से इस बार नामांकित नहीं की गई हैं।

■ महिला बैलन डीओर 2026 के नामित खिलाड़ी:

सेल्मा बाचा (ओएल ल्योन), बारबरा बांडा (आरलैंडो प्राइड), क्लारा ब्यूल (बायर्न म्यूनिख), एस्मी ब्रुग्ट्स (बार्सिलोना), मारियोना काल्डेंते (आर्सेनल), स्कारलेट कंबेरोस (क्लब अमेरिका), केर्स्टिन कास्पारिज (मैनचेस्टर सिटी), टेम्वा चाविंगा (कैनसस सिटी करंट), काटा कोल (बार्सिलोना), मेल्ची डुमोर्नाय (ओएल ल्योन), कैरोलीन ग्राहम हैनसन (बार्सिलोना), एलेक्स ग्रीनवुड (मैनचेस्टर सिटी), पैट्री गुइजारो (बार्सिलोना), पेर्निले हार्डर (बायर्न म्यूनिख), युई हासेगावा (मैनचेस्टर सिटी), रोज लावेल (गाथम एफसी), मापी लियोन (लंदन सिटी लायनेसिस), लोरेना (कैनसस सिटी करंट), मेलविन मलार्ड (चेल्सी), मनाका मात्सुकुबो (चेल्सी), विवियाने मिएदेमा (मैनचेस्टर सिटी), ईवा पायजोर (बार्सिलोना), क्लाउडिया पिना (बार्सिलोना), एलेक्सिया पुतायस (लंदन सिटी लायनेसिस), वेंडी रेनार्ड (ओएल ल्योन), एलेसिया रूसो (आर्सेनल), खदीजा शा (मैनचेस्टर सिटी), मोमोको तनिकावा (बायर्न म्यूनिख), कैरोलिन वियर (ओएल ल्योन) और टेसा वुलार्ट (कोमो)।

■ महिला कोच आफ द ईयर के नामित:

जोनाथन गिराल्देज (ओएल ल्योन), आंद्रे येगर्ट्ज (मैनचेस्टर सिटी), निल्स नील्सन (जापान), पेरे रोम्यू (बार्सिलोना) और एलेना सादिकु (बीकेन हेकन)। युवा खिलाड़ियों के लिए पुरुष कोपा ट्राफी के नामांकन में केरिम अलाजबेगोविच, अय्यूब बुआद्दी, पाउ कुबार्सी, यान डियोमांदे, लेनार्ट कार्ल, एली जूनियर क्रुपी, लामिन यामाल, जोहान मांजांबी, इब्राहिम माजा और वारेन जायरे-एमरी शामिल हैं। महिला कोपा ट्राफी के लिए वीरले बुरमान, विक्की लोपेज, फेलिसिया श्रोडर, क्लारा सेर्राजोर्डी और लिली योहानेस को नामांकित किया गया है।

■ याशिन ट्राफी के लिए पुरुष गोलकीपरों के नामित:

यासीन बूनू (अल हिलाल), जोआन गार्सिया (बार्सिलोना), ग्रेगोर कोबेल (बोरूसिया डार्टमुंड), एमिलियानो मार्टिनेज (चेल्सी), एडुआर्ड मेंडी (अल अहली), डेविड राया (आर्सेनल), उनाई सिमोन (एथलेटिक बिलबाओ), वोजिन्हा (कोलो-कोलो), मतवे साफोनोव (पेरिस सेंट-जर्मेन) और थिबो कोर्टुआ (रियल मैड्रिड)।

■ महिला गोलकीपर आफ द ईयर के नामित:

हन्ना हैम्पटन (चेल्सी), लोरेना (कैनसस सिटी करंट), आयाका यामाशिता (मैनचेस्टर सिटी), काटा कोल (बार्सिलोना) और एन-कैटरीन बर्गर (गाथम एफसी)।

■ 2026 पुरुष टीम आफ द ईयर के नामित:

आर्सेनल, बायर्न म्यूनिख, बोदो/ग्लिम्ट, फ्लामेंगो और पेरिस सेंट-जर्मेन।

■ 2026 महिला टीम आफ द ईयर के नामित:

एफसी बार्सिलोना, बायर्न म्यूनिख, क्लब अमेरिका, मैनचेस्टर सिटी और ओलंपिक ल्योन। बैलन डीओर पुरस्कार समारोह 26 अक्टूबर को लंदन में आयोजित किया जाएगा।

महिला एशिया कपः गुल फिरोजा पर मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना, एक डिमेरिट अंक भी जुड़ा

दुबई

पाकिस्तान की शीर्ष क्रम की बल्लेबाज गुल फिरोजा पर हांगकांग के खिलाफ महिला टी20 एशिया कप मुकाबले के दौरान अंपायर के फैसले पर असहमति जताने के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया है। उनके अनुशासनात्मक रिकार्ड में एक डिमेरिट अंक भी जोड़ा गया है।

यह घटना पाकिस्तान की पारी के पांचवें ओवर में हुई। बाएं हाथ की कलाई की स्पिन गेंदबाज कैरी चान की उछाल लेती गेंद पर फिरोजा ने स्वीप शाट खेलने की कोशिश की, लेकिन गेंद बल्ले से नहीं लगी और स्टंप के सामने उनके पैड से जा टकराई। मैदानी अंपायर ने उन्हें पगबाधा आउट दे दिया। टूर्नामेंट में निर्णय समीक्षा प्रणाली (डीआरएस) का इस्तेमाल नहीं हो रहा है, इसलिए फिरोजा को मैदान छोड़ना पड़ा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद के अनुसार, मैदान से बाहर जाते समय उन्होंने अपने बल्ले की ओर इशारा करते हुए यह जताया कि गेंद बल्ले का किनारा लेकर गई थी। इसे मैदानी अंपायर के फैसले पर असहमति जताना माना गया, जो आईसीसी आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 का उल्लंघन है। यह पिछले 24 महीनों में फिरोजा का दूसरा अपराध है। इसके साथ इस अवधि में उनके कुल डिमेरिट अंक दो हो गए हैं। महिला एशिया कप में आचार संहिता के उल्लंघन के लिए कार्रवाई का सामना करने वाली वह दूसरी पाकिस्तानी खिलाड़ी हैं। इससे पहले कप्तान फातिमा सना पर भारत के खिलाफ मुकाबले में शैफाली वर्मा को आउट करने के बाद विदाई इशारा करने के लिए मैच फीस का 10 प्रतिशत जुर्माना लगाया गया था और एक डिमेरिट अंक दिया गया था।

भारत की पारी के दूसरे ओवर में शैफाली ने फातिमा की गेंद पर वापसी कैच दिया था। इसके बाद फातिमा ने जश्न मनाते हुए पवेलियन की ओर इशारा किया था, जिस पर अधिकारियों का ध्यान गया था।

हांगकांग को 72 रन से हराकर पाकिस्तान ने ग्रुप-ए से सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दूसरी टीम के रूप में जगह बनाई।

एशियाई खेलों में भारत का अभियान 17 सितंबर से शुरु होगा

नई दिल्ली। जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक शुरु हो रहे एशियाई खेल 2026 के लिए भारतीय दल पूरी तरह तैयार है। भारतीय दल का अभियान इन खेलों में आधिकारिक उद्घाटन समारोह से दो दिन पहले ही यानी 17 सितंबर को तेक़बाल के मुकाबलों के साथ ही शुरू हो जाएगा। इस बार भारतीय दल का लक्ष्य केवल पदक तालिका में अपनी स्थिति बेहतर करना नहीं, बल्कि क्रिकेट और हाकी सहित कई खेलों में अपने पिछले खिताबों को बरकरार रखना भी होगा। भारत के लिए शुरुआती मुकाबले बेहद महत्वपूर्ण होंगे। 17 सितंबर को तेक़बाल के साथ अभियान की शुरुआत के बाद अगले ही दिन 18 सितंबर को भारत की महिला क्रिकेट टीम जापान के खिलाफ अपने क्वार्टर फाइनल मैच में उतरेगी। पुरुष और महिला क्रिकेट टीमों के अलावा, भारतीय पुरुष हाकी टीम भी अपने खिताब को बरकरार रखने के इरादे से मैदान पर होगी।

यूएस ओपनः फ्रांसेस टियाफोए ने एलेक्स माइकलसन को हराया, सेमीफाइनल में पहुंचे

न्यूयार्क

फ्रांसेस टियाफोए ने शानदार जुझारूपन का परिचय देते हुए यूएस ओपन 2026 के पुरुष एकल सेमीफाइनल में जगह बना ली है। 11वीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी खिलाड़ी ने मंगलवार को क्वार्टर फाइनल में एलेक्स माइकलसन को 5-7, 3-6, 7-5, 6-3, 7-6 (10-6) से हराया।

टियाफोए ने मुकाबले में पहले दो सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी की। वह निर्णायक पांचवें सेट में भी 0-3 से पीछे थे, लेकिन उन्होंने लगातार वापसी करते हुए चार घंटे 38 मिनट तक चले मुकाबले को अपने नाम कर लिया।

मैच के बाद टियाफोए नेट के दूसरी तरफ पहुंचे, जहां 22 वर्षीय माइकलसन अपने पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल के निराशाजनक अंत के बाद रो रहे थे। टियाफोए ने उन्हें गले लगाकर सांत्वना दी।

टियाफोए ने मुकाबले में पहले दो सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी की। वह निर्णायक पांचवें सेट में भी 0-3 से पीछे थे, लेकिन उन्होंने लगातार वापसी करते हुए चार घंटे 38 मिनट तक चले मुकाबले को अपने नाम कर लिया।

मैच के बाद टियाफोए नेट के दूसरी तरफ पहुंचे, जहां 22 वर्षीय माइकलसन अपने पहले ग्रैंड स्लैम क्वार्टर फाइनल के निराशाजनक अंत के बाद रो रहे थे। टियाफोए ने उन्हें गले लगाकर सांत्वना दी।

टियाफोए ने मैच की शुरुआत को लेकर कहा, यह अच्छा नहीं था, इसे इसी तरह कहना चाहिए। यह बिल्कुल अच्छा नहीं था। पांच में से तीन सेट का प्रारूप एक वरदान है, क्योंकि आपके पास वापसी करने और चीजों को सही करने का समय होता है। मैंने निश्चित रूप से आखिरी समय तक इंतजार किया।

टियाफोए इससे पहले 2022 और 2024 में भी यूएस ओपन के सेमीफाइनल में पहुंचे थे। अब सेमीफाइनल में उनका सामना गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज और आठवीं वरीयता प्राप्त बेन शेल्टन के बीच होने वाले क्वार्टर फाइनल के विजेता से होगा।

टियाफोए ने 2022 के सेमीफाइनल में अल्काराज के खिलाफ हार झेली थी, जबकि 2024 में उन्हें हमवतन टेलर फ्रिट्ज ने हराया था। इस बार टियाफोए की जीत ने अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी के ग्रैंड स्लैम खिताब के लंबे इंतजार को खत्म करने की उम्मीदों को फिर मजबूत किया है। अमेरिका ने आखिरी बार 2003 में एंडी राडिक के जरिये पुरुष एकल ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था।

माइकलसन मुकाबले में मजबूत स्थिति में थे। वह टूर्नामेंट में एक भी सेट गंवाए बिना क्वार्टर फाइनल तक पहुंचे थे और तीसरे सेट में 5-4 की बढ़त के साथ मैच जीतने के लिए सर्विस कर रहे थे। हालांकि, लगातार दो डबल फाल्ट के बाद वह दबाव में आ गए और टियाफोए ने ब्रेक हासिल कर तीसरा सेट अपने नाम कर लिया।

माइकलसन ने कहा, मुझे लगा कि पहले तीन सेट में मैं उस पर हावी था। वह फ्रांसेस की तरह नहीं खेल रहे थे। फिर 5-4 पर मैंने उन्हें वापसी का मौका दे दिया। इसके बाद वह आर्थर ऐश में अपने अंदाज में खेलने लगे। फिर मुकाबला पूरी तरह संघर्ष में बदल गया।

पांचवें सेट में भी माइकलसन ने शुरुआत में टियाफोए की सर्विस तोड़कर 3-0 की बढ़त बना ली थी। टियाफोए ने गुस्से में एक समय अपना रैकेट कोर्ट पर पटक दिया, लेकिन इसके बाद उन्होंने फिर वापसी की। मैच टाईब्रेक में टियाफोए ने लगातार तीन अंक जीतकर 7-4 की बढ़त बनाई और फिर 135 मील प्रति घंटे की रफ्तार से ऐस लगाकर जीत की ओर कदम बढ़ाया।

इस जीत के साथ टियाफोए इस सदी में आंद्रे अगासी के बाद तीन बार यूएस ओपन सेमीफाइनल में पहुंचने वाले दूसरे अमेरिकी पुरुष खिलाड़ी बन गए हैं।

जूनियर एशिया कपः अनमोल एक्का के छह गोल से भारत ने चीनी ताइपे को 15-0 से रौंदा, सेमीफाइनल में पहुंचा

मोकी (चीन)

गत चैंपियन भारत ने एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 में शानदार प्रदर्शन करते हुए बुधवार को पूल-ए के अपने आखिरी मुकाबले में चीनी ताइपे को 15-0 से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया। कप्तान अनमोल एक्का ने छह गोल दागकर भारत की धमाकेदार जीत में अहम भूमिका निभाई। भारत ने शुरुआती क्वार्टर में गोलरहित रहने के बाद अगले तीन क्वार्टर में पूरी तरह दबदबा बनाया। अनमोल के सभी छह गोल पेनल्टी कार्नर से आए। पांच बार की चैंपियन भारतीय टीम ने तीन जीत और एक ड्रा से 10 अंक हासिल कर पूल-ए में शीर्ष स्थान हासिल किया।

दक्षिण कोरिया ने जापान को 3-2 से हराकर नौ अंकों के साथ पूल में दूसरा स्थान हासिल किया और सेमीफाइनल में जगह बनाई। जापान, इंडोनेशिया और चीनी ताइपे की टीमें टूर्नामेंट से बाहर हो गईं और अब वर्गीकरण मुकाबले खेलेंगी।

चीनी ताइपे ने पहले क्वार्टर में भारतीय हमलों को रोककर सभी को चौंका दिया। भारत ने गेंद पर नियंत्रण बनाए रखा और कई मौके बनाए, लेकिन मजबूत ताइपे रक्षापंक्ति को भेद नहीं सका। दो मिनट के क्वार्टर ब्रेक के दौरान मुख्य कोच फ्रेडरिक सोएज ने खिलाड़ियों को अधिक आक्रामकता के साथ खेलने के लिए प्रेरित किया, जिसका असर अगले ही क्वार्टर में दिखाई दिया।

आर्यन एक्सेस ने 17वें मिनट में भारत का खाता खोला, जबकि एक मिनट बाद प्रभदीप सिंह ने बढ़त दोगुनी कर दी। गुरसेवक सिंह ने 22वें मिनट में तीसरा गोल किया। इसके बाद अनमोल एक्का ने 25वें मिनट में पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर अपना पहला गोल किया। अर्जुन संतोष हरगुड़े ने 28वें मिनट में पांचवां गोल किया और अगले ही मिनट अनमोल ने फिर पेनल्टी कार्नर पर गोल कर दिया। भारत ने मध्यांतर तक 6-0 की बढ़त बना ली थी। तीसरे क्वार्टर में भी भारत ने लगातार आक्रमण जारी रखा। अनमोल ने शुरुआती तीन मिनट में मिले दोनों पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर अपनी हैट्रिक पूरी की और फिर एक और गोल कर व्यक्तिगत संख्या चार पहुंचा दी। अजीत यादव ने 35वें मिनट में शानदार मैदानी गोल कर भारत की बढ़त बढ़ाई। इसके बाद अनमोल ने 45वें मिनट में एक और पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर अपना पांचवां गोल किया और भारत को 10-0 की बढ़त दिला दी। अंतिम क्वार्टर में भी भारत ने आक्रामक रवैया बनाए रखा। हरपाल ने 48वें मिनट में मैदानी गोल किया, जबकि अनमोल ने 51वें मिनट में अपना छठा पेनल्टी कार्नर गोल कर व्यक्तिगत छह गोल पूरे किए। हरपाल ने इसके बाद अपना दूसरा गोल किया। आर्यन एक्सेस ने भी दो गोल दागे और भारत ने 15-0 की शानदार जीत दर्ज की। अनमोल के छह गोल भारत के लिए मैच का सबसे बड़ा आकर्षण रहे, लेकिन यह जीत पूरी टीम के शानदार प्रदर्शन का नतीजा रही।

सौंदर्य

लिप मास्क थेरपी से होंठों को दें जान

चेहरे की ब्यूटी निखारने के बाद जब बात लिप्स की आती है, तो उसे खूबसूरत बनाने का महिलाओं के पास केवल एक ही जरिया होता है और वह है लिप बाम और लिपस्टिक। मगर लिप्स के लिए इन दिनों एक थेरपी खासी ट्रेंड में है और वह है लिप मास्क थेरपी। इसे किस तरह किया जाता है और इससे लिप्स को किस तरह खूबसूरत बनाया जा सकता है, जानिए...

क्या है लिप मास्क थेरपी?

आमतौर पर महिलाएं लिप्स की खूबसूरती को निखारने के लिए लिपस्टिक का इस्तेमाल करती हैं। लिपस्टिक का लगातार इस्तेमाल करने से लिप्स की नैचरल ब्यूटी कम होती चली जाती है। उनकी नमी खत्म होती जाती है और वे अपना नैचरल कलर खोने लगते हैं। अगर आप भी गुजर रही हैं कुछ ऐसी ही प्रॉब्लम्स से, तो लिप मास्क थेरपी आएगी आपके खूब काम। इस थेरपी में ऐसी चीजों का इस्तेमाल किया जाता है, जो आपके खोई हुई लिप्स ब्यूटी को वापस लाने में खूब काम आता है।

सिलिकॉन बेस से तैयार

इस लिप मास्क में सिलिकॉन बेस का इस्तेमाल किया जाता है। इसमें कॉलेजन प्रोटीन, मिनिरल्स, हाइड्रेटिंग एजेंट, जोजोबा ऑइल वगैरह होता है, जो होठों पर लगाया जाता है। इसे तकरीबन 10 से 15 मिनट लगाए रखते हैं और फिर पील करके उतार दिया जाता है। यह बेस होंठों को नमी देने का काम तो करता ही है, साथ ही उन नर्वस को मजबूत करता है जो होंठों को ब्लड सकुर्लेट करती है।

क्यों होती है जरूरत?

लिपस्टिक या लिप बाम में लेड पाया जाता है, जो होंठों पर कालापन व ड्राइनैस ले आता है। लगातार लगाते रहने से लिप्स क्रैक, ड्राई और काले हो जाते हैं। इस समस्या से निजात पाने के लिए लिप मास्क खास काम आता है। ब्यूटीशियन के मुताबिक, इसे हफ्ते या फिर 15 दिन में एक बार करवा लेंगी, तो दो से तीन महीने में ही होंठों की नैचरल ब्यूटी वापस आ जाएगी।

लगाएं लिप मास्क

आपके लिप्स की स्किन कैसी है, इसको ध्यान में रखते हुए आप लिप मास्क थेरपी करें। होठों के मुताबिक आपको लिप मास्क मिल जाएंगे। इसके लिए अगर आप एक बार ब्यूटीशियन से सलाह ले लें, तो आप सही तरह का लिप मास्क सिलेक्ट कर पाएंगी।

कैसे करता है काम?

यह लिप मास्क प्लेटिनम फिलर का काम करता है। बायोटीन होठों की त्वचा को एनर्जी देता है और विटमिन होठों के कालेपन को हल्का करते हैं। इसे कुछ देर तक होठों पर लगाने से यह सारे तत्व अपना-अपना काम करके होठों की खोई खूबसूरती लौटाते हैं। यह होंठों को मेकअप से आए साइड इफेक्ट्स से बचाता है। दरअसल, लिप्स में ऑयल ग्रंथियां नहीं होतीं, ऐसे में होठों को नमी के लिए बाहरी ट्रीटमेंट की जरूरत होती है और इसमें लिप मास्क बेहद काम आता है।

सही पावर बैंक चुनेंगे तो मोबाइल की बैटरी हमेशा रहेगी फुल

तकनीक

क्या आपको भी अपने स्मार्टफोन के बैटरी बैकअप की चिंता सताती रहती है? क्या आप भी अपने फोन पर मनपसंद काम ना कर पाने से अक्सर परेशान रहते हैं। आजकल सब स्मार्टफोन में मूवी, म्यूजिक, गेम्स या फिर सोशल नेटवरकिंग साइट्स पर ज्यादा व्यस्त रहते हैं। जिसके कारण उनके स्मार्टफोन्स की बैटरी जल्दी खत्म हो जाती है। पर अब आप बेफिक्र होकर अपने सभी काम स्मार्टफोन की मदद से कर सकते हैं और वो भी बिना बैटरी की चिंता करे। आइये आज हम आपको बताते हैं पावर बैंक्स के बारे में और यह भी आपको बताएंगे कि पावर बैंक खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

ध्यान

» अगर आपके फोन में 2500 mAh की बैटरी है और आपके पास 10000 mAh का पावर बैंक है तो इसका मतलब ये नहीं है कि वो आपके फोन को दिन में 4 से 5 बार चार्ज कर देगा।

» आपके मोबाइल की बैटरी से कम से कम दुगनी क्षमता का पावर बैंक चुनें, जितने जयादा mAh के पावर बैंक यूज़ किया जाएगा उतनी ज्यादा बार मोबाइल को चार्ज किया जा सकेगा।

» अगर पावर बैंक में ऑटो कट फ़ीचर है तो अच्छा है क्योंकि इससे वो ओवरचार्ज नहीं होता है। और ये ज़्यादा दिन भी चलता है।

» इस बात पर भी ज़रूर ध्यान दें कि पावर बैंक का आउटपुट वोल्टेज आपके स्मार्टफ़ोन के बराबर या उससे ज़्यादा होना चाहिए।

» अगर आप भी मोबाइल पर मूवीज़, गेम, म्यूज़कि का मज़ा ज्यादा लेते हैं तो पावर बैंक लेना आपकी मजबूरी है।

ऐसे जानें पावर

जब किसी भी गैजट को चार्ज करने की बात आती है तो कैपेसिटी से ज्यादा ज़रूरी करंट खपत होती है। क्योंकि हर फोन की खपत अलग-अलग होती है, इसे भी एक बार चेक कर लें। अपने मोबाइल की करंट कैपेसिटी को जानने के लिए अपने असली मोबाइल चार्जर को चेक कर लें। यदि संभव हो सके तो 2 यूएसबी पोर्ट वाला पावर बैंक ही चुनें। इस सुविधा से आप मोबाइल जल्द चार्ज कर पाएंगे। अगर आपके मोबाइल में चार्जर आउटपुट 2.1ऐ लिखा है तो पावर बैंक 1° आउटपुट वाला ना लें, वो चार्ज करने में ज्यादा समय लेगा तो ऐसे में आप 2.1 वाला पावर बैंक ही खरीदें।

ब्रांडेड ही चुनें

यूज़र्स को लुभाने के लिए मार्केट में खूबसूरत दिखने वाले कई पावर बैंक्स मौजूद हैं लेकिन खरीदते वक्त ब्रांडेड पावर बैंक ही चुनने में ही भलाई है। सेफ्टी और परफॉर्मेंस को सुधारने के लिए ऐसा मॉडल खरीदें जो ओवर वॉल्टेज प्रोटेक्शन के साथ आता हो। जो ओवर हीटिंग और डिस्चार्ज होने की दिशा में सुरक्षा प्रदान करें। यहां बताई गई सभी बातें आपको किसी ब्रांडेड पावर बैंक में ही मिल सकती हैं। इसलिए कभी भी लोकल और सड़कों पर बिकते पावर बैंक्स को ना खरीदें। उन पर बेशक कई हज़ार द्रढ्ढ की बैटरी होने की बात लिखी रहती है पर असल में वो खराब क्वॉलिटी की बैटरी के अलावा कुछ नहीं होता है।

आज मार्केट में 3 तरह के पावरबैंक्स उपलब्ध हैं-

1. बिना डिस्प्ले एलईडी वाले- इस तरह के पावर बैंक्स में डिस्प्ले की जगह 3-4 एलईडी मौजूद होती हैं। जितनी ज्यादा एलईडी जलती है बैटरी में उतना ज्यादा पावर आता है। इस तरह के पावर बैंक्स मार्केट में ज्यादा मौजूद है और कीमत के हिसाब से किफायती भी हैं।

2. डिस्प्ले के साथ- इस प्रकार के पावर बैंक्स में एक डिजीटल डिस्प्ले होता है। इसमें बैटरी का स्टेटस दिखता है, इसके ज़रिये हम जान सकते हैं कि बैटरी में अभी कितनी पावर बची हुई है। हालांकि डिस्प्ले बैटरी का स्टेटस मालूम करने का सबसे अच्छा तरीका है लेकिन डिस्प्ले खुद बैटरी की खपत करता है। इसलिए बैटरी बैकअप में कुछ फर्क आ जाता है।

3. बिना एलईडी और डिस्प्ले वाले- ऐसे पावर बैंक में ना तो डिस्प्ले होता है और ना ही एलईडी, जिससे पता चल सके की पावर बैंक में कितनी पावर बची है। इस तरह के पावर बैंक सस्ते तो होते हैं लेकिन इस्तेमाल के लिहाज से अच्छे नहीं होते।

mAh का लोजिक: मोबाइल बैटरी और पावर बैंक्स दोनों को mAh के ज़रिये आंका जाता है। जहां अभी तक मोबाइल की बैटरी 1000 mAh से लेकर 5000 mAh तक आ रहा है, वहीं 1500 mAh से लेकर 30,000 mAh तक के पावर बैंक्स भी मार्केट में देखने को मिल रहे हैं। ऐसे में आप अपनी ज़रूरत और अपने फोन की बैटरी के हिसाब से पावर बैंक चुन सकते हैं।

वैसे तो सभी कंपनियां यही दावा करती हैं कि उनका पावर बैंक जल्दी और तुरंत फोन चार्ज करता है लेकिन दावों का क्या है, इसलिए जब कभी पावर बैंक लेने की सोचें तो इन खास बातों का ज़रूर रखें।

वास्तु के अनुसार सजाएं मेहमानों का कमरा

अतिथि देवो भव भारतीय संस्कृति में अतिथि को भगवान का दर्जा दिया गया है। अत: मेहमान का स्वागत-सत्कार करने की हमारी परम्परा रही है। प्राचीन काल से चली आ रही यह प्रथा आज भी जारी है। अपने आवास का निर्माण करते समय इस बात का ध्यान रखें कि कई कमरों में एक कमरा मेहमान का होना चाहिए। वह कमरा कौन-सा हो, कहां स्थित हो आदि के बारे में वास्तुशास्त्र द्वारा निर्देश इस प्रकार हैं।

» अतिथि को ऐसे कमरे में ठहराना चाहिए, जो अत्यंत साफ व व्यवस्थित हो।

» आप गेस्टरूम को उत्तर-पश्चिम दिशा में बना सकते हैं। यह आपके मेहमानों के ठहरने के लिए सबसे सुविधाजनक दिशा है इसके अलावा दक्षिण पूर्वी दिशा में भी गेस्टरूम बना सकते हैं। उत्तर पूर्वी कोने में एक खिड़की जरूर रखना चाहिए।

» गेस्टरूम को घर की दक्षिण-पश्चिम दिशा में नहीं बनाना चाहिए क्योंकि यह दि?शा केवल घर के स्वामी के लिए होती है।

» मेहमान के कमरे के लिए अलग से एंट्री बनाएं। घर के बीचों-बीच ब्रह्म स्थान खाली हो, तो उत्तर की ओर सीढ़ियां बनवाकर पहली या दूसरी मंजिल पर गेस्ट रूम बनाया जा सकता है।

» अतिथि कक्ष में डेकोरेशन का खास तौर पर ख्याल रखना चाहिए। जहाँ तक हो सके कमरे की सजावट सामान्य हो इस बात का ध्यान रखें।

» मेहमान को जिस कमरे में ठहराया जाए, उस कमरे की दीवारों का रंग हल्का रखें तो बेहतर है।

» जहाँ तक हो सके गेस्टरूम में ही लेटबाथ अटैच बनाए पर यदि यह संभव नहीं हो तो कोशिश करें कि गेस्टरूम के समीप ही कॉमन लेटबाथ की व्यवस्था हो सकें। इससे आपके घर आए मेहमानों को परेशानी नहीं होगी।

» कभी भी गेस्टरूम में भारी लोहे का सामान नहीं रखना चाहिए, इस अवस्था में मेहमान तनाव महसूस कर सकता है।

» कमरे में एक ऐसी अलमारी की व्यवस्था हो, जिसके ऊपरी भाग में मेहमान अपना सामान रख सकें और नीचे के हिस्से में आप ज्यादा उपयोग में न आने वाली वस्तुएँ रख सकते हैं।

» गेस्टरूम को आप गेस्टरूम कम एक्टिविटी रूम भी बना सकते हैं। जिसमें म्यूजिक सिस्टम, होम थिएटर, कम्प्यूटर आदि भी रख सकते हैं। याद रखें इस कमरे में केवल वही सामान रखें, जिसकी जरूरत आपको रोजाना न पड़ती हो या बहुत कम पड़ती हो।

» अतिथि कक्ष में सोफासेट की व्यवस्था करना शुभ है। सोफासेट पर मैरून व हल्के रंग की चादर, दरी या कालीन बिछाएं तो अतिथि खुश रहेगा।

» यदि गेस्टरूम छोटा है तो आप फोल्डिंग बेड, सोफा कम बेड या दो अलग-अलग बेड का भी इस्तेमाल कर सकते हैं, जिससे कमरा भरा-भरा भी नहीं दिखेगा व सुविधायुक्त भी रहेगा।

» इस बात का ध्यान रखें कि यह कमरा अन्य बेडरूम के समीप हो, जिससे अतिथि खुद को आपसे अलग न समझ सकें।

गुस्सा डालता है आपकी सेहत पर बेहद बुरा प्रभाव

क्रोध यानी गुस्सा, यह व्यक्ति की एक ऐसी प्रकृति है। जो परिस्थितियों के मुताबिक मस्तिष्क में उत्पन्न होती है। गुस्से का परिणाम दूसरों के लिए बुरा हो या न हो, लेकिन गुस्सा करने वाले के लिए बहुत ही खतरनाक हो सकता है। क्रोध को हमारे शरीर और सेहत के लिए सबसे बड़ा शत्रु बताया गया है। इसकी वजह से कई बार रिश्ते भी टूट जाते हैं। अगर आपको छोटी-छोटी बातों पर भी गुस्सा आ जाता है तो इस पर काबू करें। वर्ना यह आपकी जिंदगी में कई तरह से जहर घोल सकती है।

स्वास्थ्य पर असर

वैज्ञानिकों द्वारा किए गए अध्ययनों के मुताबिक, क्रोध आने पर मस्तिष्क में ऐसे रासायनिक तत्व बनते हैं, जिनका शरीर और मन पर बुरा प्रभाव पड़ता है। आंखें लाल हो जाती हैं तथा हार्ट में जलन हो सकती है। ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। आक्रमक भावनाएं उत्पन्न होती हैं। सोच-समझने की शक्ति कमजोर हो जाती है। तनाव बढ़ता है। लगातार क्रोध करने से पाचन तंत्र कमजोर होता है, जिससे एसिडिटी, कब्ज, भूख नहीं लगना जैसे रोग हो सकते हैं। क्रोध से नींद नहीं आती, जिससे पूरे स्वास्थ्य पर बुरा असर होता है।

क्रोध को पहचानें

सलाह

क्रोध को काबू करने के लिए उसे पहचानने की जरूरत होती है। लोगों को टाइप ए और टाइप बी पर्सनालिटी के आधार पर पहचानें। टाइप ए पर्सनालिटी के लोग वे होते हैं। जिनकी किसी वस्तु को प्राप्त करने की इच्छा ज्यादा तीव्र होती है। ऐसे लोगों को गुस्सा बहुत जल्दी आता है, वह जल्द ही धैर्य खो बैठते है। आप भी इस श्रेणी में आ सकते हैं, अगर आपमें धैर्य की कमी, खाना जल्दी खाना, बैचेनी, काम-काज के दौरान चिड़चिड़ापन, गुस्से के दौरान खुद को नुकसान पहुंचाना आदि ।।

क्रोध पर काबू करने के 4 तरीके

- गुस्से को काबू में करने का यह सबसे बेहतरीन तरीका माना जाता है जो काफी मुश्किल होता है। आप चुप रहे और कुछ भी ना बोले। इससे व्यक्ति गुस्सा आने की स्थिति से बच जाता है।
- योग और ध्यान का सहारा लेना गुस्से पर काबू पाने के लिए लिहाज से काफी फायदेमंद होता है। इसलिए रोजाना ध्यान करने से गुस्से पर हमेशा के लिए काबू पाया जा सकता है। ध्यान से एक व्यक्ति का जीवन शांत और संतुलित हो जाता है और गुस्से पर काबू पा लेता है।
- जहां भी लड़ाई या गुस्से की स्थिति बन रही हो । आप उस जगह से तुरंत हट जाए। इससे व्यर्थ विवाद नहीं होगा और आप गुस्से से भी बच जाएंगे। विवाद या बहस की स्थिति में उस जगह पर रहना क्रोध का कारण बन जाता है।
- जब आपको क्रोध आए तो अपनी आंखों और कानों को बंद कर ले। इससे ये होगा कि लड़ाई जिन कारणों से भी हो रहा है उसे आप ना तो सुन पाएंगे और ना ही देख सकेंगे। इसलिए आपको गुस्सा बिल्कुल भी नहीं आएगा।

प्रकाशक राकेश शर्मा एवं मुद्रक आशीष लाहा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, फाटाशील, 2 नं., कादाबाड़ी मस्जिद के पास, ए.के. देब रोड, गड़चुक, कामरूप मेट्रोपॉलिटन, असम-781035 से मुद्रित एवं **हाउस नं. 26, बिशिनु पथ, बाई 2, रुक्मिणी गांव, कामरूप मेट्रो पॉलिटन, असम-781022 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : प्रदीप शील ● सहयोगी संपादक : रवि शंकर चौधरी ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**